आनंद का सच्चा भाव®
18 कैरेट रेट* (75.00%) = ₹102749/-
22 कैरेट रेट* (91.60%) = ₹125490/-
24 कैरेट रेट* (99.99%) = ₹136984/-
सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
anand Jewels
Pandri, Raipur
*Conditions apply



# हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, शुक्रवार 26 दिसंबर 2025







# सीएजी ने पकड़ा सौर सुजला का 'अंधेरा', एसी की जगह लगा दिए डीसी पंप, 50 करोड़ का फटका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि लगातार

सौर सुजला योजना देश के किसानों के खेतों तक पानी पंहुचाने वाली एक महत्वाकांक्षी योजना है। इस योजना के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी राज्य सरकार की एजेंसी क्रेडा पर है। इस संस्था ने योजना के दिशा निर्देशों को दरकिनार करते हुए एसी पंप की जगह डीसी पंप लगा दिए। वह भी दो चार या दस भी नहीं, 88 हजार से अधिक डीसी पंप लगाए गए, जो एसी की तुलना में मंहगे थे। इस गड़बड़ी से करीब 50 करोड़ (49.39 करोड़) की अतिरिक्त लागत आई। सीएजी की ताजा रिपोर्ट में इस मामले का उल्लेख है। दिलचस्प ये है कि सीएजी ने जब इस बारे में पूछा, तो सरकार ने बताया कि डीसी पंपों की चोरी की संभावना कम है, क्योंकि इसका कोई और उपयोग नहीं है। सौर सुजला योजना का उद्देश्य विशेष रूप से विद्युत विहीन, दुर्गम क्षेत्रों में सौर पंपों की स्थापना के माध्यम से लघु सिंचाई सुविधा पहुंचाना है। ▶▶| शेष पेज 6 पर

## 2016 से 23 के मध्य जारी की गई थी खुली निविदा, इसी में गड़बड़ी

### डीसी पंप एक से दो एचपी तक के लिए ही लगने थे

सौर सुजला योजना का उद्देश्य विशेष रूप से विद्युतविहीन, दुर्गम क्षेत्रों में सौर पंपों की स्थापना के माध्यम से लघु सिंचाई सुविधा पहुंचाना है। योजना के दिशानिर्देशों के अनुसार वर्ष 2016-17, 2017-18 और 2018-19 के लिए तीन से पांच एचपी क्षमता श्रेणी के केवल एसी सौर पंपो की स्थापना की जानी थी। जबकि डीसी सौर पंप का विकल्प एक से दो ▶▶| शेष पेज 6 पर

### एसी से महंगे थे डीसी पंप

अवधि वर्ष 2016-23 के दौरान, क्रेडा ने दो से पांच एचपी के एसी तथा डीसी सबमर्सिबल तथा सतही सौर पंपों की आपूर्ति तथा स्थापना के लिए खुली निविदा आमंत्रित की थी। सबमर्सिबल तथा सतही सौर पंपों की प्रति इकाई न्यूनतम स्वीकृत दरें एसी पंप हेतु 1 लाख 38,585 तथा 4 लाख 50 हजार के मध्य थी जबकि डीसी सौर पंप हेतु प्रति इकाई दर 1 लाख 86,219 तथा 4 लाख 90 हजार 500 के मध्य थी। इस तरह, डीसी सौर ▶▶| शेष पेज 6 पर

### 88 हजार से अधिक महंगे पंप लगाए

*लेखापरीक्षा (अप्रैल 2021 तथा सितम्बर 2023 के मध्य) में पाया गया कि अवधि वर्ष 2016-23 के दौरान, सौर सुजला योजना के अंतर्गत क्रेडा ने 1,24,472 सौर पंप स्थापित किए थे जिसमें 88,806 डीसी (71.35 प्रतिशत) पंप तथा 35,666 (28.65 प्रतिशत) एसी पंप शामिल थे। इनमें से, वर्ष 2016-17 से 2018-19 के दौरान, योजना के दिशानिर्देशों के विपरीत एसी पंपों की जगह तीन से पांच एचपी के 24,427 डीसी सौर पंप स्थापित किए थे। जिसके परिणामस्वरूप एसी पपों के अपेक्षा डीसी पंपो को प्राथमिकता देने के कारण योजना पर 49 करोड़ 39 लाख रुपयों की अतिरिक्त लागत आई। वर्ष 2016-17 से 2018-19 के दौरान तीन से पांच एचपी के महंगे डीसी पंप स्थापित किए गए थे जबकि दिशानिर्देशो में एसी पंपों की स्थापना हेतु प्रावधान किए गए थे। इसके परिणामस्वरूप 49.39 करोड़ का अतिरिक्त व्यय हुआ।*

## सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में शीर्ष माओवादी समेत छह ढेर

# हिड़मा के बाद अब मारा गया एक करोड़ का ईनामी नक्सली गणेश



*हिडमा के खात्मे के बाद सुरक्षा बलों को एक और बड़ी कामयाबी मिली है। चार दशक से दण्डकारण्य इलाके में सक्रिय व सात राज्य के वांटेड गणेश उईके उर्फ गणेशन्ना समेत चार नक्सलियों को ओडिशा के कधंमाल व गंजाम जिले के सरहदी वन क्षेत्र में हुए गुरुवार तड़के हुए मुठभेड़ में ओडिशा स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप, सीआरपीएफ व बीएसएफ की संयुक्त टीम ने मार गिराया। मुठभेड़ स्थल से दो महिला समेत छह नक्सलियों के शव व हथियार बरामद किया है।*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

खास खबर

गणेश उइके 80 के दशक से दण्डकारण्य क्षेत्र में सक्रिय रहकर कई संगीन घटनाओं का मास्टरमाइंड रहा है और सुरक्षाबलों को उसकी लंबे समय से तलाश थी। जानकारी के मुताबिक गणेश उइके (69), रूपा, राजेश तिवारी, चम्रू, पक्का हनुमंतु, गणेशन्ना एवं सोमारू जैसे कई उपनामों से भी जाना जाता था। वह तेलंगाना राज्य के नलगोंडा जिले के चेंदुर मंडल स्थित पुल्लेमाला गांव का निवासी था। वर्ष 1988 से दंडकारण्य क्षेत्र में सक्रिय गणेश उइके माओवादी संगठन का एक वरिष्ठ एक सक्रिय कैडर था। उसने जगदलपुर में सिटी ऑर्गनाइजर (1988-1998), वेस्ट बस्तर डिविजनल कमेटी के सचिव (1998-2006) तथा दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्य (2006 के बाद) के रूप में कार्य किया।

गणेश उईके की तलाश 7 राज्यों की पुलिस कर रही थी। ▶▶| शेष पेज 6 पर



### चल रहा बड़ा ऑपरेशन

ओडिशा के डीजीपी योगेश बहादुर खुराना ने कहा कि गंजम जिले की सीमा पर एक बड़ा नक्सल विरोधी जॉइंट ऑपरेशन चल रहा है। सेंट्रल कमेटी के सदस्य गणेश उइके समेत 4 नक्सलियों को मार गिराए जाने की सफलता गुरुवार को सुबह मिली। गणेश उइके ओडिशा में सभी नक्सली ऑपरेशनों को लीड कर रहा था। सुरक्षा बलों ने आज उसको खत्म ▶▶| शेष पेज 6 पर





### सुकमा व बीजापुर जिले में दर्ज थे 16 आपराधिक मामले

बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने बताया कि गणेश उइके एक कट्टर माओवादी कैडर था, जिसके विरुद्ध छत्तीसगढ़ के सुकमा एवं बीजापुर जिलों में कुल 16 आपराधिक प्रकरण दर्ज थे। गणेश उइके कई गंभीर अपराधों में संलिप्त था, जिनमें वर्ष 2014 में सुकमा जिले के तोंगपाल क्षेत्र अंतर्गत तहकवाड़ा में पुलिस दल पर किया गया सशस्त्र हमला प्रमुख है। जिसमें 15 पुलिस जवान शहीद हुए थे। उसके आपराधिक कृत्यों में आम नागरिकों की हत्याएं, हत्या का प्रयास, ▶▶| शेष पेज 6 पर

### शाह ने बताया मील का पत्थर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर अपने एक



पोस्ट में इस कामयाबी को नक्सल मुक्त भारत की दिशा में मील का पत्थर ▶▶| शेष पेज 6 पर

### नक्सलवाद पर निर्णायक प्रहार

नक्सलवाद के विरुद्ध चल रही निर्णायक लड़ाई में आज



ओडिशा के कंधमाल–गंजाम सीमावर्ती वन क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने एक और बड़ा प्रहार किया है। खुफिया-आधारित संयुक्त ▶▶| शेष पेज 6 पर

## विद्या समीक्षा केंद्र अव्वल

# वन क्लिक सिंगल विंडो सिस्टम और ई-कुबेर ने भी बनाई जगह

- मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार की घोषणा, छत्तीसगढ़ के 10 प्रशासनिक नवाचारों का चयन
- हाथी ट्रैकिंग एवं अलर्ट ऐप जैसे नवाचार भी चुने गए पुरस्कार के लिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रशासनिक कार्यों को सुदृढ़ करने के लिए प्रारंभ किए गए मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार की घोषणा कर दी गई है। शिक्षा विभाग का विद्या समीक्षा केंद्र इसमें अव्वल स्थान हासिल करने में सफल रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा इस पुरस्कार की घोषणा की गई। गौरतलब है कि यह पुरस्कार राज्य के विभिन्न जिलों और विभागों द्वारा लागू किए गए उन नवाचारों को सम्मानित करने के लिए दिए जाएंगे, जिन्होंने शासन व्यवस्था को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित बनाने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा, सुशासन एवं अभिसरण विभाग द्वारा स्थापित ये पुरस्कार इस बात के संकेत हैं कि राज्य शासन सार्वजनिक प्रशासन के केंद्र में नवाचार, ठोस परिणाम और नागरिक हित को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है। शासन की गुणवत्ता को केवल मंशा या व्यय के आधार पर नहीं, बल्कि उसके वास्तविक, मापनीय प्रभाव, विस्तार-योग्यता और जमीनी समस्याओं के समाधान की क्षमता के आधार पर आंका जाना चाहिए।

**नवाचार से समझाई डेटा एकीकरण की उपयोगिता-** जिला श्रेणी के विजेताओं में दंतेवाड़ा जिले की "ब्लॉकचेन आधारित भूमि अभिलेख डिजिटलीकरण" नवाचार ने भी अपना स्थान बनाया। जशपुर जिले की "निर्माण जशपुर" पहल ने यह दर्शाया कि एकीकृत डिजिटल मॉनिटरिंग किस प्रकार बुनियादी ढांचा ▶▶| शेष पेज 6 पर

### क्यूआर कोड आधारित सूचना भी

विभागीय श्रेणी में शिक्षा विभाग का "विद्या समीक्षा केंद्र" डेटा-आधारित शिक्षा शासन का एक मजबूत स्तंभ बनकर उभरा। इस पहल के लिए केंद्र स्तर पर भी शिक्षा सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी की सराहना हो चुकी है। यह मॉडल अन्य राज्यों में भी अपनाया जा रहा है। वाणिज्य एवं उद्योग विभाग की "वन क्लिक सिंगल विंडो सिस्टम" ने व्यवसाय सुगमता सुधार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है। वाणिज्य कर (आबकारी) विभाग की समग्र ई-गवर्नेंस सुधार पहल ने राजस्व संग्रह और अनुपालन व्यवस्था को सुदृढ़ किया। वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की "एफडीएस 2.0 – ई-कुबेर डिजिटल भुगतान प्रणाली" ने मैनुअल चेक आधारित प्रक्रियाओं को समाप्त कर पूर्णतः कैशलेस, आरबीआई एकीकृत भुगतान व्यवस्था लागू की। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा मनरेगा अंतर्गत लागू क्यूआर कोड आधारित सूचना स्व प्रकटिकरण व्यवस्था ने नागरिक-केंद्रित शासन को नई मजबूती दी।

## राष्ट्रीय खेल पुरस्कारः पहली बार योगासन के लिए आरती पाल चयनित

# खेलरत्न बनेंगे हार्दिक, दिव्या और शंकर को मिलेगा अर्जुन पुरस्कार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय हॉकी टीम के उपकप्तान हार्दिक सिंह प्रतिष्ठित मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार के लिए चयन समिति की एकमात्र सिफारिश बने हैं। वहीं, शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख और ट्रैक एंड फील्ड एथलीट तेजस्विन शंकर को अर्जुन पुरस्कार के लिए चुने गए 24 खिलाड़ियों की सूची में जगह मिली है। इसमें एक भी क्रिकेटर नहीं है। चयन समिति ने कल इन नामों पर मुहर लगाई, जिसमें विभिन्न खेलों के शीर्ष और युवा खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा। वहीं, पहली बार योगासन खिलाड़ी आरती पाल को अर्जुन पुरस्कार के लिए अनुशंसित किया गया है, जिसे खेल ▶▶| शेष पेज 6 पर



### किसी भी क्रिकेटर को नहीं मिली जगह

इस सूची में इस बार किसी भी क्रिकेटर को जगह नहीं मिली है। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी आखिरी क्रिकेटर थे, जिन्हें 2023 में यह सम्मान दिया गया था।

### खिलाड़ियों की सम्मान राशि

देश का सर्वोच्च खेल सम्मान खेल रत्न पुरस्कार विजेता को पदक, प्रशस्ति पत्र और 25 लाख रुपये की नकद राशि के साथ प्रदान किया जाता है। वहीं, अर्जुन पुरस्कार हासिल करने वाले खिलाड़ियों को 15 लाख रुपये की इनामी राशि दी जाती है।

### इन खिलाड़ियों को मिलेगा अर्जुन अवार्ड

अर्जुन पुरस्कार विजेता खिलाड़ीः तेजस्विन शंकर (एथलेटिक्स), प्रियंका (एथलेटिक्स), नरेंद्र (बॉक्सिंग), विदित गुजराथी (शतरंज), दिव्या देशमुख (शतरंज), धनुष श्रीकांत (डेफ शूटिंग), प्रणति नायक (जिमनास्टिक्स), राजकुमार पाल (हॉकी), सुरजीत (कबड्डी), निर्मला भाटी (खो-खो), रुद्रांश खंडेलवाल (पैरा शूटिंग), एकता भ्याण (पैरा एथलेटिक्स), पद्मनाभ सिंह (पोलो), अरविंद सिंह (रोइंग), अखिल श्योराण (शूटिंग), मेहुली घोष ▶▶| शेष पेज 6 पर

# शिकार के लिए बिछाए जाल में फंसा तेंदुआ, तार में फंसने से लगा गले में गंभीर जख्म


'बघवा' पर शिकारी भारी, दो बाघ, एक तेंदुए की मौत, दो के नाखून-दांत गायब!

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर/मैनपुर

उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में शिकारियों द्वारा बिछाए जाल में एक तेंदुआ फंसकर बुरी तरह घायल हो गया है। बिछाए गए जाल के तार में तेंदुआ का गला फंस गया और वह बुरी तरह से चोटिल हो गया है। यूएसटीआर प्रबंधन तेंदुआ को ट्रैंक्यूलाइज कर उपचार के लिए मैनपुर लाया है। तेंदुआ की हालत गंभीर है।

- एक माह के भीतर बिग कैट प्रजाति के वन्यजीव के शिकार की छठवीं घटना

विभागीय अफसरों के अनुसार वन विभाग की टीम एंटी स्नेयर वाक पर ▶▶| शेष पेज 6 पर

### एक माह में छठवीं घटना

राज्य के अलग-अलग वन क्षेत्रों में बिग कैट प्रजाति के वन्यजीवों के शिकार की एक माह में यह छठवीं घटना है। इसके पूर्व कांकेर, भोरमदेव, खैरागढ़, सूरजपुर, धमतरी के बाद उदंती-सीतानदी में बाघ तथा टाइगर का शिकार किया गया है। बाघों की गणना के लिए फेस वन सेंसेस चल रहा है। ऐसे में वन अमला फील्ड में सक्रिय है। इस स्थिति में शिकारियों द्वारा शिकार की घटना से कई गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

# हमर-प्रदेश

बिलासपुर, शुक्रवार 26 दिसंबर 2025 haribhoomi.com

हरिभूमि


# रास नहीं आई घरेलू उड़ान... नहीं मिले यात्री, जगदलपुर की तरह बिलासपुर-अंबिकापुर फ्लाइट भी ग्राउंड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अलग खबर

छत्तीसगढ़ के भीतर विभिन्न शहरों को आपस में वायु मार्ग से जोड़ने के लिए घरेलू उड़ान की योजना बेहतर रिस्पांस के अभाव में खटाई में पड़ती नजर आ रही है। जगदलपुर को रायपुर से जोड़ने फिर रायपुर-बिलासपुर-अंबिकापुर को कनेक्ट करने शुरू की गई फ्लाइटों को कुछ समय में ही बंद करना पड़ गया। इसकी वजह किराया ज्यादा होना और पर्याप्त संख्या में यात्रियों का नहीं होना था। छत्तीसगढ़ के विभिन्न शहरों को हवाई मार्ग से आपस में जोड़ने के लिए घरेलू विमान सेवा की योजना बनाई गई थी। इसके लिए करीब तीन साल पहले रायपुर-जगदलपुर के बीच एयर ओडिशा एयरलाइंस से अनुबंध किया गया था। कंपनी अपने छोटे एयरक्राफ्ट के माध्यम से यात्रियों को दोनों शहर के बीच यात्रा करने की सुविधा दे रही थी। शुरुआत में सफर ठीक रहा, इसके बाद यात्रियों की संख्या कम होने की वजह से इसकी चाल अनियमित हो गई और अनुबंध समाप्त करना पड़ा। इसके बाद एयर इंडिया ने रायपुर-जगदलपुर-हैदराबाद को आपस में जोड़ने फ्लाइट शुरू की। इस कंपनी की फ्लाइट ठीक चल रही थी, तो इंडिगो ने भी इसी सेक्टर में अपनी उड़ान शुरू की। रायपुर-जगदलपुर के बीच दोनों फ्लाइट को कम संख्या में यात्री मिलने लगे, तो दोनों कंपनियों ने संचालन से अपना हाथ पीछे खींच लिया। अंबिकापुर-बिलासपुर-रायपुर के बीच फ्लायबिग नामक कंपनी ने सालभर पहले अपनी विमान सेवा प्रारंभ की थी। शुरुआती दिनों में इसका फेयर 999 रुपए था, बाद में उसे 1999 और अंतिम दिनों 5999 तक पहुंच गया।

## रायपुर-जगदलपुर के बीच तीन कंपनियों का उड़ा था विमान, यात्री नहीं मिले तो हो गई बंद

### विंटर शेड्यूल में बंद हुई

रायपुर-जगदलपुर-हैदराबाद को जोड़ने वाली इंडिगो की फ्लाइट को पिछले साल विंटर शेड्यूल में शामिल नहीं किया गया था। उस दौरान यह अनुमान लगाया गया था कि फ्लाइट गर्मी के मौसम में पुनः उड़ान भर सकती है, मगर ऐसा नहीं हुआ। दोनों शहरों के बीच यात्रा करने वालों को तीन हजार रुपए तक खर्च करने पड़ रहे थे, इसलिए उनकी संख्या कम थी। यात्री कम होने की वजह से विमानन कंपनी ने भी इस फ्लाइट को नियमित रखना जरूरी नहीं समझा।

### औपचारिकता पूरी नहीं की

विमानन कंपनियों को अपनी आवाजाही का शेड्यूल बनाए रखने के लिए डीजीसीए के सामने औपचारिकता पूरी करनी पड़ती है। छोटी फ्लाइट में कम यात्री की वजह से फ्लाय बिग ने अक्टूबर से लागू विंटर शेड्यूल से अंबिकापुर-बिलासपुर-रायपुर फ्लाइट को अलग कर दिया। इस फ्लाइट को 19 दिसंबर 2024 में हरी झंडी दिखाई गई थी। शुरुआती दिनों में इसे सप्ताह में एक दिन चलाया गया, फिर अवधि बढ़ाकर 5 दिन किया गया। इसके बाद उड़ान में कटौती होने लगी।

## खबर संक्षेप

### जेवर साफ करने का झांसा देकर ठगी

**रायपुर।** धरसींवा थाना में एक महिला ने दो अज्ञात महिलाओं के खिलाफ पुराने जेवर तथा बर्तन चमकाने का झांसा देकर 50 हजार रुपए कीमत के सोने-चांदी के जेवर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पवनी निवासी लक्ष्मी यादव ने ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। बताया है कि दो अज्ञात महिला कंपनी का प्रचार करने के नाम पर मुफ्त में बर्तन तथा जेवर साफ करने के बाद पैसा देने का झांसा देकर जेवर तथा बर्तन की सफाई की।

### सोशल मीडिया में कमेंट करने के विवाद पर मारपीट

**रायपुर।** टिकरापारा थाना में एक युवक ने एक अन्य युवक तथा उसके साथी के खिलाफ सोशल मीडिया में कमेंट करने के विवाद पर मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। जोरा, कृष्ण नगर निवासी किशन यादव ने श्याम राजपूत तथा अन्य के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। किशन ने बताया है कि श्याम तथा उसके साथी ने अपने इंस्टाग्राम में कमेंट करने की बात को लेकर विवाद करते हुए मारपीट की।

### अस्पताल पहुंचने से पहले रास्ते में हो गई मौत

# नवीन सुरक्षा कैंप कोड़नार में ड्यूटी के दौरान जवान ने खुद को मारी गोली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारायणपुर

**जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र अंतर्गत थाना कोहकमेटा के नवनिर्मित सुरक्षा कैंप कोड़नार में 25 दिसंबर को ड्यूटी के दौरान एक जवान ने आत्महत्या कर ली है। गोली जवान के सिर के दाहिने हिस्से कनपटी में लगी। मामला कोहकमेटा थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है।**

25 दिसंबर की सुबह कैंप कोड़नार में पदस्थ आरक्षक क्रमांक 428 पिंगल जुरी जिला बल ड्यूटी पर मौजूद थे। इसी दौरान उन्होंने अपनी सर्विस रायफल से स्वयं को गोली मार ली। गोली लगने से उनके सिर में गंभीर चोट आई और वह घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही कैंप में तैनात अन्य जवानों द्वारा तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया गया। घायल आरक्षक को तुरंत उपचार के लिए जिला अस्पताल नारायणपुर रवाना किया गया। लेकिन अत्यधिक रक्तस्राव के चलते अस्पताल पहुंचने से पहले ही जवान की मृत्यु हो गई। जवान के शव को पोस्टमॉर्टम उपरांत परिजन को सौंप दिया गया है। नारायणपुर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

### 7 दिन पहले बीएसएफ जवान ने किया था सुसाइड

नारायणपुर जिले में सीमा सुरक्षा बल के जवान ने 7 दिन पहले सर्विस राइफल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर लिया था। जवान उत्तरप्रदेश का रहने वाला था। घटना सोनपुर थाना क्षेत्र की थी।

### 19 दिसंबर को स्थापित किया गया था कैंप

उल्लेखनीय है कि 19 दिसंबर को कोड़नार क्षेत्र में नवीन सुरक्षा कैंप की स्थापना की गई थी। जिसका उद्देश्य अबूझमाड़ के अंदरूनी इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत करना है। ऐसे समय में एक जवान की असामयिक मृत्यु से विभाग को गहरा आघात पहुंचा है।

### स्वास्थ्यगत कारणों से की आत्महत्या

प्राथमिक जांच में आत्महत्या का कारण स्वास्थ्यगत समस्या बताया जा रहा है। हालांकि, पुलिस द्वारा मामले के सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है। घटनास्थल पर पंचनामा, शव परीक्षण सहित अन्य वैधानिक प्रक्रियाएं पूरी की जा रही हैं।

### आला अफसर पहुंचे अस्पताल

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी जिला अस्पताल पहुंचे और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। पुलिस प्रशासन द्वारा दिवंगत जवान के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की गई है।

### किशोरी सहित अब तक सात गिरफ्तार

## एमडीएमए ड्रग मामला, इवेंट मैनेजर सहित दो गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

एमडीएमए ड्रग मामला में राजेंद्र नगर थाने की पुलिस ने इवेंट मैनेजर सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया है। एक को पुलिस ने नागपुर से गिरफ्तार किया है। ड्रग रैकेट मामले में पुलिस ने एक किशोरी सहित कुल सात लोगों की गिरफ्तार की है। रैकेट से जुड़े अन्य लोगों के बारे में पुलिस पतासाजी कर रही है। सोशल मीडिया में वीडियो वायरल होने के बाद ड्रग रैकेट के बारे में पुलिस को जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस ने ड्रग रैकेट संचालित करने वालों के खिलाफ शिकंजा कसना शुरू किया। ड्रग सिंडिकेट से जुड़े इवेंट मैनेजर तथा डेकोरेटर मंदिर हसौद निवासी माजिद खान तथा नागपुर निवासी नंदलाल ठाकुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तीन दिन पूर्व वरण अपार्टमेंट के फ्लैट में रेड कार्रवाई करते हुए मुख्य सप्लायर पराग बरछा उर्फ रघु, शुभम राजू धावड़े, अमन शर्मा, शुभम सिंघनापुरे उर्फ आर्यन तथा एक किशोरी को एमडीएमए ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया था। उनके कब्जे से पुलिस ने साढ़े तीन लाख रुपए कीमत की 10 ग्राम एमडीएमए, चार मोबाइल फोन और 20 हजार रुपए नकद जब्त किए गए थे।

## छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश के कलेक्टरों पर हाईकोर्ट नाराज, 9 साल बाद भी नहीं मिला मुआवजा

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में सांप काटने से मौत के 9 साल बाद भी मजदूर के परिजन को मुआवजा नहीं मिला है। इस मामले को लेकर दायर याचिका पर हाईकोर्ट ने मध्यप्रदेश के बालाघाट और बालोद जिले के कलेक्टर पर नाराजगी जाहिर की है। हाईकोर्ट ने दोनों कलेक्टर को नोटिस जारी कर पूछा है कि हादसे के 9 साल बाद भी मृतक के परिवार वालों को मुआवजा क्यों नहीं दिया गया।

दरअसल, मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले के ग्राम खैरलांजी निवासी प्रशांत शिंदे साल 2016 में श्रमिक के रूप में काम करने बालोद जिले के डोंडी लोहारा तहसील स्थित ग्राम नहंदा आया था। 25 अक्टूबर 2016 की रात जब वह सो रहा था, तभी उसे सांप ने डस लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। इस घटना की जानकारी मृतक की पत्नी सुलेखा शिंदे और परिजनों ने बालोद थाने में दी थी। जिसके बाद उसकी पत्नी ने बालोद और बालाघाट दोनों जिलों के कलेक्टर के समक्ष मुआवजा के लिए आवेदन भी प्रस्तुत किया था।

**4 लाख रुपए मुआवजा दिया जाना**

राज्य शासन के प्रावधान के अनुसार आपदा जैसी स्थिति या सर्पदंश और विषैले जंतु के काटने से मृत्यु होने पर 4 लाख रुपए मुआवजा दिया जाना है। बावजूद इसके 9 साल बीत जाने के बाद भी प्रशांत शिंदे के परिजनों को मुआवजा नहीं मिल सका है। लगातार प्रयास के बाद भी सहायता राशि नहीं मिलने पर मृतक की पत्नी सुलेखा शिंदे ने अपने वकील के माध्यम से हाईकोर्ट में याचिका दायर की। इस मामले की सुनवाई जस्टिस पार्थ प्रतिम साहू की एकलपीठ में हुई। हाईकोर्ट ने सुनवाई के बाद बालोद और बालाघाट कलेक्टर को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। कोर्ट ने पूछा है कि आखिर किन कारणों से मृतक के परिजन इतने वर्षों से मुआवजा से वंचित रखा गया है।

## नितिन नबीन से मिले कौशिक, दी बधाई

रायपुर। भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन से पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक धरमलाल कौशिक ने मुलाकात कर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी। इस दौरान राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री नबीन का धरमलाल कौशिक ने पुष्पगुच्छ देकर अभिवादन किया। इस अवसर पर भाजपा सह कार्यालय मंत्री प्रीतेश गांधी भी मौजूद रहे, उन्होंने भी शुभकामनाएं दी।

## फैमिली कोर्ट आदेश के खिलाफ 9 साल की देरी से अपील खारिज

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट के आदेश के खिलाफ रिवीजन याचिका खारिज कर दी है। इसमें फैमिली कोर्ट के वर्ष 2016 में दिए गए आदेश के खिलाफ अपील में 3340 दिनों की देरी को माफ करने की मांग थी। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने 19 दिसंबर 2025 को आदेश जारी कर कहा कि इतनी अधिक देरी के लिए कोई पर्याप्त कारण नहीं है। वर्ष 2014 में भिलाई निवासी महिला और 15 वर्ष के बेटे ने पिता से मेंटेनेंस की मांग करते हुए केस लगाया था। दुर्ग के फैमिली कोर्ट ने 11 जुलाई 2016 को पिता को बेटे को हर माह 1500 रुप भरण-पोषण देने का आदेश दिया, जो 18 वर्ष की उम्र यानी 11 मार्च 2018 तक वैध था। पिता का दावा है कि उसने सभी बकाया चुका दिया, लेकिन पत्नी और बेटा अब भी धमकी दे रहे हैं। हाई कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के कई मामलों में दिए गए फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि देरी माफ करने के लिए पर्याप्त कारण जरूरी है, गरीबी या कानून की अज्ञानता पर्याप्त कारण नहीं है। हाई कोर्ट ने कहा समय सीमा यानी लिमिटेशन सार्वजनिक नीति पर आधारित है, जो मुकदमों में निश्चितता सुनिश्चित करती है।

## हाईकोर्ट ने कहा 'पात्र को प्रमोशन से वंचित रखना है भेदभावपूर्ण'

# सीनियर की जगह जूनियर टीचर को दी पदोन्नति, आदेश निरस्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

हाईकोर्ट के जस्टिस संजय जायसवाल ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि, किसी भी अधिकारी-कर्मचारी के पात्र होने के बाद भी प्रमोशन से वंचित रखना भेदभावपूर्ण है। कोर्ट ने प्रमोशन से वंचित टीचर को राहत देते हुए शिक्षा विभाग के उस आदेश को निरस्त कर दिया है, जिसमें स्नातकोत्तर उपाधि नहीं होने का हवाला दिया था।

दरअसल, दिनेश कुमार राठौर की पहली नियुक्ति 26 अप्रैल 1989 को शिक्षक के पद पर हुई थी। इसके बाद 2 फरवरी 2009 को उन्हें उच्च वर्ग शिक्षक के पद पर पदोन्नति दी गई। जिला शिक्षा अधिकारी ने 23 जनवरी 2015 के आदेश से उन्हें 18 अगस्त 2008 से वरिष्ठता भी प्रदान की थी। नियमों के अनुसार पांच वर्ष की सेवा पूर्ण करने के बाद वे व्याख्याता पद पर पदोन्नति के लिए पात्र थे।

छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा राजपत्रित सेवा (स्कूल स्तर सेवा) भर्ती एवं पदोन्नति नियम, 2008 के तहत व्याख्याता के पद 100 प्रतिशत पदोन्नति से भरे जाने का प्रावधान है। इसके बावजूद विभागीय पदोन्नति समिति ने 19 जून 2012 को जारी आदेश में याचिकाकर्ता से जूनियर को पदोन्नत कर दिया, जबकि उनके प्रकरण पर विचार ही नहीं किया गया। विभाग ने याचिकाकर्ता का दावा यह कहते हुए खारिज कर दिया कि, 1 अप्रैल 2010 को उनके पास स्नातकोत्तर उपाधि नहीं थी। जबकि, वास्तविकता यह है कि याचिकाकर्ता ने 16 अप्रैल 2012 को स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त कर ली थी और पदोन्नति आदेश 19 जून 2012 को जारी हुआ था, यानी पदोन्नति की तिथि पर वे पूरी तरह पात्र थे। प्रशासनिक स्तर पर राहत न मिलने पर याचिकाकर्ता ने पहले वर्ष 2015 में हाईकोर्ट की शरण ली। कोर्ट के निर्देशों के बावजूद विभाग ने 16 सितंबर 2016 को दोबारा दावा खारिज कर दिया। इससे आहत होकर याचिकाकर्ता ने वकील जितेन्द्र पाली और अनिकेत वर्मा के माध्यम से याचिका दायर की। मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता को 1 जून 2017 को व्याख्याता पद पर पदोन्नति दे दी गई। इसके बाद भी हाईकोर्ट ने मामले के गुण-दोष पर विचार करते हुए पाया कि याचिकाकर्ता के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार किया गया है। हाईकोर्ट ने 16 सितंबर 2016 के आदेश को निरस्त करते हुए याचिकाकर्ता को निर्देश दिया कि वे अपनी समस्त मांगों के साथ नया अभ्यावेदन प्रस्तुत करें।

बिलासपुर, शुक्रवार 26 दिसंबर 2025 | पौष शुक्ल पक्ष षष्ठी | वर्ष : 25, अंक : 273 | पृष्ठ : 10+6 = 16 मूल्य : 4.00*** | haribhoomi.com

# हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

# भूपेश की टिप्पणी पर पं. धीरेंद्र शास्त्री बोले- हिंदुओं को जोड़ना अंधविश्वास है, तो उन्हें देश छोड़ देना चाहिए

## पंडित धीरेंद्र शास्त्री बोले- कांकेर विवाद ठीक नहीं, मतांतरण और धर्मांतरण देश की सबसे बड़ी समस्या

पं. धीरेंद्र शास्त्री जयंती स्टेडियम में होने वाली हनुमंत कथा में शामिल होने के लिए भिलाई पहुंचे

पं. धीरेंद्र शास्त्री जी महाराज गुरुवार दोपहर भिलाई के जयंती स्टेडियम में होने वाली हनुमंत कथा में शामिल होने के लिए पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से चर्चा के दौरान धर्मांतरण समेत कई मुद्दों पर बात की। उन्होंने कांकेर विवाद पर कहा, यह ठीक नहीं है, आचार्य ने कहा कि मतांतरण और धर्मांतरण देश की सबसे बड़ी समस्या है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता भूपेश बघेल पर पलटवार करते हुए कहा कि यदि हिंदुओं को जोड़ना अंधविश्वास है, तो उन्हें देश छोड़ देना चाहिए। बता दें कि तीन दिन पहले श्री बघेल ने दुर्ग शंकर नगर में आयोजित कार्यक्रम में पं. धीरेंद्र शास्त्री और पं. प्रदीप मिश्रा को ल ▶▶|शेष पेज 6 पर

### गौमाता को राष्ट्र माता का दर्जा मिलना चाहिए

पं. शास्त्री ने कहा कि गौमाता को राष्ट्र माता का दर्जा मिलेगा, तब भारत हिन्दू राष्ट्र बनेगा। वर्तमान समय हिन्दू राष्ट्र निर्माण का सही समय है। देश की उन्नति जातपात से नहीं बल्कि राष्ट्रवाद से होगी। उन्होंने कहा कि धर्मांतरित लोग जो ▶▶|शेष पेज 6 पर

### एक हाथ में संविधान और दूसरे में गीता-रामायण

संविधान को मानने के सवाल पर पं. धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि उनके पूर्वजों ने संविधान को स्वीकार किया है और उनके मन में इसके प्रति पूरी निष्ठा और श्रद्धा है। उन्होंने कहा कि हम एक हाथ में संविधान और दूसरे हाथ में गीता-रामायण लेकर जीवन जीने वाले हैं। जिस संविधान की शुरुआत राम दरबार के चित्र से होती है, वह हमारे भारत का संविधान है। उन्होंने कहा कि जीवन के लिए दो चीजें जरूरी हैं। वे सेवा समर्पण समिति ▶▶|शेष पेज 6 पर

### नौ राज्यों में हो गए अल्पसंख्यक, मुस्लिम 6 से बढ़कर हो गए 28 प्रतिशत

पं. धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि एक वर्ग 6% से बढ़कर 28% हो गया, जबकि हिंदू 90% से घटकर 80% रह गए। उन्होंने कहा कि अगर अब भी खतरा महसूस नहीं हो रहा, तो शायद बांग्लादेश का नक्शा देखकर ही समझ आएगा। उन्होंने लव जिहाद का जिक्र करते हुए कहा कि जब बहन-बेटियां इसमें फंसेंगी, तब खतरा महसूस होगा। उन्होंने दावा किया कि देश के 9 राज्यों में हिंदू अल्पसंख्यक हो गए हैं और अब हर हिंदू को सनातन एकता पर जोर देना होगा। छत्तीसगढ़ का हिंदू समाज अब जागने लगा है। वे लगातार प्रदेश आ रहे हैं और आने वाले समय में सरगुजा-जशपुर में कथा करेंगे, जहां एशिया की सबसे बड़ी चर्च के सामने ही मंच लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि धर्मांतरण के तीन मुख्य कारण हैं । अशिक्षाः इसके लिए शिक्षा के प्रति जागरूकता जरूरी है। आर्थिक तंगीः समृद्ध हिंदुओं को गरीब हिंदुओं और गांवों को गोद लेकर उनकी मदद करनी चाहिए और तीसरा अंधविश्वासः इसके लिए वे दरबार लगाते रहेंगे, जब तक भगवान हनुमान पर लोगों का भरोसा मजबूत नहीं हो जाता।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

## खबर संक्षेप

### आदिवासी अस्पतालों को ड्रोन के जरिए दवाएं

**अमरावती।** आंध्र प्रदेश के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग ने एक निजी संगठन के साथ दूरदराज के आदिवासी क्षेत्रों के अस्पतालों में ड्रोन के माध्यम से दवाएं और रक्त इकाइयां पहुंचाने के लिए एक समझौता किया। अल्लूरी सीताराम राजू जिले का पाडेरू मंडल इस पहल का केंद्र होगा। इसका उद्देश्य दवाओं और रक्त की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करना है।

### दो भारतीय गिरफ्तार कोकीन बरामद

**काठमांडू।** नेपाल पुलिस ने दो घटनाओं में 4.3 किलोग्राम कोकीन बरामद की और दो भारतीयों समेत तीन विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। कोटेस्वर स्थित स्वापक नियंत्रण ब्यूरो की एक पुलिस टीम ने काठमांडू महानगरपालिका-9 के सिनामंगल क्षेत्र से इन विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया जो हवाई मार्ग से नेपाल पहुंचे थे।

## प्रधानमंत्री ने लखनऊ में राष्ट्र प्रेरणा स्थल का किया उद्घाटन

# पीएम मोदी बोले- एक परिवार ने देश को बनाया था बंधक, भाजपा ने कराया मुक्त

*प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को लखनऊ में राष्ट्र प्रेरणा स्थल का उद्घाटन किया। इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, एक परिवार ने देश को बंधक बनाया था, भाजपा की सरकार ने उसे मुक्त कराया। परिवारवाद की राजनीति की एक विशिष्ट पहचान होती है। असुरक्षा से घिरी होती है। इस कारण परिवारवाद दूसरे की लकीर को छोटा करने की प्रवृत्ति होती है। इसी सोच ने भारत में राजनीतिक छूआछूत का चलन शुरू किया।*

एजेंसी ▶▶| लखनऊ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने परिवारवाद के मुद्दे पर कांग्रेस की आलोचना करते हुए गुरुवार को कहा कि भाजपा को राजनीतिक रूप से हमेशा 'अछूत' बनाये रखने वाली कांग्रेस के 'शाही परिवार' ने बाबा साहब भीमराव आंबेडकर की विरासत को मिटाने और सरदार वल्लभभाई पटेल के कद को कमतर करने का भी प्रयास किया, लेकिन भाजपा ने उन्हें समुचित सम्मान दिलाया। मोदी ने लखनऊ में 'राष्ट्र प्रेरणा स्थल' का उद्घाटन करने के बाद एक कार्यक्रम ▶▶|शेष पेज 6 पर

- कांग्रेस और सहयोगी दलों पर जमकर साधा निशाना

### छत्तीसगढ़ का किया जिक्र

प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ में शहीद वीर नारायण सिंह आदिवासी संग्रहालय और उत्तर प्रदेश में महाराजा सुहेलदेव के स्मारक का भी जिक्र करते हुए कहा कि इनका निर्माण तभी हो सका, जब इन राज्यों में भाजपा की सरकार बनी। उन्होंने कहा, परिवारवाद की राजनीति की एक विशिष्ट पहचान होती है।

### कांग्रेस ने पूर्व पीएम को किया नजरअंदाज

पीएम ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने दिल्ली में प्रधानमंत्री संग्रहालय में अनेक पूर्व प्रधानमंत्रियों को नजरअंदाज किया। इस स्थिति को भी एनडीए ने ही बदला है। आज वहां आजाद भारत के हर प्रधानमंत्री, चाहे उनका कार्यकाल कितना भी छोटा रहा हो, सबको उचित सम्मान दिया गया है।

### भारत दुनिया का सबसे बड़ा मोबाइल निर्माता बना

पीएम ने कहा- भारत में टेलीकाम को गति देने का काम अटलजी ने ही किया। आज भारत दुनिया में सबसे अधिक इंटरनेट और मोबाइल यूजर वाले देशों में से है। अटलजी जहां होंगे, वो इस बात से खुश होंगे। 11 वर्षों में भारत दुनिया के सबसे बड़ा मोबाइल निर्माता देश बन गया है।

### कांग्रेस और उसके सहयोगियों पर साधा निशाना

प्रधानमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने राजनीतिक रूप से भाजपा को हमेशा 'अछूत' बनाए रखा लेकिन भाजपा के संस्कार हमें सब का सम्मान करना सिखाते हैं। उन्होंने कहा, पिछले 11 वर्षों में भाजपा और राजग सरकार के कार्यकाल में नरसिम्हा राव जी और प्रणब बाबू (पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी) को भारत रत्न दिया गया।

### भाजपा ने हर किसी के योगदान को दिया सम्मान

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, भाजपा ने हर किसी के योगदान को सम्मान दिया। आज नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा दिल्ली के कर्तव्य पथ है। अंडमान में नेताजी ने जहां पर तिरंगा फहराया, वहां उनकी प्रतिमा। कोई नहीं भूल सकता है कि आंबेडकर की विरासत को मिटाने का प्रयास किया गया।

## साय ने किया लोकार्पण

### छग में 115 अटल परिसर

**रायपुर।** पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के अवसर पर प्रदेश के 115 नगरीय निकायों में नवनिर्मित अटल परिसरों का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने राजधानी रायपुर में अटल एक्सप्रेस-वे के फुंडहर चौक पर स्थापित अटलजी की प्रतिमा का अनावरण तथा अटल परिसर का लोकार्पण करते हुए राज्यभर में आयोजित कार्यक्रमों से वर्चुअल रूप से जुड़कर अन्य 114 नगरीय निकायों में निर्मित अटल परिसरों का भी लोकार्पण किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह तथा तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरू खुशवंत साहेब कार्यक्रम में उपस्थित थे।

## कई हवाई अड्डों पर असर

# खराब मौसम, इंडिगो ने रद्द कीं 67 उड़ानें

एजेंसी ▶▶| मुंबई

घरेलू विमानन कंपनी इंडिगो ने बृहस्पतिवार को खराब मौसम के अनुमान और परिचालन कारणों से कई हवाई अड्डों पर 67 उड़ानें रद्द कर दीं। कंपनी की वेबसाइट के अनुसार उन 67 उड़ानों में से केवल चार परिचालन कारणों से रद्द की गईं जबकि बाकी अगरतला, चंडीगढ़, देहरादून, वाराणसी, बेंगलुरु जैसे विभिन्न हवाई अड्डों पर खराब मौसम के पूर्वानुमान के कारण रद्द हुईं।

### कम दृश्यता और कोहरे का असर

इस बीच, इंडिगो ने 'एक्स' पर जारी यात्रा परामर्श में कहा, बेंगलुरु में कम दृश्यता और कोहरे के कारण उड़ान कार्यक्रम प्रभावित हुआ है। हम मौसम पर कड़ी नजर रख रहे हैं। आपकी यात्रा को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। इस चेतावनी पर एक असंतुष्ट यात्री ने पोस्ट में कहा, 20 दिसंबर को भुवनेश्वर से अहमदाबाद जाने वाली मेरी उड़ान पांच घंटे से अधिक देर हो गई थी।

# काशी विश्वनाथ में प्रोटोकाल और स्पर्श दर्शन पर लगी रोक

एजेंसी ▶▶| वाराणसी

- शीतकालीन छुट्टियों और नव वर्ष पर नया नियम

वाराणसी के प्रसिद्ध श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में शीतकालीन छुट्टियों और आंग्ल नववर्ष पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ आने की संभावना को देखते हुए प्रोटोकॉल दर्शन और स्पर्श दर्शन पर रोक लगा दी गयी है। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्यकार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र ने बताया कि शीतकालीन छुट्टियों और आंग्ल नव वर्ष के कारण मंदिर में भारी भीड़ के चलते 24 दिसंबर से प्रोटोकॉल दर्शन और स्पर्श दर्शन पर रोक लगा दी गयी है।

# ट्रक से टक्कर के बाद स्लीपर बस में आग, नौ जिंदा जले

एजेंसी ▶▶| चित्रदुर्ग

कर्नाटक के चित्रदुर्ग जिले में बुधवार देर रात ट्रक के 'लग्जरी स्लीपर' बस से टकराने के बाद बस में आग लग गई, जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई। हिरियूर के पास एक तेज रफ्तार कंटेनर ट्रक ने एक निजी लक्जरी स्लीपर बस को टक्कर मार दी, जिससे बस में आग लग गई।

### राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति पीएम ने शोक जताया

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कर्नाटक के चित्रदुर्ग और तमिलनाडु के कुड्डालोर में सड़क हादसों में लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया।

## नक्सलगढ़ में सीबीआई का बड़ा एक्शन

# रिश्वत लेते एसडीआई समेत पोस्ट ऑफिस के चार कर्मचारी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बीजापुर

जिला मुख्यालय बीजापुर में सीबीआई ने दबिश दी। बुधवार देर रात हुई कार्रवाई में रिश्वत लेते हुए पोस्ट ऑफिस के चार अधिकारियों, कर्मचारियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। छत्तीसगढ़ डाक परिमंडल के बस्तर संभाग, जिला बीजापुर से सीबीआई ने शास्त्री कुमार पैंकरा उपसंभागीय निरीक्षक (डाक) एसडीआई (पी) बीजापुर, मालौथ ▶▶|शेष पेज 6 पर

### छापेमारी में 50 हजार नकद बरामद

*सीबीआई की टीम ने पूर्व नियोजित रणनीति के तहत छापेमारी करते हुए आरोपियों के पास से 50 हजार रुपए नकद बरामद किए हैं। प्रारंभिक जांच में यह रकम रिश्वत की राशि बताई जा रही है। अधिकारियों के अनुसार बरामद नकदी को सबूत के तौर पर जब्त कर लिया गया है। मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की गहन जांच जारी है। सभी चारों आरोपियों से बंद कमरे में पूछताछ चल रही है। रायपुर से एसीबी टीम, सीबीआई और लोकल पुलिस की मदद से यह पूछताछ की जा रही है। 4 आरोपियों की गिरफ्तारी भी हो सकती है। सीबीआई अब पूरे मामले की गहन जांच कर रही है।*

चिंतन

# रहमान की बांग्लादेश वापसी भारत के लिए मिश्रित संकेत

बांग्लादेश की सबसे मजबूत राजनीतिक पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक अध्यक्ष एवं पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान आखिरकार 17 साल के वनवास के बाद स्वदेश लौट आए हैं। उनका लौटना सीधे राजनीति में उनकी वापसी के तौर पर देखा जा रहा है। रहमान 12 फरवरी को बांग्लादेश में होने वाले आम चुनावों में भाग लेंगे। उन्हें बीएनपी में पीएम पद का दावेदार भी माना जा रहा है। बता दें कि रहमान की बांग्लादेश वापसी भारत के लिए एक मिश्रित संकेत माना जा रहा है। एक ओर, उनकी वापसी से बांग्लादेश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूती मिल सकती है, जो भारत के हित में होगी, क्योंकि उन्होंने वतन लौटते ही कहा कि उनकी विदेश नीति बांग्लादेश के हितों को प्राथमिकता देगी, जो भारत के साथ संबंधों में एक सकारात्मक संकेत हो सकता है। हालांकि संकेत यह भी मिल रहे हैं कि रहमान की वापसी से कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी के प्रभाव में वृद्धि हो सकती है, जो भारत के लिए बड़ी चुनौती बन सकती है। जमात-ए-इस्लामी के साथ रहमान के गठबंधन से भारत-बांग्लादेश संबंधों में तनाव और बढ़ सकता है। बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता बढ़ सकती है, जो भारत के लिए एक गंभीर चिंता का विषय है। हालांकि क्या होगा, यह सब तो फिलहाल भविष्य के गर्भ में है, लेकिन भारत को हर हाल में चौकन्ना रहना होगा और पड़ोसी देश में हो रही हलचलों पर कड़ी नजर रखनी होगी। बता दें कि 2008 में जब रहमान पर भ्रष्टाचार और अन्य आरोप लगे, तो वह लंदन चले गए थे। शेख हसीना सरकार गिरने के बाद अदालतों ने उन्हें बरी कर दिया, जिससे उनकी वापसी का रास्ता साफ हुआ है। इसे भारत के नजरिये से देखें तो बांग्लादेश की सत्ता से शेख हसीना के हटने के बाद अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस के कार्यकाल में भारत-बांग्लादेश संबंधों में तनाव बढ़ा है। यूनुस सरकार ने पाकिस्तान से नजदीकियां बढ़ाई हैं, जबकि भारत से दूरी बनाई है। अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं पर हमले बढ़े हैं और कट्टरपंथी ताकतें मजबूत हुई हैं। रहमान ने पहले भारत-विरोधी बयान दिए हैं, लेकिन हाल के संकेत सकारात्मक हैं। उन्होंने कहा है, न दिल्ली, न इस्लामाबाद, बांग्लादेश पहले। भारत ने बीएनपी नेतृत्व से बातचीत की है और रहमान की मां खालिदा जिया की बीमारी पर सहानुभूति जताई है। भारत ने उनके इलाज की भी पेशकश की थी। कयास लगाए जा रहे हैं कि बीएनपी सत्ता में आई तो भारत के साथ संतुलित संबंध रखेगी, क्योंकि उनके भाषण में पाकिस्तान से भी दूरी बनाए रखने के संकेत मिल रहे हैं। वहीं, भारत भी चाहता है कि बांग्लादेश में स्थिर और लोकतांत्रिक सरकार आए, जो क्षेत्रीय सुरक्षा और व्यापार के लिए फायदेमंद हो। बीएनपी की जीत से विदेश नीति में बदलाव आ सकता है, जो भारत के हित में होगा। भारत शांतिपूर्ण चुनाव और स्थिर पड़ोसी की उम्मीद कर रहा है। आगे के दिन बांग्लादेश की दिशा तय करेंगे। इस समय परिस्थिति ऐसी है कि भले बीएनपी के भारत के साथ तनावपूर्ण संबंध रहे हों, लेकिन मौजूदा वक्त में बीएनपी को ही भारत अधिक उदार और लोकतांत्रिक विकल्प के रूप में देख रहा है। अवामी लीग का पत्ता पहले ही काटा जा चुका है और ऐसे में भारत को उम्मीद होगी कि रहमान की वापसी से बीएनपी कार्यकर्ताओं में जोश आएगा और पार्टी अगली सरकार बनाएगी। यहां भारत के लिए स्थिति ऐसी है कि उसे दो बुरे में से एक कम बुरा चुनना होगा।

एफटीए

प्रमोद भार्गव

# न्यूजीलैंड से निर्यात पर भारत की दृढ़ता

विश्व कारोबार पटल पर भारत की महत्ता की स्वीकार्यता लगातार बढ़ती दिखाई दे रही है। भारत ने न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) में किसान हितों का पूरा ख्याल रखते हुए इस समझौते को अंतिम रूप दिया है। याद रहे अमेरिकी कृषि उत्पाद निर्यात पर भारत ने दो टूक मना कर दी थी। इस कारण राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नाराजगी का भारत ने बढ़ाए गए टैरिफ के रूप में सामना किया। इसकी भरपाई के लिए धैर्य से काम लेते हुए ब्रिटेन, ओमान और अब न्यूजीलैंड से अपनी शर्तों पर एफटीए करके किसान हितों को साधते हुए उल्लेखनीय समझौते कर लिए। इसी माह दिसंबर 2025 में भारत ने ओमान के साथ कॉम्प्रेहेन्सिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट (सीपा) किया था और अब भारत की न्यूजीलैंड से चली 9 माह की वार्ता में न्यूजीलैंड से इस बात पर सहमति हो गई कि इस समझौते में कृषि और डेयरी उत्पादों को पूरी तरह बाहर रखा जाएगा। यह उपलब्धि इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत से 5000 अभियंता न्यूजीलैंड काम करने के लिए जाते हैं। बावजूद यह समझौता शून्य टैरिफ पर होना भारत के दोनों हाथों में लड्डू होने जैसा है।

इस समझौते से अमेरिका को इसलिए भी झटका लगा है, क्योंकि पांच साल पहले एशिया-प्रशांत व्यापार क्षेत्र के रूप में उभर रहे 15 देशों के व्यापार पटल आरईसीपी (रिजनल कॉम्प्रेहेन्सिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप) का सदस्य बनने से भारत ने इनकार कर दिया था। इसका मुख्य कारण था कि न्यूजीलैंड के सस्ते दूध और कृषि उत्पादों का भारत में निर्यात रोकना। अब भारत ने न्यूजीलैंड से स्वतंत्र रूप में समझौता करके किसान हितों को साध लिया है। दरअसल भारत में किसान और दुग्ध उत्पादक ग्वालों की प्रकृति पर निर्भरता होने के कारण आर्थिक स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर है। अतएव अमेरिका हो या न्यूजीलैंड यदि उनके सस्ते उत्पादों को भारत में बेचने की अनुमति मिल जाती है तो इन लोगों को रोटियों के लाले पड़ सकते हैं ? भारत इन उत्पादों की बजाय न्यूजीलैंड से सेब, कीवी, शहद और वाइन आयात करेगा। इनके आयात में टैरिफ में भी बड़ी राहत दी गई है। साथ ही न्यूजीलैंड सेब, कीवी और डेयरी क्षेत्र में भारतीय उत्पादकता को बढ़ाने में अपनी तकनीकि मदद भी देगा। अतएव यह समझौता पूर्ण रूप से भारतीय हितों को साधने वाला है। वे भारतीय ऋषि ही थे, जिन्होंने सबसे पहले जाना था कि गाय के दूध में ऐसे पोषक तत्व हैं, जो शरीर और दिमाग दोनों को ही स्वस्थ रखते हैं। यह दूध ही है, जिससे दही, मठा, मक्खन और घी जैसे सह-उत्पाद निकलते हैं। ये उत्पाद मिठाई की दुकानों से लेकर डेयरी उद्योग के जरिए करोड़ों लोगों के रोजगार का मजबूत माध्यम बने हुए हैं। लंबे समय तक गाय से पैदा बैल पर ही भारतीय कृषि निर्भर रही है। इसी कृषि की जीडीपी में 24 प्रतिशत की भागीदारी है। भारतीय दुग्ध उत्पादन से लेकर दूध पीने में दुनिया में पहले स्थान पर हैं। इसी दूध पर कब्जे के लिए अमेरिका अपने यहां उत्पादित मांसाहारी दूध बेचना चाहता है। अन्य यूरोपीय देशों की निगाह भी इस दूध के व्यापार पर टिकी रही है, जिनमें से एक न्यूजीलैंड भी रहा है। अमेरिका और भारत के बीच 500 बिलियन डॉलर के व्यापार समझौते की बात चली थी। इस समझौते की सूची में अमेरिकन मांसाहारी दूध के उत्पाद शामिल थे। भारत

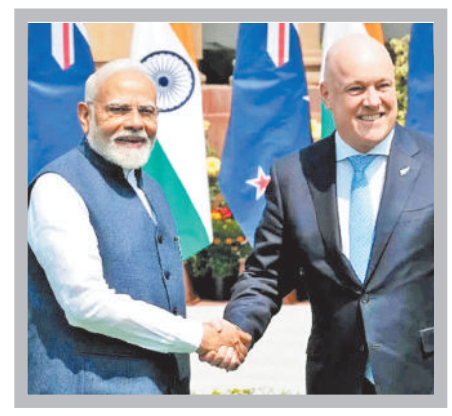

सरकार ने इस बाबत दो टूक कह दिया था कि अमेरिकी दुग्ध उत्पादों को भारतीय बाजार का हिस्सा नहीं बनाया जा सकता है। यह हमारे दुग्ध उत्पादक किसानों की आजीविका और उनकी संस्कृति की सुरक्षा से जुड़ा बड़ा प्रश्न है, जो स्वीकार योग्य नहीं है। इस मनाही के बाद अमेरिका ने भारत पर अनर्गल टैरिफ संबंधी शर्तें थोपना शुरू कर दी थीं। भारत में 13 जनवरी 1970 को फ्लड ऑपरेशन के साथ दूध का उत्पादन शुरू हुआ था। इसे ही श्वेत क्रांति का नाम दिया गया। यह केवल भारत में ही नहीं विश्व में सबसे बड़े ग्रामीण कार्यक्रमों में से एक है। इसी की बदौलत भारतीय डेयरी उद्योग का चेहरा बदला और लाखों दुग्ध उत्पादक किसानों की आर्थिकी में क्रांतिकारी बदलाव आया। दरअसल, फिरंगी हुकूमत के दौरान पोल्सन नाम की ब्रिटिश कंपनी का इस क्षेत्र का दूध खरीदने पर एकाधिकार था। कंपनी दुग्ध उत्पादकों का लगातार शोषण कर रही थी। इस शोषण की शिकायत किसानों ने सरदार पटेल से की। पटेल गोधन, गोरस और गोदान की हिंदू जीवन शैली के अनुयायी थे। पटेल शोषण की जानकारी से बेचैन हुए और लौहपुरुष के अवतार में आ गए, उन्होंने तत्काल कंपनी को दूध बेचने से मना कर दिया। उनका मानना था कि जब कंपनी को दूध मिलेगा ही नहीं, तो उसे किसानों की शर्तें मानने को मजबूर होना पड़ेगा। साथ ही पटेल ने सभी किसानों को मिलकर सहकारी संस्था बनाकर स्वयं दूध और दूध के उत्पाद बेचने की सलाह दी। पटेल के इस सुझाव से किसान सहमत हो गए और अंग्रेजों को दूध न देने की चुनौती दे दी। बाद में 1946 में पटेल ने अपने भरोसे के साथ ही मोरारजी देसाई और त्रिभुवन दास पटेल की सहायता से भारत की पहली दुग्ध सहकारी संस्था की स्थापना की, इसे ही बाद में जिला सहकारी दुग्ध उत्पादन संघ के नाम से जाना गया। 250 लीटर दूध का प्रतिदिन कारोबार करने वाली इसी संस्था को आज विश्वव्यापी संस्था 'अमूल' के नाम से जाना जाता है।

दूध का 30 फीसदी कारोबार संगठित ढांचा, मसलन डेयरियों के माध्यम से होता है। देश में दूध उत्पादन में 96 हजार सहकारी संस्थाएं जुड़ी हैं। 14 राज्यों की अपनी दुग्ध सहकारी संस्थाएं हैं। देश में कुल कृषि खाद्य उत्पादों व दूध से जुड़ी प्रसंस्करण सुविधाएं महज दो फीसदी हैं, किंतु वह दूध ही है, जिसका सबसे ज्यादा प्रसंस्करण करके दही, मठा, घी, मक्खन, मावा, पनीर आदि बनाए जाते हैं। इस कारोबार की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इससे आठ करोड़ से भी ज्यादा लोगों की आजीविका जुड़ी है। करीब 1.5 करोड़ परिवार ही सहकारी दुग्ध उत्पादकता से जुड़े हैं, जबकि 6.5 करोड़ ग्रामीण परिवार आज भी सहकारिता के दायरे से वंचित हैं। दूध उत्पादन में ग्रामीण महिलाओं की अहम भूमिका रहती है। रोजाना दो लाख से भी अधिक गांवों से दूध एकत्रित करके डेयरियों में पहुंचाया जाता है। बड़े पैमाने पर ग्रामीण सीधे शहरी एवं कस्बाई ग्राहकों तक भी दूध बेचने का काम करते हैं। इसी दूध के बाजार पर अमेरिका समेत अनेक दुग्ध उत्पादक पश्चिमी देशों की निगाहें टिकी रहती हैं। हालांकि अब दुग्ध उत्पादकों की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाए रखने के लिए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कुछ माह पहले ही दस हजार नई कृषि सहकारी समितियों को हरी झंडी दिखाई है। अगले पांच साल में इनकी संख्या दो लाख तक पहुंचाने की है। इन्हीं सहकारी संस्थाओं के जरिए कृषि और दुग्ध उत्पादों को भारत से लेकर एशिया और यूरोप तक बाजार में पहुंचाने की तैयारी है। ऐसे में यदि अमेरिकी या अन्य देशों के लिए दुग्ध उत्पाद बेचने के लिए भारतीय बाजार खोल दिए जाते तो इन समितियों की मुश्किलें तो बढ़ती हीं, दुग्ध उत्पादक आठ करोड़ लोगों की आजीविका पर भी संकट के बादल गहरा जाते।

( लेखक वरिष्ठ साहित्यकार और पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

दिव्य कला मेला

विवेक शुक्ला

# दिव्यांगजनों की प्रतिभा व रचनात्मकता का उत्सव

नेताजी सुभाषचंद्र बोस की इंडिया गेट पर जहां आदमकद मूर्ति स्थापित है, उसके आसपास बीते दिनों रोज हजारों लोग पहुंच रहे थे। ये सब नेताजी की मूर्ति को नमन करने के बाद दिव्यांगजनों की प्रतिभा, रचनात्मकता और उद्यमिता को देखकर मंत्रमुग्ध हो रहे थे। मौका था दिव्य कला मेला 2025 का। अब इस तरह के मेले देश के सभी राज्यों में आयोजित हो रहे हैं। इस मेले में आए दिव्यांग कलाकारों और उद्यमियों के स्टॉल लगे, जहां वे हस्तशिल्प, चित्रकला, ज्वेलरी, खाद्य उत्पाद और अन्य हस्तनिर्मित वस्तुओं का प्रदर्शन कर रहे थे। यह मेला दिव्यांगों की क्षमताओं को मुख्यधारा में लाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। ऐसे मेलों का आयोजन न केवल दिव्यांगजनों को आर्थिक अवसर प्रदान करता है, बल्कि समाज में समावेशिता की भावना को मजबूत करता है। इसके साथ ही, अपने पास ही नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति को देखकर इनमें जोश आता, अवरोधों को पार करने का। दिव्य कला मेला जैसे आयोजनों के लाभ बहुआयामी हैं। सबसे पहले, ये आर्थिक सशक्तिकरण के सशक्त माध्यम हैं। भारत में करोड़ों दिव्यांगजन हैं, जिनमें से कई ग्रामीण क्षेत्रों से आते हैं और रोजगार के अवसरों से वंचित रहते हैं। ऐसे मेलों में स्टॉल लगाने का अवसर मिलने से वे अपने उत्पादों को सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचा सकते हैं।

उदाहरण के लिए, इस वर्ष के मेले में 28वें संस्करण में सैकड़ों दिव्यांग उद्यमी भाग लेने आए, जो अपने हस्तशिल्प को बेचकर आय अर्जित कर रहे हैं। यह न केवल उनकी आर्थिक स्वतंत्रता बढ़ाता है, बल्कि उन्हें बाजार की समझ भी देता है। सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली सहायता, जैसे यात्रा भत्ता और स्टॉल की सुविधा, इन व्यक्तियों को बिना किसी अतिरिक्त बोझ के भाग लेने की अनुमति देती है। इन्हें रहने के लिए प्रतिदिन 2200 रुपये मिले। परिणामस्वरूप, कई दिव्यांगजन छोटे व्यवसाय स्थापित कर आत्मनिर्भर बनते हैं, जो गरीबी उन्मूलन में योगदान देता है। दूसरा प्रमुख लाभ सामाजिक समावेशिता का है। समाज में दिव्यांगजनों के प्रति अक्सर पूर्वाग्रह और दया की भावना रहती है, लेकिन ऐसे मेलों से यह धारणा बदलती है। मेले में एक 'एक्सेसिबिलिटी सिमुलेशन जोन' जैसी सुविधाएं हैं, जहां सामान्य लोग दिव्यांगता की चुनौतियों का अनुभव कर सकते हैं। इससे सहानुभूति और समझ बढ़ती है, जो एक समावेशी समाज की नींव रखती है। दिल्ली जैसे महानगर में इंडिया गेट पर आयोजित होने से यह मेला बहुत बड़ी संख्या में पर्यटकों और स्थानीय निवासियों को आकर्षित करता रहा, जो दिव्यांग कलाकारों की प्रतिभा को देखकर प्रेरित हुए। इससे दिव्यांगजन मुख्यधारा में शामिल महसूस करते हैं और उनका आत्मविश्वास बढ़ता है। ऐसे आयोजन विकलांगता के प्रति जागरूकता फैलाते हैं, जो शिक्षा और रोजगार नीतियों में सुधार लाते हैं। उदाहरणस्वरूप, देश में पिछले दशक में दिव्यांगजनों के लिए आरक्षण और योजनाएं बढ़ी हैं, और मेलों जैसे प्लेटफॉर्म इन योजनाओं का प्रचार करते हैं। दिव्य कला मेला में प्रदर्शित उत्पाद भारतीय संस्कृति की विविधता को भी दर्शाते हैं, राजस्थानी हस्तकला से लेकर पूर्वोत्तर के बांस उत्पाद तक। यह न केवल सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करता है, बल्कि दिव्यांग कलाकारों को अपनी कला को वैश्विक स्तर पर ले जाने का मौका देता है। मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम, नृत्य और संगीत प्रदर्शन होते रहे, जो दिव्यांगजनों की बहुमुखी प्रतिभा को उजागर करते हैं। इससे युवा पीढ़ी प्रेरित होती है और दिव्यांग बच्चे अपने सपनों को साकार करने के लिए उत्साहित होते हैं। पर्यावरणीय दृष्टि से भी ये मेला लाभदायक है, क्योंकि कई उत्पाद पर्यावरण-अनुकूल सामग्रियों से बने होते हैं, जो सतत विकास को बढ़ावा देते हैं। कुल मिलाकर, ऐसे मेलों से समाज का सामूहिक विकास होता है, जहां हर व्यक्ति की क्षमता का सम्मान किया जाता है।

यह मेला सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा आयोजित किया जा रहा है, जो दिव्यांगों की क्षमताओं को मुख्यधारा में लाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। ऐसे मेलों का आयोजन दिव्यांगजनों को आर्थिक अवसर प्रदान करता है। इन कलाकारों की सफलता ने यह साबित कर दिया कि दिव्यांगजन किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकते हैं, बशर्ते उन्हें सही दिशा और अवसर मिले। दिव्य कला मेला जैसे प्लेटफॉर्म इन सफलताओं को और बढ़ावा दे सकते हैं। इंडिया गेट में देशभर से आए दिव्यांगजनों को प्रेरणा मिलती रही नेताजी सुभाष चंद्र बोस से, जिनकी मूर्ति वहां ही स्थापित हैं।

( लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

# पसंद और नापसंद से मुक्त होना जरूरी

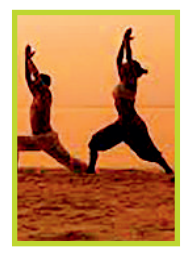

संकलित

दर्शन

आपने देखा होगा कि लोग बड़े गर्व से अक्सर कहते हैं, 'मुझे यह पसंद है, इसलिए मैं यह करके रहूंगा और वह मुझे पसंद नहीं है, इसलिए उसे मैं बिल्कुल नहीं करूंगा, क्योंकि मैं स्वाधीन हूं।' क्या आपने कभी ध्यान दिया है कि यह सोच सचमुच आपकी स्वाधीनता से जन्मा है? यह स्वाधीनता नहीं है, यह तो बेबसी है, लाचारी है। पसंद और नापसंद की बेड़ियों में आज लगभग पूरी मानवता जकड़ी हुई है। सभी पारिवारिक झगड़ों की जड़ में लोगों की व्यक्तिगत पसंद और नापसंद ही होती हैं। पसंद और नापसंद को लेकर समाज, राष्ट्र और धर्म तक बंटे हुए हैं। जब हमारे सोच का दायरा बहुत सीमित होता है, हम कई तरह के पूर्वाग्रहों से ग्रस्त हो जाते हैं, फिर हम पर पसंद और नापसंद की सनक सवार हो जाती है। तब हम उसे नहीं देख पाते, जिसकी जरूरत है। हम वही करते हैं, जिसे हम पसंद करते हैं। वह नहीं करते, जिसे किए जाने की आवश्यकता है। फिर शुरू होता है अविराम झंझटों व विवादों का सिलसिला और उसी में उलझकर रह जाता है हमारा लघु-जीवन। योग परंपरा में भीतरी आयाम को बहुत गहराई से देखा गया और भीतरी पराधीनता से मुक्त होने की कई तकनीकों का आविष्कार किया गया, क्योंकि जो भीतरी पराधीनता का शिकार नहीं है, उसे कोई बाहरी शक्ति उस पर नियंत्रण नहीं कर सकती। पसंद और नापसंद की सनक से मुक्त होने के लिए हमें अपनी चेतना पर काम करना होगा। एक जागरूक व्यक्ति ही यह देख पाने में सक्षम होता है कि किसी विशेष परिस्थिति में क्या आवश्यक है और क्या किया जाना चाहिए।

# गुरु की कृपा से असंभव काम पूरे हो पाते हैं

संकलित

प्रेरणा

महाभारत और श्रीमद् भागवद् कथा के रचियता महर्षि वेदव्यास भगवान विष्णु के अवतार माने गए हैं। इनका पूरा नाम कृष्णद्वैपायन था। इन्होंने ही वेदों का संपादन किया। इसलिए इनका नाम वेदव्यास पड़ा। इनके पिता महर्षि पाराशर और माता सत्यवती थीं। पैल, जैमिन, वैशम्पायन, सुमन्तु मुनि, रोमहर्षण आदि महर्षि वेदव्यास के महान शिष्य थे। एक बार महर्षि वेदव्यास हस्तिनापुर गए। उस समय गांधारी और धृतराष्ट्र ने उनकी बहुत सेवा की थी। उनकी सेवा से प्रसन्न होकर महर्षि ने सौ पुत्रों की माता होने का वरदान गांधारी को दिया था। कुछ समय बाद जब गांधारी गर्भवती हुईं। जब संतान के जन्म का समय आया तो संतान की जगह एक मांस पिंड प्रकट हुआ। जब ये बात वेदव्यास जी को मालूम हुई तो वे तुरंत गांधारी के पास पहुंचे। वेद व्यास जी ने अपनी विद्या से उस मांस पिंड से सौ पुत्र बना दिए। गुरु की कृपा से गांधारी सौ पुत्रों की माता बन गई। महर्षि के आशीर्वाद से ही गांधारी को सौ पुत्र हुए जो आगे जाकर कौरव कहलाए। जिनके सेनापति दुर्योधन हुए। महाभारत के युद्ध में दुर्याधन ने ही कौरव सेना की कमान संभाली थी। गुरु की कृपा हो जाती है तो असंभव काम भी पूरा हो जाता है। इसी लिए हम गुरु की आराधना सच्चे मन से करनी चाहिए ताकि उसका फल हमें मिले। कहा गया है की बिना गुरु ज्ञान अधूरा है। गुरु ही हमारा विपत्ति के समय मार्ग दर्शन करते हैं।

## क्रिसमस सेलिब्रेशन

शिमला में गुरुवार को क्रिसमस सेलिब्रेशन के दौरान सांता क्लॉज की ड्रेस में एक बच्चा फोटो के लिए पोज दे हुए।

## आज की पाती

### उचित जीवनशैली बचाएगी कैंसर से

राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस पहली बार यह दिवस वर्ष 2014 में मनाया गया था। कहा जाता है कि यह नोबेल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक मैरी क्यूरी के जन्मदिन के दिन मनाया जाता है। मैरी क्यूरी को भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में भी नोबेल पुरस्कार दिया गया था, यह रेडियो एक्टिविटी की खोज करने के कारण भी प्रसिद्ध थी। इस दिवस के मनाए जाने का मुख्य कारण लोगों को कैंसर से बचने के तौर तरीकों के प्रति जागरूक करना भी है। दुनिया में ही नहीं, बल्कि हमारे देश में भी इसके मरीजों की संख्या बढ़ी है। यह ऐसी बीमारी है जिसके बारे में लोगों को तब पता चलता है जब यह व्यक्ति को मौत के करीब ले आती है। बहरहाल, उचित जीवनशैली को अपनाकर हम कैंसर से बच सकते हैं। – *प्रकाश ठाकुर, बिलासपुर*

## ट्रेंड

### गगनयान मिशन

भारत के युवाओं की बदौलत हमारा अंतरिक्ष कार्यक्रम अधिक उन्नत और प्रभावशाली होता जा रहा है। एलवीएम3 की विश्वसनीय भारी भार वहन क्षमता के साथ, हम गगनयान जैसे भविष्य के मिशनों की नींव मजबूत कर रहे हैं।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

### सांस्कृतिक परियोजना

महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव के जीवन से जुड़ी बटद्रवा सत्र की भूमि को असम सरकार ने अतिक्रमणमुक्त किया। वहां एक सांस्कृतिक परियोजना को साकार रूप दिया है, जहां सनातन परंपरा और असम की समृद्ध संस्कृति को सुंदर रूप में प्रदर्शित किया है।

- हिमंता बिस्वा सरमा, सीएम, असम

### नए कॉरिडोर मंजूर

दिल्ली के लिए दीर्घकालिक समाधानों पर स्पष्ट ध्यान केंद्रित करते हुए एक नया मार्ग प्रशस्त किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दिल्ली मेट्रो के चरण-5 (ए) के तहत तीन नए कॉरिडोर को मंजूरी दी है।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

### उपेक्षा से तिरस्कार तक

भाजपा राज में 'बाटी-चोखा' भी नहीं केवल 'माटी-धोखा' खाने को मिलता है। अब बात 'हाता नहीं भाता' से बहुत आगे निकल गयी है। जब बात उपेक्षा से तिरस्कार तक पहुँच जाती है तो कोई भी समाज सह नहीं पाता है।

- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

## करंट अफेयर

# वर्ष 2025 में संयुक्त राष्ट्र 80 वर्ष का हुआ

दुनिया के कई इलाकों में जारी संघर्षों, वित्तीय संकट और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आलोचना के बीच, संयुक्त राष्ट्र ने 2025 में अपनी 80वीं वर्षगांठ मनाई, जबकि भारत ने विश्व निकाय से ''नेतृत्व और आशा'' पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया और एक बड़ी भूमिका निभाने की इच्छा व्यक्त की। यूक्रेन और गाजा में संघर्ष, सूडान से लेकर म्यांमा तक दुनिया भर के कई अन्य हिस्सों में युद्ध की स्थिति ने 2025 में भी वैश्विक चुनौतियों से निपटने में संयुक्त राष्ट्र और उसकी शक्तिशाली, लेकिन ध्रुवीकृत, सुरक्षा परिषद की अक्षमता को उजागर किया। जैसे-जैसे राष्ट्र मानवीय आपात स्थितियों, जलवायु संकट और आर्थिक असमानता से जूझ रहे हैं, वैसे-वैसे संयुक्त राष्ट्र की प्रासंगिकता पर सवाल और मुखरता से उठाए जा रहे हैं जिनमें प्रमुख सवाल यह है कि क्या 1945 में स्थापित 80 साल पुराने इस संगठन के पास 21वीं सदी में अस्थिर दुनिया की समस्याओं का समाधान है। इस पृष्ठभूमि में, भारत ने इस बहुपक्षीय संगठन में सुधार के लिए जोरदार आह्वान किया है। सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा के मंच से विश्व नेताओं को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस बात पर जोर दिया कि एक 'निष्पक्ष रिपोर्ट कार्ड' से पता चलेगा कि संयुक्त राष्ट्र संकट की स्थिति में है।

## ऑफ बीट

# आम पकने के पहले ही क्यों गिर जाते हैं ?

ऑस्ट्रेलिया में हर मौसम में आम उत्पादकों को उस समय भारी नुकसान होता है, जब पेड़ों से बड़ी संख्या में फल पकने से पहले ही गिर जाते हैं। शोध में वैज्ञानिकों ने पाया है कि तनाव के दौरान पेड़ों में हार्मोनल असंतुलन और कार्बोहाइड्रेट की कमी पैदा हो जाती है। फल के विकास के लिए आवश्यक शर्करा की आपूर्ति बाधित होने पर पेड़ अपने अस्तित्व को प्राथमिकता देता है और फल गिर जाता है। शोधकर्ताओं ने इसे एक आणविक क्विट सिग्नल बताया है, जो पेड़ को फल का साथ छोड़ने का संदेश देता है। यह संकेत जीन गतिविधि और हार्मोनल संकेतों के जटिल नेटवर्क से जुड़ा है। इस प्रक्रिया को समझने के लिए वैज्ञानिक आम के डंठल (पेडिसल) के ऊतकों में जीन गतिविधियों का अध्ययन कर रहे हैं, जहां पेड़ और फल के बीच पोषक तत्वों और संकेतों का आदान-प्रदान होता है। फल झड़ने की समस्या के लिए शोध में पौध वृद्धि नियामकों (प्लांट ग्रोथ रेगुलेटर्स) के उपयोग को एक प्रभावी उपाय बताया गया है। ये हार्मोन के कृत्रिम रूप होते हैं, जो तनाव की स्थिति में पेड़ों में संतुलन बनाए रखने में मदद करते हैं। परीक्षणों में पाया गया कि फूल आने के शुरुआती चरण में इनका प्रयोग अधिक प्रभावी रहा, जिससे पैदावार में 17 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज की गई।

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

### पूर्व विधायक को उन्नाव रेप केस में पिछले दिनों दी गई है जमानत

# सेंगर को जमानत कैसे? हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर

**दो वकील ने दायर की है याचिका, सीबीआई भी फैसले को देगी चुनौती**

**8 साल से इंसाफ की जंग लड़ रही पीड़िता**

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को दिल्ली हाईकोर्ट ने उन्नाव रेप केस में जमानत दे दी थी। दिल्ली हाईकोर्ट ने इस मामले में सेंगर को सुनाई गई सजा भी सस्पेंड कर दी थी। सेंगर को मिली जमानत का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। वकील अंजले पटेल और पूजा शिल्पकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी है। याचिकाकर्ता वकील अंजले पटेल और पूजा शिल्पकार ने सुप्रीम कोर्ट से कुलदीप सेंगर की जमानत रद्द करने की गुहार लगाई है।

## पीड़िता व उसकी मां ने प्रोटेस्ट भी किया

पीड़िता ने सेंगर को दिल्ली हाईकोर्ट से जमानत मिलने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि हम अब पीछे हटने वाले नहीं हैं। जमानत जब तक खारिज नहीं होती, हम चुप नहीं बैठेंगे। सुप्रीम कोर्ट पर पूरा भरोसा जताते हुए पीड़िता ने कहा है कि हम वहां याचिका दायर करेंगे। दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले के बाद पीड़िता और उसकी मां ने इंडिया गेट पर प्रोटेस्ट करने की भी कोशिश की, जहां पुलिस ने यह कहकर हटा दिया कि यहां धरने की अनुमति नहीं है।

## नाबालिग लड़की की किडनैपिंग रेप का दोषी है पूर्व विधायक सेंगर

यह मामला 2017 का है। 4 जून 2017 को 17 वर्षीय नाबालिग लड़की ने आरोप लगाया कि उन्नाव से तत्कालीन बीजेपी विधायक सेंगर ने उसके साथ बलात्कार किया। पीड़िता का कहना था कि वह नौकरी दिलाने में मदद के बहाने विधायक से मिलने गई थी। वहीं पर उसका जबरन यौन शोषण किया गया। रेप का आरोप लगाने के कुछ ही दिन बाद पीड़िता अचानक लापता हो गई। कई दिनों बाद पीड़िता औरैया जिले के एक गांव से बरामद हुई। इस घटना ने मामले को और संदिग्ध बना दिया। परिवार ने आरोप लगाया कि पीड़िता पर दबाव बनाया जा रहा है। 2017 के पूरे साल में यह केस ठंडे बस्ते में पड़ा रहा। आरोपी विधायक खुलेआम घूमता रहा और पीड़िता को लगातार धमकियां मिलने की बात सामने आई।

### 2018 में पिता पर हमला

3 अप्रैल 2018 को पीड़िता के पिता को कथित तौर पर अतुल सिंह और उसके सहयोगियों ने बेरहमी से पीटा। पिटाई के बाद गंभीर हालत में पीड़िता के पिता को ही पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने उल्टा उनके खिलाफ ही मामला दर्ज कर लिया। बाद में पिता की मौत भी हो गई। यह घटना केस में एक निर्णायक मोड़ साबित हुई और सीबीआई जांच के बाद 13 अप्रैल 2018 को सेंगर को गिरफ्तार किया गया। लेकिन पीड़िता और उसके परिजनों को प्रताड़ित करने का सिलसिला नहीं थमा और इधर सेंगर मामले में भी कोई गति नहीं हुई।

### 1 अगस्त 2019: सुप्रीम कोर्ट का दखल

विवाद और अन्याय बढ़ता देख देश की सबसे बड़ी अदालत (सुप्रीम कोर्ट) ने 1 अगस्त 2019 को संज्ञान लिया। दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट ने 16 दिसंबर 2019 को सेंगर को दोषी करार दिया और इसके बाद, उम्रकैद की सजा सुनाई गई। इसके बाद अब 23 दिसंबर 2025 को फिर इस मामले में नया मोड आया। दिल्ली हाईकोर्ट ने 23 दिसंबर 2025 को सेंगर की उम्रकैद की सजा निलंबित करते हुए जमानत दे दी।

## कंबोडिया में थाईलैंड ने भगवान विष्णु की प्रतिमा गिराई, भारत हुआ नाराज

**थाई अधिकारियों ने कहा- 'ये बुलडोजर एक्शन धार्मिक नहीं'**

**नई दिल्ली।** थाईलैंड और कंबोडिया की बॉर्डर पर थाई सेना ने भगवान विष्णु की एक मूर्ति तोड़ दी, जिस पर भारत ने चिंता जताई। थाईलैंड ने इस मामले पर स्पष्टीकरण जारी कर कहा कि हिंदू देवता की मूर्ति जहां स्थापित थी वह जगह रिलीजियस प्रक्टिस के लिए रजिस्टर्ड नहीं थी। इसके अलावा थाईलैंड ने इसे सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा भी बताया। इस मामले भारत ने कहा कि इस तरह के 'अपमानजनक' कृत्य से दुनिया भर में श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत होती हैं। साथ ही भारत ने थाईलैंड और कंबोडिया से अपने सीमा विवाद को बातचीत व कूटनीति के जरिए सुलझाने का आग्रह किया। थाई-कंबोडियन बॉर्डर प्रेस सेंटर ने कहा कि हिंदू देवता की मूर्ति को तोड़ने का उद्देश्य धर्म या आस्था से संबंधित नहीं था।

### यह कहा भारत ने

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, 'हमने हाल के समय में बनाई गई एक हिंदू देवता की मूर्ति को तोड़े जाने की खबरें देखी हैं, जो थाईलैंड-कंबोडिया सीमा विवाद से प्रभावित क्षेत्र में स्थित थी। हिंदू और बौद्ध देवताओं को पूरे क्षेत्र में लोग गहरी श्रद्धा और भक्ति के साथ पूजते हैं और यह हमारी साझा सभ्यतागत विरासत का हिस्सा है।'उन्होंने कहा, 'क्षेत्रीय दावों से इतर, इस तरह के अपमानजनक कृत्य दुनिया भर के श्रद्धालुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाते हैं और ऐसा नहीं होना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'हम एक बार फिर दोनों पक्षों से आग्रह करते हैं कि वे शांति बहाल करने, जान-माल और संपत्ति, विरासत को होने वाले नुकसान से बचने के लिए संवाद और कूटनीति का रास्ता अपनाएं।'

## महिला के साथ छेड़खानी फिल्ममेकर गिरफ्तार

तिरुवनंतपुरम। केरल के कैंटोनमेंट पुलिस ने मंगलवार को पूर्व विधायक और फिल्म निर्देशक कुंजू मुहम्मद को अंतरराष्ट्रीय केरल फिल्म महोत्सव (आईएफएफके) के लिए फिल्म चयन के दौरान होटल में कथित छेड़खानी के मामले में गिरफ्तार किया।

## टैरिफ 50% से घटाकर 15% करो, रूसी तेल पर लगाई गई पेनाल्टी भी खत्म हो

**ट्रेड वार्ता में भारत का अमेरिका को फाइनल ऑफर**

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर पीएम मोदी ने डोनाल्ड ट्रंप को फाइनल ऑफर दिया है। भारत ने अमेरिका से सामने 50% टैरिफ को घटाकर 15% करने और रूस से कच्चा तेल खरीदने पर लग रहे 25% पेनाल्टी को पूरी तरह खत्म करने की मांग की है। भारत ने अमेरिका से साफ कहा है कि अगर हमारी ये दोनों मांग पूरी की जाती है तो ट्रंड डील पर आगे बात की जाएगी। वहीं इसके बाद दोनों देशों के बीच चल रही इस वार्ता से नए साल में कोई ठोस फैसला निकलने की उम्मीद है। दोनों देशों के बीच एक व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत चल रही है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल का कहना है कि समझौते पर जल्द सहमति बन सकती है, हालांकि उन्होंने कोई तय समय सीमा नहीं बताई। इस हफ्ते भारत और अमेरिका की व्यापार टीमों के बीच दिल्ली में बैठक हुई। बातचीत दो मुद्दों पर हो रही है। पहला एक बड़े और स्थायी व्यापार समझौते पर और दूसरा अमेरिका की तरफ से भारत पर लगाए गए 50% टैरिफ को हटाने या कम करने के लिए एक फ्रेमवर्क समझौते पर। अमेरिका अगर भारत की डिमांड पूरी कर देता है तो जनवरी में आने वाले आंकड़ों में भारत के रूसी तेल आयात में बड़ी गिरावट दिख सकती है।

**यह पेनाल्टी गलत-** अमेरिका ने भारत पर कुल 50% टैरिफ लगाया है। इसमें से 25% को वह 'रेसिप्रोकल (जैसे को तैसा) टैरिफ' कहता है। जबकि 25% रूसी तेल खरीदने की वजह से लगाया गया है। अमेरिका का कहना है कि इससे रूस को यूक्रेन युद्ध जारी रखने में मदद मिल रही है।

### भरे बाजार में ली जान, तनाव का माहौल

## बांग्लादेश में एक और हिंदू की पीट-पीटकर हत्या

एजेंसी ▶▶| ढाका

बांग्लादेश में दीपू दास की मॉब लिंचिंग के सदमे से दुनिया उबर नहीं पाई थी कि यूनुस के राज में भीड़ ने एक और हिंदू बेटे को नोच-नोच कर मार डाला है। दीपू चंद्र दास के बाद अब अमृत मंडल उर्फ सम्राट को कुछ हैवानों ने दबोच लिया और उसकी पीट-पीट कर हत्या कर दी है। इस बार अपराधियों को ईशनिंदा का बहाना नहीं मिला तो नया आरोप इजाद कर लिया और भरे बाजार में 29 साल के युवक पर तब तक लात-घूंसे बरसाए जब तक उसका दम नहीं निकल गया। इस घटना में एक बार फिर से पुलिस किसी काम नहीं आई और घटना के बाद जांच में जुटकर जिम्मेदारी पूरी कर रही है।

### यह है मामला

बताया जा रहा है कि यह घटना बुधवार रात करीब 11 बजे, पांगशा उपजिला के होसैनडांगा ओल्ड मार्केट में हुई है लेकिन पुलिस ने तुरंत पब्लिक को इसकी जानकारी नहीं दी। पुलिस के मुताबिक, अमृत मंडल पर कथित तौर पर वसूली के आरोप लगाए गए थे। पांगशा मॉडल पुलिस स्टेशन के ओसी शेख मोइनुल इस्लाम ने गुरुवार सुबह घटना की पुष्टि की।

## खालिदा जिया के बेटे की 17 साल बाद बांग्लादेश वापसी

**ढाका।** इधर, बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान गुरुवार को 17 साल बाद देश लौट आए हैं। वे गिरफ्तारी से बचने के लिए 2008 में लंदन भाग गए थे। तब हसीना सरकार में उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के कई मामले चल रहे थे। तारिक के स्वागत में उनकी पार्टी बीएनपी के 1 लाख से ज्यादा कार्यकर्ता जुटे। ढाका एयरपोर्ट से लेकर 300 फीट रोड तक रोड शो किया। इस 13 किलोमीटर के रास्ते को कवर करने में उन्हें 3 घंटे का समय लगा। 300 फीट रोड पर तारिक ने 17 मिनट भाषण दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम देश में शांति कायम करेंगे और नया बांग्लादेश बनाएंगे। हालांकि उन्होंने शेख हसीना को लेकर एक शब्द भी नहीं कहा।

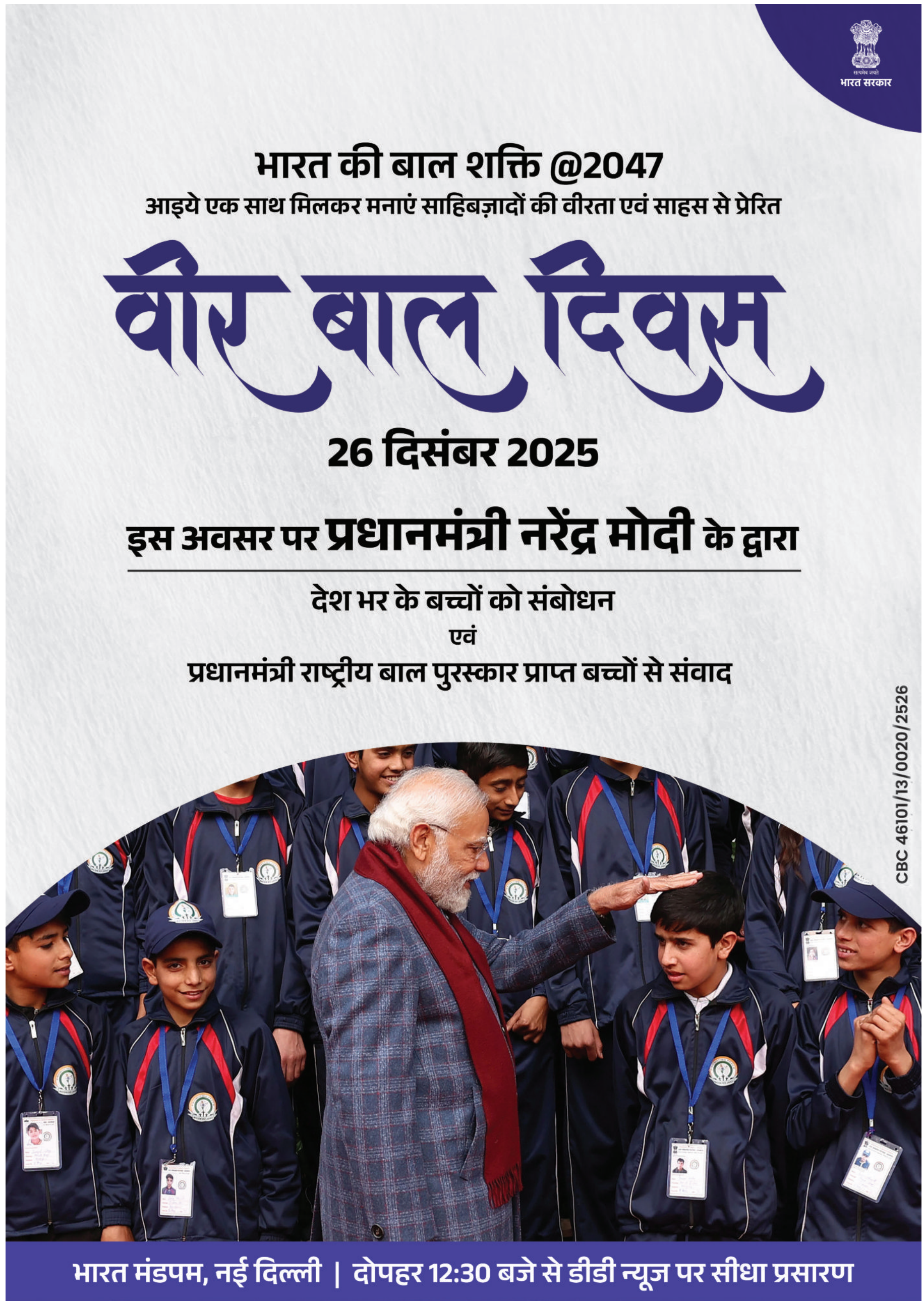

कमिटमेंट / अंशु सिंह

बच्चो, नया साल आने वाला है। तुमने प्लानिंग शुरू कर दी होगी, इसे कैसे सेलिब्रेट करेंगे। नया साल तुम्हारे लिए कैसे बेहतर साबित हो, तुम्हारे क्या नए रेजॉल्यूशन हों। नए साल में तुम ऐसा नया क्या करो, जो तुम्हें खुशी मिले, सफलता की राह बने, जानो।

# न्यू ईयर के लिए डिसाइड करो कुछ अलग रेजॉल्यूशन

बच्चो, नया साल आने ही वाला है। सभी इसकी कुछ न कुछ तैयारी में लगे हैं, ताकि नए साल का जश्न शानदार और यादगार बन सके। बच्चो, तुम सबने भी कुछ प्लानिंग की होंगी। बहुत कुछ सोचा होगा कि नए साल के स्वागत में क्या-क्या करेंगे? कहां पार्टी करेंगे, कहां घूमने जाएंगे, परिवार के अलावा दोस्तों के साथ मस्ती कैसे करेंगे? इतना ही नहीं, नए साल में क्या नया रिजॉल्यूशन लेंगे, इसके बारे में भी सोचा होगा। लेकिन ये सब तो आमतौर पर सभी करते हैं। तुम अलग क्या करोगे? ऐसा क्या करोगे, जो तुम्हारे लिए सिर्फ एक दिन या रात का जश्न न हो, बल्कि हर दिन, नए उत्साह और नई उम्मीद से भरा देखें। समस्याओं से कभी घबराएं नहीं। बेवजह गुस्सा न करें, बड़ों की सलाह मानकर आगे बढ़ें। तो बच्चों क्या तुम तैयार हो, ऐसा कुछ करने के लिए?

## जरूरी है इरादों में दृढ़ता

कई बच्चे दोस्तों या बड़ों की देखा-देखी में रेजॉल्यूशन तो ले लेते हैं, लेकिन उसे पूरा करने के लिए जो दृढ़ता चाहिए, वो उनमें नहीं होती है। बच्चो, जब तुम कोई लक्ष्य बनाओ, कोई टारगेट फिक्स करो तो उसे पूरा करने के लिए मेहनत, आत्मविश्वास के साथ मन में दृढ़ता जरूर होनी चाहिए। नए साल में इस बात को ध्यान में रखो।

## पहचानो अपनी खूबी

बच्चो, हर किसी में कोई न कोई खूबी जरूर होती है। तुम्हारे अंदर भी होगी। कई बार इस खूबी को पहचानने में देरी होती है। इसमें टीचर्स, पैरेंट्स, दोस्त या घर के बड़े हमारी मदद करते हैं। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज गेंदबाज कुलदीप यादव को सभी जानते हैं। अपने चाचा को क्रिकेट खेलते देखकर, उनकी दिलचस्पी इस खेल में हुई। फिर पिता जी ने मोटिवेट किया कि वह पढ़ाई के साथ-साथ क्रिकेट भी खेलें। कुलदीप, पेस बॉलर बनना चाहते थे। लेकिन जब पहली बार कोच के पास पहुंचे, तो उन्होंने उनके अंदर छिपी प्रतिभा को पहचाना और स्पिन गेंदबाजी के लिए प्रेरित किया। पहले थोड़ा झटका लगा। लेकिन वे उन पर विश्वास कर आगे बढ़े और उनका फैसला सही साबित हुआ। बच्चो, नए साल में तुम भी अपने अंदर की खूबी को पहचानो, जैसे तुम्हारे भीतर सिंगिंग, पेंटिंग, डॉसिंग या राइटिंग का टैलेंट हो तो उसे संवारने का संकल्प ले सकते हो। साथ ही दूसरों की खूबियों से नया सीखने की भी कोशिश करो।

## पैरेंट्स के साथ करो खुलकर बातें

बच्चों की एक आम शिकायत रहती है कि पैरेंट्स उन्हें अपने मन का करने नहीं देते। जरूरत से ज्यादा रोकते-टोकते हैं। उन पर भरोसा नहीं करते हैं। अकेले दोस्तों के साथ घूमने जाने या देर रात पार्टी करने से रोकते हैं। दरअसल, पैरेंट्स के ऐसा करने की वजह होती है। वे नहीं चाहते हैं कि तुम्हारे साथ कुछ गलत हो। तुम गलत संगत में पड़ो और फंसो। वे तुम्हें गुमराह होने से बचाना चाहते हैं। पैरेंट्स को तुम्हारी सुरक्षा की चिंता रहती है। बच्चो, इस बात को समझो कि पैरेंट्स अनुभवी होते हैं। उन्हें लोगों की परख होती है। इसलिए तुम्हें उनकी बातें माननी चाहिए। अपनी पसंद या नापसंद के बारे में उन्हें जरूर खुलकर बताओ। डरो नहीं और न संकोच करो। अपने पैरेंट्स से सलाह लेने में कोई हर्ज नहीं है। बात करने से हर प्रॉब्लम का सही सॉल्यूशन निकलता है।

## मानो दोस्तों की सही सलाह

अच्छे दोस्त परिवार के सदस्य की तरह होते हैं, जो अच्छे और बुरे वक्त दोनों में हमें सपोर्ट करते हैं। हमारी खूबियों की सराहना करते हैं, गलत होने पर टोकने से भी पीछे भी नहीं रहते। दोस्तों को इस बात से फर्क नहीं पड़ता कि हमें बुरा लग सकता है, क्योंकि वे हमारे बारे में सिर्फ अच्छा और पॉजिटिव सोचते हैं। जैसे, सिक्स्थ की स्टूडेंट दीपक को जंक फूड के अलावा कुछ और पसंद ही नहीं आता था। इससे उसका वजन बढ़ने लगा। तब उसके दोस्त अनुज ने उसे साइक्लिंग और योगा करने की सलाह दी। दीपक ने उसकी बात मानी। कुछ समय बाद ही असर दिखने लगा। कहने का मतलब है कि जब हम अपनों की बातों को पॉजिटिव तरीके से लेते हैं, तो बदलाव भी हमारे हित में होते हैं। *

## ऐसे सेलिब्रेट करो न्यू ईयर

**बच्चो, अगर** तुम सोच नहीं पा रहे हो कि न्यू ईयर कैसे सेलिब्रेट करें, तो तुम हमारे सुझाव अमल में ला सकते हो-

- घर पर मजेदार एक्टिविटीज कर सकते हो। तुम ग्लोस्टिक डांस पार्टी के अलावा डीआईवाई क्राफ्ट्स (टोपी, पॉपर्स), स्पार्कलिंग साइडर के साथ आधी रात का नकली काउंटडाउन करके नए साल का जश्न मना सकते हो।
- बैकयार्ड में गेम्स और खाने के साथ बोनफायर अरेंज कर सकते हो।
- परिवार के साथ किसी अच्छी जगह घूमने जा सकते हो। अपने शहर के मॉल में बच्चों के लिए बने जोन में म्यूजिक के साथ थीम वाले इवेंट में शामिल हो सकते हो, तुम्हें बहुत मजा आएगा।
- ऐतिहासिक-सांस्कृतिक स्थलों की सैर कर सकते हो। एडवेंचर पार्क भी जा सकते हो।

टीवी चाइल्ड आर्टिस्ट्स

# बीते साल की अचीवमेंट्स नए साल से नई आशाएं

बच्चो, बीत रहा साल हमें कुछ अचीवमेंट्स देकर जाता है, नया साल हमारे भीतर नई आशाएं जगाता है। टीवी के दो चाइल्ड आर्टिस्ट एकदास खान और श्रेया पटेल, बालभूमि को बता रहे हैं कि बीत रहे साल 2025 में उन्होंने क्या अचीव किया, नए साल 2026 से उन्हें क्या आशाएं हैं? साथ ही ये दोनों यह भी बात रहे हैं, न्यू ईयर कैसे सेलिब्रेट करेंगे, इनके क्या रेजॉल्यूशंस हैं।

## मेरे लिए यह साल सुपर-डुपर रहा : अकदास खान

**सन नियो** चैनल के शो 'दिव्य प्रेमः प्यार और रहस्य की कहानी' में अकदास खान, सप्पू का किरदार निभा रहा है, जिसे लोग खूब पसंद कर रहे हैं। साल 2025 में इस शो का हिस्सा बनकर अकदास बहुत खुश है। वह बताता है, 'यह साल मेरे लिए सुपर-डुपर रहा। मुझे इतने बड़े शो 'दिव्य प्रेमः प्यार और रहस्य की कहानी' में सप्पू का रोल प्ले करने का मौका मिला। मैंने इस साल कैमरे को फेस करना, अच्छे से डायलॉग बोलना और सीन में सही रिएक्शन देना सीखा।' नए साल 2026 के अपने रेजॉल्यूशन के बारे में अकदास बताता है, 'आने वाले साल में मेरा रेजॉल्यूशन है कि मैं सप्पू के रोल को और भी अच्छे से एक्ट करूं। मैं नए साल में डांस, गाना और कुछ एडवेंचर वाली स्किल्स भी सीखूंगा। उम्मीद करता हूं कि नए साल में मुझे बड़े और अच्छे रोल्स मिलेंगे।' न्यू ईयर सेलिब्रेशन की प्लानिंग के बारे में भी अकदास बहुत उत्साहित होकर बताता है, 'इस बार मैं अपने शो 'दिव्य प्रेमः प्यार और रहस्य की कहानी' के सभी दोस्तों के लिए छोटे-छोटे न्यू ईयर कार्ड्स बनाऊंगा। मम्मा और मैं घर पर गुब्बारे और छोटी-छोटी लाइट्स भी लगाएंगे। अबकी न्यू ईयर पर घर में और सेट पर हम खूब एंज्वॉय करने वाले हैं। सभी को मेरी तरफ से हैप्पी न्यू ईयर!' *

## नए साल में निखारूंगी अपनी एक्टिंग स्किल : श्रेया पटेल

**इन दिनों** श्रेया पटेल सोनी सब के धार्मिक सीरियल 'गाथा शिव परिवार की - गणेश कार्तिकेय' में सिद्धि का किरदार निभा रही है। उसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है। श्रेया के लिए साल 2025 बेहद खास रहा। वह मुस्कुराते हुए बताती है, 'मेरे लिए इस साल की शुरुआत सोनी सब के शो 'तेनाली रामा सीजन-2' से हुई। मुझे खुशी है, इस शो में दर्शकों को मेरा रोल, मेरी एक्टिंग पसंद आई। साल बीतते-बीतते मुझे नया शो 'गाथा शिव परिवार की - गणेश कार्तिकेय' मिल गया, जिसमें मैं सिद्धि का रोल प्ले कर रही हूं। मुझे इस साल नए-नए प्रोजेक्ट्स मिले और खुद को प्रूव करने का अवसर भी मिला। इस लिहाज से देखा जाए तो साल 2025 मेरे लिए बहुत ही खास रहा।' आने वाले साल 2026 से श्रेया को कई उम्मीदें हैं। उसने कुछ गोल्स भी सेट किए हैं, वह बताती है, 'मैं उम्मीद करती हूं, नए साल में मुझे अच्छे शोज में लीड रोल निभाने का मौका मिलेगा। नए साल में मैं एक्टिंग कॉलेज से जुड़कर अपना एक्टिंग स्किल निखारना चाहती हूं।' श्रेया न्यू ईयर कैसे सेलिब्रेट करती है, पूछने पर बताती है, 'नए साल की शुरुआत मैं अपने फैमिली मेंबर्स और फ्रेंड्स को न्यू ईयर विश करके करती हूं। फैमिली के साथ पार्टी करती हूं। बालभूमि के नन्हे दोस्तों को मेरी ओर से नए साल की गुड विशेज।' *

प्रस्तुति : बालभूमि फीचर्स

कविता / राजा चौरसिया

# स्वागत है नव वर्ष तुम्हारा

जा रहा पुराना साल छोड़कर
यादों का अनमोल पिटारा।
हम सब करते हैं अगवानी
स्वागत है नव वर्ष तुम्हारा।

हम सब करते हैं अगवानी
स्वागत है नव वर्ष तुम्हारा।
गीत देश के भी गाएंगे
इसको भूल नहीं पाएंगे।
बारह माह सफलताओं का
मनचाहा उत्सव मनाएंगे।
नई सोच की पटरी पर ही
दौड़ेगा उत्साह हमारा।
हम सब करते हैं अगवानी
स्वागत है नववर्ष तुम्हारा।

नई उमंगें, नई तरंगें
और चेहरे खिले हुए हैं।
प्रिय बधाइयों, उपहारों के
सबको अवसर मिले हुए हैं।
नज़रें तो हैं वही पुरानी
किंतु नया सब ओर नज़ारा।

कहानी
रेनू सैनी

स्पर्श की जैसे सफाई से परहेज था। उसके मम्मी-पापा और दोस्त उसे समझाते, लेकिन उस पर कोई असर नहीं होता। स्पर्श का मौसेरा भाई पंकज, क्रिसमस की छुट्टियों में जब उसके पास आया, तो उसने स्पर्श को सुधारने की सोची। पंकज क्या स्पर्श को सुधार सका?

# नववर्ष का संकल्प

निर्मला मैडम सेवेंथ क्लास के बच्चों को हेल्थ से जुड़ी उपयोगी जानकारी दे रही थीं। उन्होंने बच्चों को बदलते मौसम में फैल रही बीमारियों जैसे वायरल फीवर, टाइफाइड और लूज मोशन के बारे में बताया। बच्चे उनकी बातें ध्यान से सुन रहे थे, लेकिन स्पर्श का ध्यान कहीं और था। वैसे तो वह होशियार बच्चा है, लेकिन उसमें एक बुरी आदत है कि सफाई से दूर रहता है। वह कभी भी ढंग से हाथ नहीं धोता है। यहां तक कि खाना खाने से पहले भी नहीं। स्पर्श के माता-पिता और दोस्त उसे हर तरह से समझा कर थक चुके हैं, किंतु वह किसी की भी नहीं सुनता। उसके कपड़े भी अकसर मैले रहते हैं। यहां तक कि उसकी किताबें, कॉपियां फटी मिलती हैं। पूछने पर उसका जवाब होता है, 'मेरी चीजें मैली या फटी इसलिए होती हैं, क्योंकि मैं इनका सबसे ज्यादा प्रयोग करता हूं। तुम लोगों की तरह नहीं कि हर चीज को शो-पीस बनाकर रखूं।' ऐसे ही किसी के हाथ धोने के लिए कहने पर उसका जवाब होता, 'हाथ तो वही रहेंगे न, धोएं या न धोएं, क्या फर्क पड़ता है?'

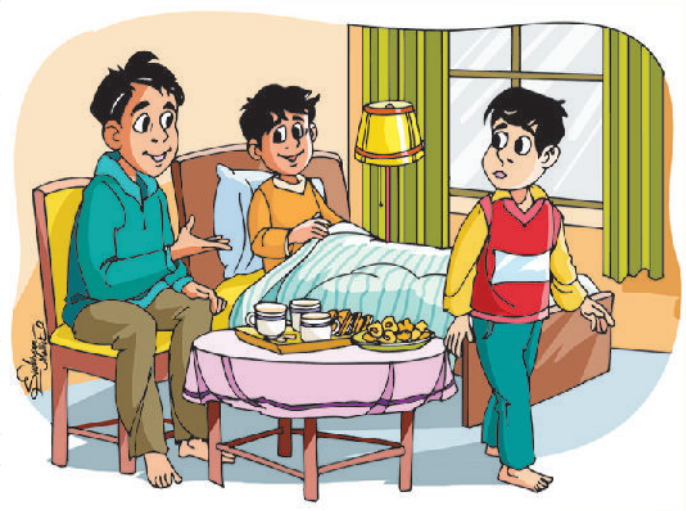

स्पर्श की इन बे-सिर पैर की बातों से सभी चिढ़ते हैं। इस बार क्रिसमस की छुट्टियों में स्पर्श की मौसी का बेटा पंकज कुछ दिनों के लिए आया। पंकज उससे बड़ा है। वह बहुत समझदार भी है। स्पर्श के कई दोस्तों से पंकज मिला, उसे इनसे स्पर्श का सफाई से न रहने की आदत के बारे पता चला। पंकज ने मन ही मन नववर्ष से पहले उसकी इस आदत को छुड़ाने का निश्चय किया।

स्पर्श का दोस्त अमन बीमार चल रहा था। पंकज कुछ सोचकर स्पर्श के साथ अमन से मिलने उसके घर गया। दोनों को देखकर अमन को खुशी हुई। वह बोला, 'अच्छा हुआ, तुम लोग आ गए। मेरा मन बहल जाएगा। वैसे अब मैं बिल्कुल ठीक हूं। खांसी-जुकाम हो गया था।'

तभी अमन की मम्मी वहां आकर बोलीं, 'मैं चाय-नाश्ता लेकर आती हूं अभी।'

यह सुनकर पंकज ने स्पर्श से कहा, 'आंटी, रसोई में चाय-नाश्ता तैयार कर रही हैं। तुम जाकर ले आओ।'

स्पर्श तुरंत रसोईघर की ओर चला गया। कुछ देर बाद वह गर्म-गर्म चाय-नाश्ता लेकर आया। स्पर्श नाश्ता शुरू करने वाला था कि अमन ने टोका, 'अरे...अरे... यह क्या कर रहे हो? पहले जाकर अच्छे से हाथ साफ करके आओ।' अमन ने यह भी बताया, 'मेरे एक रिश्तेदार का बेटा इन दिनों बहुत बीमार चल रहा है। उसे टाइफाइड हो गया है। डॉक्टरों ने बोला है कि उसे ठीक होने में समय लगेगा। वह भी बिना हाथ साफ करे चीजें खा लेता है। इसलिए गंदगी के कीटाणुओं ने उसे अपना शिकार बना लिया है। उसके बोर्ड के एग्जाम सिर पर हैं। ऐसे में वह बीमार हो गया है। उसकी पढ़ाई का हर्जा हो रहा है। पता नहीं वह बोर्ड के एग्जाम दे भी पाएगा या नहीं?' अमन आगे बोला, 'बीमार पड़ने से अच्छा है कि पहले से ही साफ-सफाई का ध्यान रखा जाए।'

अमन की बातें सुनकर स्पर्श घबरा सा गया। वह वॉश बेसिन की ओर भागा। जैसे ही वह हाथ धोने गया, पंकज और अमन एक-दूसरे की ओर देखकर मुस्कुराए। दरअसल, पंकज ने ही स्पर्श को जान बूझकर नाश्ता लेने के लिए कमरे से बाहर भेजा था। उसके कमरे से जाते ही पंकज ने अमन को झूठ-मूठ की कहानी बनाने के लिए कहा था। इस कहानी ने अपना काम कर दिखाया।

हाथ धोकर आने के बाद स्पर्श चाय-नाश्ता करते हुए बोला, 'भाई, मेरा तो आने वाले नए साल में यही संकल्प है कि हमेशा कुछ खाने-पीने से पहले अच्छी तरह हाथ धोऊंगा।'

स्पर्श की बात सुनकर पंकज बोला, 'भाई तुम्हारा यह संकल्प तो सारे संकल्पों पर भारी है, क्योंकि स्वच्छता है तो स्वास्थ्य है। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क होता है। इस तरह तो तुम हर जगह बाजी मार ले जाओगे।'

पंकज की बात पर अमन और स्पर्श हंस पड़े। कमरे में नाश्ते की खुशबू फैल चुकी थी। तीनों नाश्ते का आनंद लेते हुए यह प्लान करने लगे कि नववर्ष कैसे सेलिब्रेट करेंगे? *

तुम्हारे लिए नई किताब / अनुराग मनींद्र

# प्रेरित करती रोचक कहानियां

बच्चो, तुम्हारे लिए बाल कहानियों का एक संग्रह 'शेर की मूंछ के बाल' कुछ समय पहले छपकर आया है। रेखा शाह आरबी द्वारा लिखी गई इस किताब में चौदह मनोरंजक और शिक्षाप्रद कहानियां संकलित हैं। संग्रह की कहानियों में इंसानी पात्र तो हैं ही, कई कहानियों में जंगल के जीव-जंतुओं को पात्र के रूप में प्रस्तुत किया गया है। किताब की शीर्षक वाली कहानी 'शेर की मूंछ के बाल' मनोरंजक होने के साथ-साथ तुम्हें अपनी गलती का एहसास कर उसे सुधारने की सीख भी देती है। 'टूटी गुल्लक' बहुत ही प्यारी कहानी है, जिसमें तुम पढ़ोगे कि गोलू किस तरह अपने दोस्त राजू की मदद करता है। यह कहानी तुम्हें सच्ची दोस्ती का महत्व समझाएगी। 'गुल्लू का बर्थ-डे' शीर्षक कहानी में गुल्लू अपना बर्थ-डे कुछ इस तरह मनाता है कि उसके सभी दोस्त उससे इंस्पायर होकर तय करते हैं कि वे भी अपना बर्थ-डे ऐसे ही मनाएंगे। यह कहानी तुम्हें अपनी खुशियां जरूरतमंदों के साथ बांटने पर मिलने वाली खुशी का एहसास कराएगी। 'पिंकी का सपना' कहानी में तुम पढ़ोगे कि पिंकी ने किस तरह दादाजी के साथ मिलकर अपने सपने को सच किया। यह कहानी तुममें प्रकृति-प्रेम और पर्यावरण की रक्षा के भाव जगाएगी। इन कहानियों के अलावा 'तोताराम को मिली सीख', 'साबू और शहद', 'तोलू मोलू और करेला', 'पक्की वाली दोस्ती', 'लोमड़ी की चांद ट्रिप टूरिस्ट एजेंसी' कहानियां भी तुम्हें खूब पसंद आएंगी। साथ ही ये कहानियां तुम्हें नैतिक और व्यावहारिक ज्ञान भी देंगी। *

**किताब:** शेर की मूंछ के बाल (बाल कहानी संग्रह), **लेखिका:** रेखा शाह आरबी, **मूल्य:** 250 रुपए, **प्रकाशक:** साहित्यांजलि प्रकाशन, प्रयागराज

## जीके क्विज-185

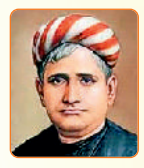

1. भारत के राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' की रचना किसने की?
2. ग्लोबल फैमिली डे कब मनाया जाता है?
3. हाल ही में फेमस फुटबॉलर लियोनेल मेसी की विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा का अनावरण कहां हुआ है?
4. किस देश ने जूनियर हॉकी विश्व कप 2025 जीता है?
5. टाइम मैगजीन द्वारा किसे टाइम एंटरटेनर ऑफ द ईयर 2025 चुना गया है?
6. हैदराबाद किस नदी के किनारे बसा है?
7. नवंबर महीने के लिए आईसीसी वूमेन प्लेयर ऑफ द मंथ किसे चुना गया है?
8. भारत के किस राज्य की राजभाषा अंग्रेजी है?
9. भारत के किस राज्य में लोकसभा की सर्वाधिक सीटें हैं?
10. 'भारत भारती' नामक पुस्तक के रचयिता कौन हैं?

**बच्चों, जीके क्विज-185 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।**

**जीके क्विज-184 का उत्तर :** 1.दीपावली, 2.जसप्रीत बुमराह, 3.खान अब्दुल गफ्फार खान, 4.गुजरात, 5.माउंट बेटन, 6.ओडिशा, 7.क्षिप्रा नदी, 8.22 दिसंबर, 9.विनेश फोगाट, 10.पत्रकारिता

**जीके क्विज-184 का सही उत्तर देने वाले :** साकेत-दुर्ग, कबीर-हिसार, उर्जस्वी-सारंगढ़ बिलाईगढ़, चीनू-रायगढ़, ज्योति-बैकुंठपुर, नीटू-सीतापुर, प्रतीक-बलौदा बाजार, दिव्या-रोहतक, साकेत-महासमुंद, कमल-रोहतक

## रंग भरो-192

**रंग भरो-192** में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

आन्या, दुर्ग

दीक्षांत, रायपुर

दिया, रोहतक

आशना, जांजगीर

हिताक्षी, महेंद्रगढ़

पयोनिधि, अंबिकापुर

**इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय**

सुयश-बिलासपुर, प्रियंका-रायपुर, अंकिता-ईमेल से, अंतरा-रोहतक, लोकेश-जबलपुर, कोमल-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, अमन-जांजगीर, कुसुम-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, रितेश-बलौदा बाजार

## रंग भरो 193

बच्चो, इस ब्लैक एंड व्हाइट चित्र में कुछ बच्चे न्यू ईयर सेलिब्रेट कर रहे हैं। इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomi-hb@gmail.com पर मेल करो।

## खबर संक्षेप

### नेशनल टेस्ट हाउस का भारतीय डाक से करार

**नई दिल्ली।** गुणवत्ता परीक्षण सेवा प्रदाता नेशनल टेस्ट हाउस (एनटीएच) ने कच्चे माल और औद्योगिक उत्पादों के नमूनों के संग्रह तथा उन्हें अधिकृत प्रयोगशालाओं तक सुरक्षित और समय पर पहुंचाने के लिए भारतीय डाक के साथ एक समझौता किया है। आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

### नाल्को से उत्पादन लक्ष्य पूरा करने का आग्रह

**नई दिल्ली।** खान सचिव पीयूष गोयल ने सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी नाल्को की विस्तार योजनाओं और उनके प्रदर्शन की समीक्षा करते हुए विस्तार परियोजनाओं को समय पर पूरा करने, उत्पादन लक्ष्यों को हासिल करने और परिचालन दक्षता को व्यवस्थित रूप से बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। नाल्को इलेक्ट्रिक वाहन, नवीकरणीय और बुनियादी ढांचा क्षेत्र में एल्युमीनियम की बढ़ती घरेलू मांग के बीच अपनी क्षमता बढ़ा रही है।

### मैजिकपिन ने दिल्ली, मुंबई में मेट्रो टिकट बुकिंग की शुरू

**नई दिल्ली।** ई-कॉमर्स कंपनी मैजिकपिन ने दिल्ली और मुंबई में मेट्रो टिकट बुकिंग सेवा शुरू करने की बृहस्पतिवार को जानकारी दी। कंपनी सरकार समर्थित 'ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स' के माध्यम से अपने मंच पर बेहद रियायती दरों पर टिकट उपलब्ध करा रही है। प्रतिस्पर्धियों पेटीएम, अमेजन, फोनपे, रैपिडो के मंच पर भी उपलब्ध है। मैजिकपिन के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं सह-संस्थापक अंशु शर्मा ने कहा कि कंपनी अन्य शहरों में भी इस सेवा का विस्तार करने के लिए काम कर रही है। कंपनी बयान के अनुसार, मैजिकपिन ऐप के जरिये पहली बार मेट्रो टिकट बुक करने वाले ग्राहकों को एक टिकट मुफ्त मिलेगी। साथ ही 'कैशबैक' भी मिलेगा। इसके बाद मैजिकपिन, स्टेशन पर उपलब्ध मेट्रो टिकट की तुलना में टिकट पर 20 प्रतिशत की छूट देगा।

# भारत में पेट्रोल पंप की संख्या एक लाख पार, एक दशक में हुई दोगुना

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश में पेट्रोल पंप की संख्या 2015 से दोगुना होकर 1,00,000 के पार पहुंच चुकी है। सार्वजनिक क्षेत्र के ईंधन खुदरा विक्रेताओं ने बाजार हिस्सेदारी को बनाए रखने तथा ग्रामीण एवं राजमार्ग क्षेत्रों में ईंधन की पहुंच को और अधिक बढ़ाने के लिए तेजी से पेट्रोल पंप का विस्तार किया है।

- अमेरिका और चीन के बाद तीसरा सबसे बड़ा आंकड़ा

पेट्रोलियम मंत्रालय के अंतर्गत आने वाला पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, नवंबर के अंत तक देश में 1,00,266 पेट्रोल पंप थे। यह अमेरिका और चीन के बाद तीसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है।

## नवंबर के अंत तक देश में 1,00,266 पेट्रोल पंप थे

### देश में 2015 में 50,451 पेट्रोल पंप थे

पीपीएसी के आंकड़ों के अनुसार, पेट्रोल पंप नेटवर्क 2015 में 50,451 स्टेशन से लगभग दोगुना हो गया है। उस वर्ष, निजी कंपनियों के स्वामित्व वाले 2,967 पेट्रोल पंप कुल बाजार का लगभग 5.9 प्रतिशत थे। वर्तमान में, वे कुल बाजार का 9.3 प्रतिशत हिस्सा हैं। भारत में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा पेट्रोल पंप नेटवर्क है।

*नायरा एनर्जी के 6921 पेट्रोल पंप : रूस की रोसनेफ्ट समर्थित नायरा एनर्जी लिमिटेड 6,921 पेट्रोल पंप के साथ सबसे बड़ी निजी ईंधन खुदरा विक्रेता है। इसके बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और बीपी के संयुक्त उद्यम के स्वामित्व वाले 2,114 पेट्रोल पंप हैं। शेल के 346 पेट्रोल पंप हैं।*

### चीन में 1,15,228 पेट्रोल पंप बताए जा रहे

अमेरिका में सबसे बड़ा नेटवर्क है। अमेरिका में पेट्रोल पंप की संख्या के बारे में कोई आधिकारिक आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं लेकिन 2024 की एक रिपोर्ट के अनुसार देश में खुदरा पेट्रोल पंप की संख्या 1,96,643 थी। तब से कुछ पंप बंद हो चुके होंगे। चीन के लिए पिछले साल की एक रिपोर्ट में पेट्रोल पंप की संख्या 1,15,228 बताई गई थी। सिनोपेक की वेबसाइट पर मौजूद जानकारी के अनुसार वह 30,000 से अधिक चालू पेट्रोल पंप के साथ चीन का सबसे बड़ा ईंधन खुदरा विक्रेता है।

### पीएसयू के पास 90 फीसदी पेट्रोल पंप

सार्वजनिक क्षेत्र की इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) जैसी सरकारी कंपनियों के पास 90 प्रतिशत से अधिक पंप हैं।

### आईओसी के 41,664 पेट्रोल पंप

चाइना पेट्रोकेमिकल कॉरपोरेशन (सिनोपेक) आकार में हालांकि बड़ी है लेकिन भारतीय बाजार की अग्रणी कंपनी आईओसी के 41,664 पेट्रोल पंप के सामने इसके पेट्रोल पंप की संख्या बहुत कम लगती है। बीपीसीएल का नेटवर्क दूसरे नंबर पर है जिसके 24,605 स्टेशन हैं। इसके बाद एचपीसीएल का स्थान है जिसके 24,418 पेट्रोल पंप हैं।

## व्यापक सुधार के तहत जीएसटी दरों में भारी कटौती की गई

# भारत ने 2025 में कर व्यवस्था में किया बदलाव नया आयकर अधिनियम 1 अप्रैल से होगा लागू

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत ने 2025 में अपने कर ढांचे में व्यापक सुधार किया जिसमें माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में भारी कटौती और आयकर छूट शामिल है। अब ध्यान आगामी बजट में सीमा शुल्क में तर्कसंगत सुधार और प्रक्रियाओं को सरल बनाने पर है।

अगले वर्ष एक अप्रैल से नया सरलीकृत आयकर अधिनियम, 2025 लागू होगा जो छह दशक से अधिक पुराने, वर्तमान आयकर अधिनियम 1961 की जगह लेगा। साथ ही दो नए कानून, सिगरेट पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क लगाने के लिए और पान मसाला पर जीएसटी दरों के अतिरिक्त शुल्क लगाने के लिए सरकार द्वारा तय की गई तिथि से लागू किए जाएंगे। सरकार द्वारा 2025 में लागू किए गए कर सुधारों का उद्देश्य चुनौतीपूर्ण वैश्विक आर्थिक वातावरण के बीच मांग को प्रोत्साहित करना था।

**सरकार ने चालू वित्त वर्ष में आयकर छूट का दायरा बढ़ाया** → **आगामी बजट में सीमा शुल्क में तर्कसंगत सुधार व प्रक्रिया सरल बनाने पर होगा जोर** → **एक अप्रैल से नया सरलीकृत आयकर अधिनियम लागू होगा जो छह दशक पूराना है**

### सामान्य उपभोग की वस्तुओं पर कर बोझ कम हुआ

शुल्क से जुड़ी अनिश्चितताओं के कारण आर्थिक निर्णय लेने पर असर पड़ने से भारत के कर सुधार उपायों ने घरेलू मांग बढ़ाने, उपभोग को प्रोत्साहित करने और वृद्धि का समर्थन करने पर ध्यान केंद्रित किया। इस साल एक प्रमुख विशेषता सितंबर 22 से लगभग 375 माल एवं सेवाओं पर जीएसटी दरों में कटौती रही जिससे सामान्य उपयोग की वस्तुओं पर कर का बोझ कम हुआ और लंबे समय से जारी उल्टी कर संरचनाओं (इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर) की चिंताओं का समाधान हुआ।

### सीमा शुल्क सरलीकरण पर जोर

इस कदम को उपभोग को बढ़ावा देने वाला माना गया (विशेष रूप से शहरी परिवारों के लिए) साथ ही सरलीकृत कर व्यवस्था के तहत स्वैच्छिक अनुपालन को मजबूत करने वाला भी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में कहा कि सीमा शुल्क का सरलीकरण सरकार का सुधार का अगला बड़ा लक्ष्य होगा।

### जीएसटी संग्रह अप्रैल में रिकॉर्ड 2.37 लाख करोड़ रहा

संग्रह की दृष्टि से, अप्रैल में जीएसटी संग्रह ने रिकॉर्ड 2.37 लाख करोड़ रुपये को छुआ और चालू वित्त वर्ष 2025-26 में इसका औसत 1.9 लाख करोड़ रुपये रहा। व्यापक दर कटौतियों के कारण जीएसटी राजस्व पर कुछ दबाव बना, साथ ही वृद्धि दर धीमी हुई। भारत में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) का संग्रह नवंबर में साल के निचले स्तर 1.70 लाख करोड़ रुपये पर आ गया। यह सालाना आधार पर केवल 0.7 प्रतिशत की मामूली वृद्धि दर्शाता है।

### फेसलेस असेसमेंट सीमा शुल्क में लागू करने की जरूरत

पारदर्शिता के संदर्भ में आयकर के गुणों जैसे कि 'फेसलेस असेसमेंट' को सीमा शुल्क में भी लागू करने और शुल्क दरों के युक्तिकरण को सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। भारत जैसे-जैसे कर सुधारों के अगले चरण की ओर बढ़ रहा है और इसमें सरलीकरण, पूर्वानुमानशीलता तथा व्यापार करने में आसानी के नीतिगत लक्ष्य के केंद्र में रहने की उम्मीद है।

### सीमा शुल्क के डिजिटलीकरण पर जोर

नांगिया ग्लोबल के अप्रत्यक्ष कर साझेदार राहुल शेखर ने कहा कि सीमा शुल्क प्रक्रियाओं के संपूर्ण डिजिटलीकरण पर जोर दिया जाना चाहिए जिसमें दस्तावेजीकरण में एकरूपता, पूर्वानुमानित वर्गीकरण पद्धतियां और जोखिम-आधारित त्वरित मंजूरी शामिल हैं जिससे व्यापार सुगमता एवं निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा।

# पश्चिमी देशों के मुकाबले भारत में एआई से नौकरियों पर खतरा कम

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- आईटी सचिव कृष्णन ने कहा, दफ्तरी नौकरियों पर खतरा कम
- भारत में दफ्तर वाली नौकरियों का अनुपात पश्चिमी देशों से कम

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सचिव एस कृष्णन ने कहा है कि कृत्रिम मेधा (एआई) के कारण ज्ञान-आधारित नौकरियों के प्रभावित होने का जोखिम पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले भारत में कम है।

कुल कार्यबल में दफ्तर वाली नौकरियों की अपेक्षाकृत कम हिस्सेदारी और विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग एवं गणित (स्टेम) आधारित रोजगारों का वर्चस्व होने के कारण ऐसा है। कृष्णन नेकहा कि रोजगार पर एआई के संभावित प्रभावों को लेकर जो आशंकाएं जताई जा रही हैं, भारत के संदर्भ में उन्हें उसी तीव्रता से नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत में दफ्तर वाली नौकरियों का अनुपात पश्चिमी देशों की तुलना में काफी कम है, जिससे दिमाग से किए जाने वाले कार्यों पर आधारित नौकरियों पर एआई से पड़ने वाला जोखिम सीमित रहता है। कृष्णन ने कहा, "भारत में अन्य नौकरियों की तुलना में दफ्तर वाली नौकरियों की संख्या कम है। इसलिए ज्ञान-आधारित नौकरियों पर एआई का जोखिम उतना गंभीर नहीं है जितना अन्य देशों में है। इसके अलावा, दफ्तर वाले अधिकांश रोजगार स्टेम क्षेत्र में हैं, जो हमारे लिए अवसर भी पैदा करते हैं।

### इंसानी मौजूदगी की जरूरत बनी रहेगी

आईटी सचिव ने यह भी रेखांकित किया कि एआई से गलत या भ्रामक जानकारी मिलना यानी 'हैलुसिनेशन' अब भी चुनौती बनी हुई है। ऐसे में एआई से तैयार सामग्री की निगरानी और सत्यापन के लिए मानवीय हस्तक्षेप की जरूरत लंबे समय तक बनी रहेगी। सचिव ने कहा, "यह देखना जरूरी है कि दी गई जानकारी सही है या नहीं और कहीं वह हैलुसिनेशन तो नहीं है। इसलिए इस प्रक्रिया में लंबे समय तक इंसानी मौजूदगी की जरूरत बनी रहेगी।"

# सरकार जल्द ही स्वामी-2 कोष की करेगी शुरुआत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- अटकी परियोजनाओं में एक लाख मकानों का निर्माण होगा

सरकार स्वामी-2 कोष की रूपरेखा को अंतिम रूप दे रही है और जल्द ही इसको चालू कर दिया जाएगा ताकि अटकी पड़ी आवासीय परियोजनाओं को पूरा करने के लिए अंतिम चरण का वित्तपोषण उपलब्ध कराया जा सके। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस 15,000 करोड़ रुपये के कोष के शुरू होने से करीब एक लाख मध्यमवर्गीय मकान खरीदारों को राहत मिलेगी जिनके निवेश, अपार्टमेंट के लिए लिए गए ऋणों की ईएमआई (समान मासिक किस्त) का भुगतान करने के बावजूद अटके हुए हैं। इसके लिए सरकार ने बजट 2025-26 में 'किफायती और मध्यम आय वाले आवास के लिए विशेष व्यवस्था' (स्वामी) के लिए 1,500 करोड़ रुपये की प्रारंभिक पूंजी पहले ही आवंटित कर दी है। नए कोष के लिए रूपरेखा को अंतिम रूप दिया जा रहा है और जल्द ही मंजूरी मिल जाएगी। यह कोष व्यावसायिक रूप से व्यवहारिक परियोजनाओं को अंतिम चरण का वित्त पोषण प्रदान करेगा और अटकी हुई। आवासीय परियोजनाओं में निवेश को गति देगा। केंद्र ने नवंबर 2019 में देश में अटकी हुई आवासीय परियोजनाओं को पूरा करने के लिए 'किफायती और मध्यम आय वाले आवास के लिए विशेष व्यवस्था' (स्वामी) नाम से एक कोष की घोषणा की थी।

OFFICE OF THE SUPERINETENDING ENGINEER
PUBLIC wORK DEPARTMENT, BILASPUR CIRCLE
BILASPUR, CHHATTISGARH

**निविदा निरस्तीकरण सूचना**

इस कार्यालय के निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 428 दिनांक 26.11.2025 को अपेन्डिक्स 2.10 की कंडिका 4.6 के तहत अपरिहार्य कारणवश निरस्त किया जाता है।

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
बिलासपुर मण्डल बिलासपुर

जी 252605686/2

### यातायात कारपोरेशन का आईपीओ के लिए आवेदन

TRAFFIC CONTROL CORPORATION

**नई दिल्ली।** लॉजिस्टिक एवं परिवहन सेवा कंपनी यातायात कारपोरेशन इंडिया लिमिटेड ने आईपीओ के जरिये कोष जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी के पास शुरुआती दस्तावेज दाखिल किए हैं। प्रस्तावित आईपीओ में 77 लाख नए शेयर और एक प्रवर्तक की तरफ से 56 लाख इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) की जाएगी।

**सार्वजनिक सूचना**

मेसर्स अदाणी पावर लिमिटेड (एपीएल), जिसका पंजीकृत कार्यालय अदाणी कॉर्पोरेट हाउस, शांतिग्राम, वैष्णो देवी सर्किल के पास, एस. जी. हाईवे, खोडियार, अहमदाबाद–382 421, गुजरात, भारत में स्थित है, भारत सरकार से उसे विद्युत के पारेषण के लिए विद्युत लाइनें बिछाने या विद्युत संयंत्र लगाने के लिए या कार्यों के उचित समन्वय के लिए आवश्यक टेलीफोन संबंधी या टेलीग्राफ संबंधी संचार के उद्देश्य से विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 164 के तहत सभी शक्तियाँ प्रदान करने का आवेदन करना चाहता है, जो टेलीग्राफ प्राधिकरण सरकार द्वारा स्थापित या अनुरक्षित किए जाने वाले टेलीग्राफ के प्रयोजन से टेलीग्राफ लाइनें बिछाने और खंभों को लगाने के संबंध में भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम 1885 के अंतर्गत रखता है और सर्वेक्षण, निर्माण, संस्थापन, निरीक्षण, उत्थापन और अन्य कार्य आरंभ करेगा जिसके बाद निम्नांकित पारेषण योजना के लिए प्रवर्तन, परिचालन, रखरखाव और अन्य कार्य किए जाएंगे:

APL Raigarh TPP (Phase-II) से Raipur (PG) - Raigarh (PG) 400 kV line (ckt-3) के LILO Point तक 400 kV D/C समर्पित ओवरहेड ट्रांसमिशन लाइन की स्थापना, Raigarh Thermal Power Projects (Phase-II: 2x800 MW) की 1st यूनिट (800MW) के लिए M/s APL को अस्थायी कनेक्टिविटी प्रदान करने हेतु।

प्रस्तावित 400 केवी लाइन का निर्माण डबल सर्किट टॉवरों पर होगा, जिसके साथ लाइन की लंबाई 13 कि.मी. होगी।

योजना का नाम: APL Raigarh TPP (Phase-II) से Raipur (PG) – Raigarh (PG) 400 kV line (ckt-3) के LILO Point तक 400 kV D/C लाइन

इस योजना के अन्तर्गत शामिल कार्य: इस योजना के अंतर्गत शामिल ट्रांसमिशन लाइन छत्तीसगढ़ राज्य के निम्नलिखित गांवों, तालुकों/नगरों और जिलों/शहरों से होकर, ऊपर से, आसपास से और उनके बीच से गुजरेगी।

| जिला | तहसील | गाँव का नाम |
|---|---|---|
| जांजगीर-चांपा | बलोदा | पलसदा |
| रायगढ़ | पुसौर | अमलडीहा, अमलीभौना, अम्लीभौना, बडेभंडार, बोंदा, बुनगा, छोटेभंडार, धनगांव, गोर्रा, जतरी, जटरी, जेवरीडीह, जेओरीडीह, कठली, कथली, पचेड़ा, पुटकापुरी, रनभांठा, रनभाटा, रावनखोन्द, रावन खोंद्रा, रावनखोंद्रा, रुचिदा, सरवानी, सेमीभांवर, सेमरा, सेमरा, सूपा, टपरदा, तपरदा, टेका, ठेंगागुड़ी, ठेंगागुरी, तोरना, नावापारा, कौआताल, कांवताल, घुघवा, घुघुआ, अमलीपाली, अम्लिपाली, कोअनुवाताल, बरपाली, ठाकुरपाली, ठगवा |
| | रायगढ़ | साल्हेपाली, बरदापुटी, भातपुर, दुलोपुर, नवरंगपुर, तारापुर, ठाकुरपाली, बसंतपुर, बोकरामुड़, बोकरामुण्डा |

मार्ग संरेखण की प्रति अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में उपलब्ध है. एतदद्वारा अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में लिखित में इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से दो महीने के भीतर प्रस्तावित पारेषण प्रणाली पर टिप्पणी / अभ्यावेदन देने के लिए जनता को सूचना दी जाती है. आगे और विवरण और स्पष्टीकरण के लिए कृपया निम्नलिखित अधिकारी से संपर्क करें:

नाम: श्री सौरभ मोदी
पदनाम: एजीएम – प्रोजेक्ट्स
ऑफिस का पता: अदाणी पावर लिमिटेड, गाँव: छोटेभंडार, डाकघर: बड़ेभंडार, तहसील: पुसौर, रायगढ़–496100, छत्तीसगढ़
ईमेल पता: saurabh.modi2@adani.com
फोन नं. / फैक्स नं.: +91 9981377111

### सिग्नेचर ग्लोबल करेगी 4,800 करोड़ रुपए का निवेश

SIGNATURE GLOBAL
REALTY. RELIABILITY. RESPONSIBILITY.

**नई दिल्ली।** रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल मजबूत उपभोक्ता मांग के मद्देनजर कारोबार विस्तार की रणनीति के तहत गुरुग्राम में एक लक्जरी आवासीय परियोजना विकसित करने के लिए 4,800 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। रियल एस्टेट कंपनी ने हाल ही में 13.56 एकड़ में फैली एक नई परियोजना 'सर्वम एट डीएक्सपी एस्टेट' का शुभारंभ किया है। गुरुग्राम के

### अक्टूबर-दिसंबर में घरों की बिक्री 16 प्रतिशत घटी

**नई दिल्ली।** देश के शीर्ष नौ शहरों में घरों की बिक्री मांग में कमी और आवासीय संपत्तियों की नई पेशकश में गिरावट के कारण अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 16 प्रतिशत घटकर 98,019 इकाई रहने का अनुमान है। कंपनी ने कहा कि यह जुलाई-सितंबर, 2021 के बाद दर्ज की गई तिमाही आधार पर सबसे कम बिक्री है।

## प्रथम पृष्ठ का शेष

### सीएजी ने पकड़ा...

**एसी से महंगे थे डीसी पंप -** अवधि वर्ष 2016-23 के दौरान, क्रेडा ने दो से पांच एचपी के एसी तथा डीसी सबमर्सिबल तथा सतही सौर पंपों की आपूर्ति तथा स्थापना के लिए खुली निविदा आमंत्रित की थी। सबमर्सिबल तथा सतही सौर पंपों की प्रति इकाई न्यूनतम स्वीकृत दरें एसी पंप हेतु 1 लाख 38,585 तथा 4 लाख 50 हजार के मध्य थी जबकि डीसी सौर पंप हेतु प्रति इकाई दर 1 लाख 86,219 तथा 4 लाख 90 हजार 500 के मध्य थी। इस तरह, डीसी सौर पंप हेतु स्वीकृत दरें एसी सौर पंप के लिए स्वीकृत दरों के तुलना में 40,500 से 47,634 तक अधिक थी।

### डीसी पंप एक...

एचपी क्षमता श्रेणी के लिए ही उपलब्ध था। हालांकि , वर्ष 2019-20 के संशोधित दिशानिर्देशों में एसी एवं डीसी सौर पंपों का विकल्प सभी श्रेणियों अर्थात दो से पांच एचपी क्षमता वाले पंपों तक बढ़ा दी गई थी।

### एसी से महंगे...

पंप हेतु स्वीकृत दरें एसी सौर पंप के लिए स्वीकृत दरों के तुलना में 40,500 से 47,634 तक अधिक थी।

### हिड़मा के बाद...

वह साउथ सब जोनल का इंचार्ज तथा ओडिशा स्टेट कमेटी का प्रभारी भी था। सीसी मेंबर गणेश उईके नक्सली संगठन का एक बेहद पुराना और वैचारिक रूप से प्रशिक्षित कैडर रहा है। वह करीब 40 वर्षों से नक्सल संगठन से जुड़ा हुआ था और संगठन की कई अहम इकाइयों में सक्रिय भूमिका निभा चुका है। (आरएसयू) रेडिकल स्टूडेंट्स यूनियन जो माओवादी संगठन की छात्र इकाई मानी जाती है, उसके प्रसार की जिम्मेदारी के साथ गणेश उईके 80 के शुरूआती दौर में जगदलपुर पहुंचा था। उस समय उसका मकसद कॉलेज और छात्रावासों के जरिए युवाओं के बीच माओवादी विचारधारा को फैलाना था। आरएसयू के जरिए युवाओं को नक्सली संगठन से जोड़ने का कार्य करने वाले गणेश उईके एक समय जगदलपुर के नेहरू छात्रावास और कॉलेज परिसरों में लगातार घूमता रहता था। छात्रों से संपर्क बनाता था और आरएसयू के नेटवर्क को मजबूत करने में जुटा हुआ था। आरएसयू के छात्र राजनीति में सक्रिय रहने के बाद उसने खुलकर भूमिगत रास्ता अपनाया और फिर जंगल में हथियार उठाकर नक्सली संगठन की सशस्त्र गतिविधियों में शामिल हो गया। युवाओं को प्रभावित करने से लेकर जंगल में बंदूक थामने तक का उसका सफर नक्सली संगठन की उस रणनीति को दशार्ता है, जिसमें पहले वैचारिक पकड़ बनाई जाती है और फिर सशस्त्र संघर्ष की ओर धकेला जाता है। **गणेश उइके पर था 1.1 करोड़ का ईनाम-** ओडिशा में एंट्री नक्सल अभियानों की अगुवाई कर रहे एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सीपीआई (माओवादी) सेंट्रल कमेटी के सदस्य उइके के साथ नक्सलियों की टीम की मुठभेड़ चाकपाड़ पुलिस स्टेशन इलाके के एक जंगल में हुई। गणेश उइके पर 1.1 करोड़ रुपए का ईनाम था। वह ओडिशा में प्रतिबंधित संगठन के प्रमुख के तौर पर काम कर रहा था। 69 साल के गणेश उइके के कई उपनाम थे। **इन नामों से चर्चित था गणेश उइके-** गणेश उइके को पक्का हनुमंतु, राजेश तिवारी, चमरू और रूपा के नाम से भी जाना जाता था। वह तेलंगाना के नलगोंडा जिले के चेंदूर मंडल के पुल्लेमाला गांव का निवासी था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मुठभेड़ में दो महिला नक्सली भी मारी गई हैं। खबर लिखे जाने तक अन्य नक्सलियों की पहचान नहीं हो पाई थी। देश से नक्सलवाद के खात्मे के लिए पूरी ताकत से लगे सुरक्षा बलों के लिए इसे एक बड़ी और अभूतपूर्व कामयाबी के तौर पर देखा जा रहा है।

### चल रहा बड़ा...

कर दिया है। मेरा मानना है कि इससे ओडिशा में नक्सलवाद की कमर टूट गई है।

### सुकमा व बीजापुर...

अपहरण, पुलिस बलों पर सशस्त्र हमले तथा हथियारों एवं विस्फोटकों का अवैध उपयोग एवं कब्जा शामिल है।

### शाह ने बताया...

करार दिया। उन्होंने कहा कि ओडिशा के कंधमाल में एक बड़े ऑपरेशन में सेंट्रल कमेटी के सदस्य गणेश उइके समेत 6 नक्सलियों को मार गिराया गया है। इस बड़ी सफलता के साथ ओडिशा से नक्सलवाद से पूरी तरह खत्म होने की ओर है। हम 31 मार्च 2026 से पहले नक्सलवाद को खत्म करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।

### नक्सलवाद पर...

अभियान में प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) संगठन के शीर्ष नेतृत्व में शामिल गणेश उइके को न्यूट्रलाइज़ किया जाना माओवादी तंत्र की रीढ़ पर सीधा वार है। यह कार्रवाई स्पष्ट संदेश है कि अब नक्सल हिंसा के लिए कोई सुरक्षित ठिकाना नहीं बचा है। 31 मार्च 2026 तक नक्सल उन्मूलन के संकल्प को पूरा करने की दिशा में यह एक ठोस और निर्णायक कदम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृढ़ नेतृत्व और माननीय केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सशक्त मार्गदर्शन में देश पूरी ताकत, स्पष्ट नीति और अटूट इच्छाशक्ति के साथ नक्सल-मुक्त भारत की ओर आगे बढ़ रहा है। मैं इस साहसिक और प्रभावी अभियान के लिए सुरक्षा बलों को नमन करता हूं। सरकार का संदेश बिल्कुल साफ है- हिंसा का रास्ता छोड़िए, मुख्यधारा से जुड़िए; अन्यथा कानून अपना काम करेगा। शांति, विकास और विश्वास ही नए भारत की पहचान है।

### वन क्लिक सिंगल...

विकसित करने में सहायक है। मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में लागू संवर्धित टेक-होम राशन नवाचार ने गंभीर कुपोषण जैसी चुनौती का प्रभावी समाधान प्रस्तुत किया। गरियाबंद जिले की "हाथी ट्रैकिंग एवं अलर्ट ऐप" ने मानव–वन्यजीव संघर्ष को कम करने में तकनीक की भूमिका को सशक्त रूप से सामने रखा। नारायणपुर जिले का "इंटिफाई इंटेलिजेंस टूल" आंतरिक सुरक्षा के क्षेत्र में डेटा एकीकरण की उपयोगिता को दर्शाता है।

### खेलरत्न बनेंगे हार्दिक...

मंत्रालय ने 5 साल पहले औपचारिक मान्यता दी थी। **हार्दिक एक मजबूत कड़ी**-भारतीय हॉकी टीम के मिडफील्डर 27 वर्षीय हार्दिक मजबूत कड़ी रहे हैं। वह टोक्यो 2021 और पेरिस 2024 ओलंपिक में पदक जीतने वाली टीमों का अहम हिस्सा थे। इस साल उन्होंने भारत को एशिया कप में स्वर्ण पदक दिलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हार्दिक की इस उपलब्धि के कारण उन्हें खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा है। **पिछले साल इनको मिला था खेल रत्न** - साल 2024 के लिए भारतीय निशानेबाज मनु भाकर, शतरंज विश्व चैंपियन डी गुकेश, पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह और पैरालिंपिक स्वर्ण पदक विजेता प्रवीण कुमार को ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार मिला था। वहीं, खेल मंत्रालय ने 17 पैरा-एथलीटों सहित 32 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार दिया था। मनु ने पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत के लिए पदकों का खाता खोला था। वह आजाद भारत में एक ओलंपिक में 2 पद हासिल करने वाली भी पहली भारतीय खिलाड़ी बनी थी।

### इन खिलाड़ियों...

(शूटिंग), सुतिर्था मुखर्जी (टेबल टेनिस), सोनम मलिक (कुश्ती), आरती (योग), ट्रीसा जॉली (बैडमिंटन), गायत्री गोपीचंद (बैडमिंटन), लालरेम सियामी (हॉकी), मोहम्मद अफसल (एथलेटिक्स) और पूजा (कबड्डी)।

### शिकार के लिए...

निकली थी। इसी दौरान शिकारियों के बिछाए जाल में एक तेंदुआ के फंसे होने की जानकारी मिली। घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर वरुण जैन सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और तेंदुआ को ट्रैक्यूलाइज कर रेस्क्यू किया। तेंदुआ की स्थिति को देखते हुए बेहतर उपचार के लिए मैनपुर लेकर आए हैं। विभागीय अधिकारी के अनुसार तेंदुआ की हालत स्थिर है। अंधेरा होने की वजह से गले में फंसे तार को नहीं निकाला जा सका है। शुक्रवार को तेंदुआ के गले से तार को निकालने प्रयास किया जाएगा।

### भूपेश की टिप्पणी...

कर टिप्पणी की थी। पं. धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि अगर हिंदू समाज को जोड़ना, भक्ति का प्रचार करना और राष्ट्रवाद के प्रति लोगों को जागरूक करना अंधविश्वास है, तो जिन्हें यह अंधविश्वास लगता है, उन्हें यह देश छोड़ देना चाहिए। वे आमतौर पर राजनीतिक बयानों पर प्रतिक्रिया नहीं देते, लेकिन इस मुद्दे पर अपनी बात रखना जरूरी है। उन्होंने बांग्लादेश के हालात पर उन्होंने कहा कि दो दिन पहले वहां एक हिंदू को सिर्फ इसलिए जिंदा जला दिया गया, क्योंकि वह हिंदू था। उन्होंने कहा कि आज बांग्लादेश में हिंदू होना अपराध बन गया है। भारत के सनातनी हिंदुओं से उन्होंने अपील करते हुए कहा कि यह गंभीर और सोचनीय विषय है। उन्होंने चेतावनी दी कि वह दिन दूर नहीं, जब भारत में भी हिंदू होना अपराध बन जाएगा। यही सही समय है हिंदू एकता और हिंदू राष्ट्र की बात करने का।

### गौमाता को राष्ट्र...

अपनी स्वेच्छा से सनातन अपनाना चाहते है, उन्हें वे 27 दिसम्बर को दिव्य दरबार में घर वापसी करवाएंगे। सनातन के ध्वजवाहक पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि सनातन की जागृति और हिन्दू राष्ट्र निर्माण को लेकर वे छत्तीसगढ़ में भी पदयात्रा करेंगे। यह पदयात्रा कहां से और कब शुरू होगी। इसकी सूचना आगामी समय में दी जाएगी। इस अवसर पर सेवा समर्पण समिति संयोजक राकेश पांडेय, राज्यसभा की पूर्व सांसद सरोज पांडेय, समाजसेवी बसंत अग्रवाल, केएस चौहान, दिनेश देवांगन, संतोष सोनी, संदीप लुहाड़िया, राजा महोबिया मौजूद रहे।

### एक हाथ में...

द्वारा भिलाई के जयंती स्टेडियम के पास ग्राउंड में 25 से 29 दिसम्बर तक आयोजित दिव्य श्री हनुमंत कथा में श्रद्धालुओं का मार्गदर्शन करेंगे। 27 को दिव्य दरबार लगाएंगे।

### पीएम मोदी बोले-...

को संबोधित किया। इस दौरान वह परिवारवाद के मुद्दे पर खासे मुखर रहे। उन्होंने कहा कि परिवारवाद की राजनीति असुरक्षा से भरी हुई होती है, इसलिए परिवारवादियों के लिए दूसरों की लकीर छोटी करना मजबूरी हो जाती है ताकि उनके परिवार का कद बड़ा दिखे और उनकी दुकान चलती रहे। मोदी ने कहा, प्रेरणा स्थल में लगी पंडित दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी और अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमाएं हमें नई ऊर्जा से भर रही हैं, लेकिन हमें यह नहीं भूलना है कि आजादी के बाद भारत में हुए हर अच्छे काम को कैसे एक ही परिवार से जोड़ने की प्रवृत्ति पनपी। उन्होंने कांग्रेस और गांधी-नेहरू परिवार पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा, किताबें हों, सरकारी योजनाएं हों, सरकारी संस्थान हों, गली, सड़क, चौराहे हों, सब जगह एक ही परिवार का गौरव गान किया गया। एक ही परिवार के नाम, उनकी ही मूर्तियां, यही सब चला। भाजपा ने देश को एक परिवार की बंधक बनी इस पुरानी प्रवृत्ति से भी बाहर निकाला है। हमारी सरकार मां भारती की सेवा करने वाली हर अमर संतान, हर किसी के योगदान को सम्मान दे रही है। मोदी ने आरोप लगाते हुए कहा, यह कोई नहीं भूल सकता कि कैसे बाबा साहब आंबेडकर की विरासत को मिटाने का प्रयास हुआ। दिल्ली में कांग्रेस के 'शाही परिवार' ने यह पाप किया। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी वालों ने भी यही दुस्साहस किया, लेकिन भाजपा ने बाबा साहब की विरासत को मिटने नहीं दिया। आज दिल्ली से लेकर लंदन तक बाबा साहब अंबेडकर के पंच तीर्थ उनकी विरासत का जय घोष कर रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस पर सरदार वल्लभभाई पटेल का भी अपमान करने का आरोप लगाया और कहा कि आजादी के बाद पटेल के काम और कद, दोनों को कमतर करने का प्रयास किया गया, मगर यह भाजपा है जिसने सरदार साहब को वह मान सम्मान दिया जिसके वह हकदार थे।

### रिश्वत लेते एसडीआई ...

शोभन और अम्बेडकर सिंह डाक अधिदर्शक मद्देड़, भोपालपट्टनम, आवापल्ली और बीजापुर के साथ ही ग्रामीण डाक सेवक संतोष एंड्रिक को भ्रष्टाचार में शामिल होने के कारण रंगे हाथों पकड़ा है। रिश्वत के लगभग 50हजार रुपए जब्त किए गए हैं। दुगोली के ब्रांस पोस्टमास्टर रविंद्र ने बताया कि उनकी ज्वाइनिंग साल 2023 में हुई थी। उस दौरान उनसे 5000 रुपए लिए गए। अभी भी कई लोग की ज्वाइनिंग हो रही है। सभी से कम से कम 5 से 15 हजार रुपए लिए गए। ज्वाइनिंग, रिलीविंग और ट्रांसफर के लिए 15 हजार रुपए देने पड़ते हैं। यहां से 37 लोग रिलीव हुए। सभी से पैसे लिए गए। शास्त्री कुमार पैंकरा उपसंभागीय निरीक्षक (डाक) सबसे पैसे लेते हैं। दूसरे शिकायतकर्ता जी चंदूलाल ने आरोप लगाया कि एक माह की छुट्टी स्वीकृत कराने के लिए भोपालपटनम एसडीआई इमरान खान ने 15 हजार रुपए की मांग की थी। मुझसे 12 हजार रुपए ले लिए। बाद में एसडीआई (पी) शास्त्री ने 15 हजार की मांग की।


डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
Skin Care
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं
• लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग
• हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी
• कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सभी प्रकार की एलर्जी | डेंटल सुविधा भी उपलब्ध..
• जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
छाती रोग- • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना
• पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क: 8962566221, 07714916125, 7223065604

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग
• बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड
• बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें।
रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें।
ऑरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें

घमंडी दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा
सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों और सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिबाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।
94060-21769


## हरिभूमि Classified

epaper- www.haribhoomi.com
Email- hbclassified375@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

### आवश्यकता है

**आवश्यकता है-** ऑफिस कार्य करने के लिए (महिला/युवती) कम्प्यूटर आपरेटर की आवश्यकता है। वेतन 15000 से 20000 तक सम्पर्क करें- 8817395214 (39493)

**आवश्यकता है-** आफिस कार्य एवं कपड़ा दुकान में कार्य करने हेतु अनुभवी लड़को की आवश्यकता है योग्यता 12वीं पास सम्पर्क करें- राजकिशोर नगर बिलासपुर 96271 80096, 9827199008 (39490)

**आवश्यकता है-** घरेलु कार्य करने हेतु युवक की आवश्यकता है रहने, खाने की व्यवस्था है। सम्पर्क करें- सुबह 11 से 2 बजे एवं शाम 5 से 9 बजे गगन फ्लैक्स 27खोली चौक बिलासपुर 90397 68650 (39489)

**आवश्यकता है-** शेफ की आवश्यकता है। आयु 28वर्ष या उससे अधिक। अनुभव मैक्सिकन (Mexican) और इंडियन फूड का अच्छा ज्ञान आवश्यक। कार्य क्लाउड किचन के लिए सभी तरह की तैयारी और भोजन बनाना, मैक्सिकन फूड बनाने का अनुभव अनिवार्य। सम्पर्क करें- 8586934141 (39494)

**आवश्यकता है-** छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण समिति रायपुर के सहयोग से संचालित लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना के अन्तर्गत सेल्फ हेल्प एजुकेशन एण्ड रिसर्च संस्थान बिलासपुर को एएनएम पद की आवश्यकता है। योग्यता- एएनएम, जीएनएम अनुभवी को वरीयता वेतनमान 12500, यात्रा भत्ता 300, आवेदन की अन्तिम तिथि 27/12/2025 पता- होटल इंटरसिटी के सामने, जगमल चौक तोरवा बिलासपुर 9424254134, 8319427212 9926588687 searchti2017@gmail.com (1634)

**आवश्यकता है-** विद्या नगर बिलासपुर स्थित घर में 1.5 वर्ष के बेबी बॉय की 24 घण्टे देखभाल हेतु योग्य, प्रशिक्षित महिला बेबी सिटर की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9343335328 (39488)

**आवश्यकता है-**OCEAN कम्पनी में ऑफिस हेतु लड़के, लड़कियां चाहिए योग्यता 10वीं से ग्रेजुएट, उम्र 18-28 वर्ष, आय 10500 से 18000 रहना, खाना पता- न्यू बस स्टैण्ड, तिफरा, बिलासपुर 8818877406, 96444 33021, 07752337082 (39473)

**आवश्यकता है-** होटल की रसोई (किचन) में बर्तन धोने एवं साफ सफाई कार्य करने के लिए कर्मचारियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- होटल विस्तारा मेन रोड तिफरा बिलासपुर 9301577078 (39495)

**आवश्यकता है-** OMMI कम्पनी को तत्काल 45 लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है आय 8500 से 22000 रहना फ्री परमानेन्ट जॉब सम्पर्क करें- उस्लापुर ओवर ब्रिज के पास बिलासपुर 8003402269, 6393559091 (1484)

**आवश्यकता है-** फुल टाइम अकाउंटेंट चाहिए जिसे टैली प्राइम का अच्छा अनुभव हो, इनवॉइस एवं ईवे बिल बनाना आता हो। सम्पर्क करें- अविनाश मोदी पी-2, संजय अपार्टमेंट व्यापार विहार रोड बिलासपुर 9179991222 (39491)

**आवश्यकता है-** घर पर रहकर हमारे घर में घरेलू काम करने के लिए लड़का या लड़की की आवश्यकता है सम्पर्क करें- गुरुद्वारा के बाजू में गोड़पारा बिलासपुर 9669211111, 9827175811 (39492)

**आवश्यकता है-** मोबाइल दुकान मे काम करने हेतु अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार समय सुबह 10 बजे से रात 9 बजे तक सम्पर्क करें- 9827491999 (39482)

**आवश्यकता है-** लॉज में हाउस कीपिंग कार्य एवं दुकान में एकाउंटेन्ट कार्य हेतु लड़के और लड़कियों की तथा घर में काम करने के लिए बाई की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- 7869523344, 7301717175 (39484)

**आवश्यकता है-**बिलासपुर, जांजगीर, खरसिया में सुरक्षा गार्ड, सुपरवाईजर, ड्राइवर की आवश्यकता है। PF, ESIC मेडिकल आवास सुविधा फ्री सम्पर्क करें- सिद्धि विनायक सिक्युरिटी, राजेंद्र नगर बिलासपुर 9111175190 9098318675 (427)

**आवश्यकता है-** इंग्लिश मीडियम स्कूल में पढ़ाने हेतु अंग्रेजी में अच्छे संचार कौशल वाले शिक्षक, शिक्षिकाएं एवं अन्य कार्य हेतु शिक्षित लड़कियां चाहिए सम्पर्क करें- बचपन ए-प्ले स्कूल देवरीखुर्द बिलासपुर 7610888883, 7999358334 (39485)

**आवश्यकता है-** रेस्टोरेन्ट में काम करने के लिए तन्दूर मिस्त्री, वेटर लेडीज जेन्ट्स दोनों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- साँझा चूल्हा, महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 83193 44041 (39486)

**आवश्यकता है-** मेन्स वियर में काम करने के लिए सेल्समैन की आवश्यकता है केवल अनुभव लड़के ही सम्पर्क करें- सुबह 11:30 से शाम 7:00 यूनिक फैशन शिव टॉकीज चौक बिलासपुर 930315 9900, 9630110824 (39487)

**आवश्यकता है-** एलईडी लेटर बनाने वाली लड़कियां और लड़कों मार्केटिंग करने वालों की आवश्यकता है पता- अग्रसेन चौक बिलासपुर सम्पर्क करें- 6263077177, 7805884040 (39471)

**आवश्यकता है-** मेडिकल एजेन्सी में बिलिंग एवं एकाउंटिंग, माल पैकिंग करने, ट्रांसपोर्ट लेजाने, आर्डर एवं वसूली करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार (पढ़ाई बाध्य नहीं है) सम्पर्क करें- 9111000629 (39479)

**आवश्यकता है-** प्लांट में 5वर्ष अनुभवी नशामुक्त गार्ड, सुपरवाईजर की आवश्यकता है पेमेन्ट योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- दोपहर 3बजे से शाम 5बजे तक, गीतांजलि इस्पात एण्ड पॉवर प्राइवेट लिमिटेड हरदी कला सिलपहरी इण्डस्ट्रीयल एरिया बिलासपुर 9425534936 (39441)

**आवश्यकता है-**बुटीक में सिलाई कार्य करने हेतु महिला/पुरुष की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- आशा कलेक्शन बुटीक, मसानगंज पतंजलि मेगा स्टोर के पास इमलीपारा बिलासपुर 9131745687 (39474)

**आवश्यकता है-** FMCG वेलनेस एजेन्सी में बिलिंग एवं प्रोडक्ट देने हेतु एक कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार। योग्यता- ग्रेजुएट, कम्प्यूटर जानकार बायोडाटा सहित इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें- 9893081826, 70671 24226 (39476)

**आवश्यकता है-** होलसेल दवाई दुकान में काम करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- गुरुनानक मेडिकल स्टोर्स मेडिकल कॉम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर 7697780808 (39466)

**आवश्यकता है-** ऑफिस ब्वाय- 3पद, समान पैकेजिंग, लोडिंग, अनलोडिंग हेतु ऑटो चालक एवं सफाई कार्य हेतु व्यक्तियों की आवश्यकता है वेतन 9000 से 12000 प्रतिमाह सम्पर्क करें- 09575488884 (39480)

**आवश्यकता है-** सिरजन ऑटोमोटिव जरहाभाटा महिन्द्रा स्पेयर पार्ट्स शोरूम में एकाउन्टेन्ट- 1, कम्प्यूटर ऑपरेटर- 1, ड्राइवर- 1, स्पेयर पार्ट्स निकालने हेतु 1पद की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 7415894000 (39467)

**आवश्यकता है-**गैरेज में कार्य हेतु मैकेनिक, वर्कर (कार वॉशिंग) हेल्पर चाहिए अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- माँ शारदा कार केयर, स्मार्ट रोड, संजीवनी अस्पताल के पास बिलासपुर 7974332986 (39468)

**आवश्यकता है-**मिठाई, नमकीन बनाने हेतु मिस्त्री, 2 हेल्परो की तत्काल आवश्यकता है वेतन कार्य का अनुभव के आधार पर होगा। जो नशा मुक्त हो वही सम्पर्क करें व्यापार विहार बिलासपुर 7389995156 (39472)

**आवश्यकता है-** नर्सिंग होम में कार्य करने हेतु ट्रेण्ड नर्स एवं कम्पाउंडर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- जय अम्बे नर्सिंग होम महाराणा प्रताप चौक रिंग रोड नं.-2 बिलासपुर 99819 70853 (39475)

**आवश्यकता है-**सुरक्षागार्ड सिक्युरिटी सुपरवाइजर गनमैन फिल्ड ऑफिसर कम्प्यूटर ऑपरेटर, घरेलू कामवाली बाई। वेतन 8000-20000, आवास फ्री। पता- साईं सिक्युरिटी सर्विस साई निवास कॉम्प्लेक्स जे.जे. हॉस्पिटल बाजू तोरवा बिलासपुर 80852 33213, 8253010291, 8889 997826 (39295)

**आवश्यकता है-**ऑफिस कार्य हेतु टेलिकॉलिंग महिला एवं युवतियों की अतिशीघ्र आवश्यकता है सैलरी 5000 से 10000+ अतिरिक्त कमीशन सम्पर्क करें- गीतांजलि विहार लखन भोजनालय नेहरू नगर बिलासपुर 09685646863 (0301)

**आवश्यकता है-**फिल्ड/ऑफिस वर्क हेतु लड़का/लड़की की आवश्यकता है 10वी, 12वी, सैलरी 10000 मासिक इंटरव्यू- शनिवार 27/12/2025 सम्पर्क करें- प्रसाद एडवोकेट चैंबर्स, द्वितीय तल बजरंग कॉम्प्लेक्स तेलीपारा इमलीपारा रोड बिलासपुर 7828847691 (437)

**आवश्यकता है-**कम्प्यूटर ऑपरेटर 2 टेंडर कार्य, 20000 मार्केटिंग ऑफिसर 3, 40000 योग्यता MA/ MBA सुपरवाइजर 15, 15000 फील्ड अधिकारी 5, सुरक्षा गार्ड 66, 13000, 10000 वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय- 06, जे.शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ीनाका रायपुर 7747000016, 77460 00016, 7746000019 (348)

**आवश्यकता है-** दुकान में माल निकालने/जमाने हेतु लड़कियों, पैकिंग हेतु लड़को की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- सलुजा मेडिकल एजेंसी मेडिकल कॉम्प्लेक्स तेलीपारा (440)

**आवश्यकता है-** शहर से बाहर ऑफिस कार्य हेतु 18 से 28 तक अविवाहित युवकों की अतिशीघ्र आवश्यकता है योग्यता, 10वी, 12वी, स्नातक, वेतन -12000 रहना खाना फ्री ट्रेनिंग के बाद कमाए 20 से 25 हजार महीना संपर्क करें 6261667355, 911130 0616 (524)

### बेचना है

**बेचना है-**बिलासपुर गोड़पारा में निर्मित दो मंजिला मकान माया दुबे नर्सिंग होम के सामने जिसका भूस्वामी वैश्य (बैशवाड़े) कुर्मी समाज भाड़ी, है। क्षेत्रफल वर्गफीट में खसरा 169 रकबा 2478 वर्गफीट मकान बेचना है सम्पर्क करें- 9826173751, 70896 27465, 9399121049 (39446)

**बेचना है-** 10×14=140 फुट दुकान मेन रोड पर मिशन हॉस्पिटल रोड राजू दोसा के सामने जिसमे दीदी गारमेन्ट लिखा है शीश महल के पास सदर बाजार में बेचना है। सम्पर्क- 9827938236, 8770963388 (39477)

**बेचना है-** 12×16 की दो दुकान गोदाम के लिए श्री राम प्लाजा में सिटी कोतवाली के पास सन्त कंवर राम मार्केट के सामने गोल बाजार के पास बेचना है सम्पर्क करें- 93008 33924 (39478)

**बेचना है-** (1) चिल्हाटी मोपका 36 एवं 50 डिसमिल 30फिट चौड़ी रोड प्री कास्ट बाउंड्री सहित (2) सीपत गुड़ी मेनरोड प्लाट 65 डिसमिल 130फिट फ्रंट (3) भारती नगर अयप्पा मंदिर के पास प्लाट 1400 वर्गफीट (4) कड़ार नेशनल हाईवे से लगा हुआ प्लाट 49 डिसमिल 250फीट फ्रंट (5) बेलमुंडी में 40 डिसमिल प्लाट बेचना है संपर्क 9479169997 (430)

**बेचना है-**हर्षफिनिक्स सिटी पूर्ण विकसित कालोनी वार्ड49 बीआर यादव नगर, बिजौर बिलासपुर विभिन्न साइज लेआउट प्लाट, 2/3/4BHK डुप्लेक्स बंगलो, 2/3BHK अफोर्डेबल फ्लैट टाउनकंट्री रेरा रजिस्टर्ड। सम्पर्क- एसके बिल्डर्स & डेवलपर्स 88394 55596, 7697644444 (38649)

**बेचना है-**बिलासपुर मसानगंज में स्थित 6BHK का नवनिर्मित मकान, गीतांजलि सिटी फेस-2 के बगल में नया 2BHK मकान, कोटा मेन रोड में 2 एकड़ कमर्शियल प्लॉट बेचना है सम्पर्क करें- 78988 55268 (39297)

### किराया

**किराया-** 27खोली विकास नगर संजय तरण पुष्कर सरकारी क्वार्टर्स के पास, प्रथम तल पर 2BHK मकान वरांडा ओपन टेरेस। नौकरी, पेशा, छोटे परिवार को किराये पर देना है सम्पर्क करें- 9827903253 (39481)

### फाइनेन्स

**फाइनेन्स-**राज्य ग्रामीण बैंकों द्वारा सभी प्रकार के लोन, बिजनेस, मार्क शीट, आधार कार्ड, प्रॉपर्टी, कृषि, होम लोन 1% सालाना ब्याज व 40% सब्सिडी के साथ प्राप्त करे नोट- धोखेबाजों से सावधान हेड ऑफिस लोन डिपार्टमेंट हेल्प लाइन नम्बर- 81683 38503, 8168338503 (435)

**फायनेंस-** बसुधा फाइनेंस द्वारा सभी प्रकार लोन उपलब्ध बिजनेस, पर्सनल, कृषि महिला समूह, मकान, दुकान, लघु उद्योग, पर्सनल लोन, आधार कार्ड, पैन कार्ड प्रति उपलब्ध (2% ब्याज) (30% छूट) संपर्कः- 9755239652 (439)

### सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।


Medicare Specialists
इसे जरूर पढ़िये और समझिये
छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।
18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सेक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाये।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये। लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081 9083218330
डॉ. एच.सी. अग्रवाल (एम.डी.)
डॉ. बी.के. अग्रवाल
बी.ए.एम.एस. (यौन समस्या)
निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे, दुर्ग
94255-55659, 93039-48500
96177-89223, 93032-42200
गुरुवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8


### CLASSIFIED RATE CARD

01 अप्रैल 2025 से लागू
हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी

| EDITION | Appointment | Service/ Business | Property Rent & Sale | Display |
|---|---|---|---|---|
| Raipur City | 500 | 620 | 550 | 175/- Sqcm |
| Bhilai+Durg Edition | 440 | 560 | 520 | 150/- Sqcm |
| Bilaspur City | 440 | 500 | 520 | 140/- Sqcm |
| Raipur All Edition | 720 | 820 | 800 | 240/- Sqcm |
| Bilaspur All Edition | 610 | 780 | 690 | 195/- Sqcm |
| All CG | 1000 | 1150 | 1120 | 310/- Sqcm |
| All CG+MP | 1280 | 1750 | 1600 | 330/- Sqcm |
| All Edition | 1700 | 2100 | 2000 | 380/- Sqcm |

WANTED Display Scheme 2+1, 3+2, 5+4

COLOUR 20% Extra Charge For Disply

SCHEME
(Running) 3+1, 5+2, 10+6, 20+14, 30+25, 50+50
Display 2+1, 5+3, 10+7, 15+15, 20+25
1. Pick of the day 15% extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Prise per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail Id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. SINGLE DAY BOOKING 100 Rs. EXTRA.

ADVT. Booking Time 10.30 am to 4.00 pm.

5% GST For All Ad

EDUCATION SPECIAL- Fix Size 10x3 Scheme

| EDITION | RATE | Scheme |
|---|---|---|
| Raipur City | 3000 | 2+1 |
| Bhilai + Durg Edition | 2800 | 5+3 |
| Raipur Edition | 4400 | 10+10 |
| Bilaspur City | 2500 | 15+18 |
| Bilaspur Edition | 3800 | |
| All CG | 5500 | |

MATRIMONIAL CG+MP

| (Runing Matter) | (Size 5x1 Box) |
|---|---|
| 500/- 1 Sunday | 800/- 1 Sunday |
| 900/- 2 Sunday | 1200/- 2 Sunday |
| 1200/- 3 Sunday | 1500/- 3 Sunday |

HEALTH CARE — 10X1 FIX SIZE

| | (30 Days) | (60 Days) | (90 Days) |
|---|---|---|---|
| Raipur City | 55000 | 85000 | 1,10,000 |
| Bilai + Durg Edition | 50000 | 80000 | 1,00000 |
| Bilaspur City | 40000 | 70000 | 1,00000 |
| Raipur All Edition | 70000 | 1,20,000 | 1,60,000 |
| Bilaspur All Edition | 55000 | 1,00000 | 1,20,000 |
| All CG | 1,10,000 | 1,80,000 | 2,30,000 |

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur
Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778
E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur.
Mob.: 9826782100
E-mail- hbclassified375@gmail.com

# इस साल भारतीय क्रिकेट टीम ने नई ऊंचाईयों को तो छुआ, मगर कहीं खा गए मात

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

नई दिल्ली भारतीय क्रिकेट टीम ने साल 2025 में एक परिवर्तनकारी दौर से गुजरी। इस साल आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाने में असफल रहने के बाद टीम को शुभमन गिल के रूप में एक युवा कप्तान मिला।

रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद गिल को नया टेस्ट कप्तान नियुक्त किया गया। टेस्ट क्रिकेट में टीम का प्रदर्शन मिला-जुला रहा, वहीं सीमित ओवर क्रिकेट में टीम ने नई ऊंचाइयों को छुआ।

## साल 2025 में टीम इंडिया ने हासिल की उपलब्धियां, साथ में निराशा भी

### अपराजित रहते हुए जीता चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब

भारतीय टीम मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी को 3 बार जीतने वाली पहली टीम बनी थी। रोहित की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने दुबई में खेले गए एकतरफा फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर यह उपलब्धि हासिल की थी। खास बात यह रही कि टीम ने बिना कोई मैच हारे खिताब जीता था। टूर्नामेंट में यह उनका लगातार तीसरा फाइनल था। इसके साथ ही भारत ने अपना 7वां आईसीसी खिताब जीता, जो किसी भी टीम के लिए दूसरा सबसे अधिक खिताब है।

### ओवल टेस्ट में दर्ज की ऐतिहासिक जीत

इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के समापन के बाद गिल की कप्तानी में भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे पर गई। कड़े मुकाबले वाली एंडरसन-तेंडुलकर ट्रॉफी में भारत ने अंतिम टेस्ट जीतकर सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराई। पांच टेस्ट मैचों में 1,000 से अधिक गेंदें फेंकने वाले मोहम्मद सिराज ने ओवल में निर्णायक जीत दिलाकर सीरीज बराबर की। उनकी 143 किमी प्रति घंटे की यॉर्कर ने भारत को 6 रन से जीत दिलाई। इंग्लैंड 374 रनों का लक्ष्य हासिल नहीं कर पाई।

### रोहित-कोहली की वापसी

भारत ने अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया और 3 मैचों की वनडे सीरीज खेली। रोहित को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया। लगातार 2 मैचों में शून्य पर आउट होने वाले कोहली ने आखिरी वनडे में अर्धशतक बनाया।

### भारत ने जीता एशिया कप में अपना 9वां खिताब

इसके बाद भारतीय टीम सितंबर में टी-20 एशिया कप के लिए यूएई गई। सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम ने फाइनल समेत अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 3 बार हराकर अपराजित रहते हुए जीत दर्ज की। अभिषेक शर्मा ने पूरे अभियान में अहम भूमिका निभाई। फाइनल में तिलक वर्मा ने 53 गेंदों पर 69* रनों की अपनी स्थिर पारी से महत्वपूर्ण योगदान दिया। भारत ने अपना 9वां एशिया कप खिताब (वनडे और टी-20 अंतरराष्ट्रीय मिलाकर) जीता।

### दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में हार

वेस्टइंडीज को हराने के बाद भारत कोलकाता टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका से 30 रनों से हार गया। भारत 124 रनों के लक्ष्य का पीछा नहीं कर पाया। गुवाहाटी में जीत हासिल करने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने भारत को 2-0 से हराया। प्रोटियाज ने 548 रनों का सफलतापूर्वक बचाव किया और अंतिम दिन भारत को 140 रनों पर ऑल आउट कर दिया। इससे दक्षिण अफ्रीका ने साल 2000 के बाद भारत में अपनी पहली टेस्ट सीरीज जीतने में सफल रहा।

### भारत की टेस्ट टीम के लिए एक और बड़ी निराशा

गुवाहाटी में भारत को टेस्ट क्रिकेट में अपनी सबसे बड़ी हार (408 रन) मिली, जिसने 2004 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली 342 रनों की हार का रिकॉर्ड तोड़ दिया। इससे पहले भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में 3-0 से हार मिली थी।

### भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीती वनडे और टी-20 सीरीज

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में भारत ने शानदार वापसी की। इस सीरीज में भारत ने 2-1 से जीत हासिल की और कोहली ने अपना बेहतरीन प्रदर्शन दोहराया। सीरीज में उन्होंने 2 लगातार शतक और एक अर्धशतक जड़ा। इसके लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया। इसके बाद, भारत ने 5 मैचों की टी-20 सीरीज में दक्षिण अफ्रीका को 3-1 से हराया। यह भारत की लगातार 8वीं द्विपक्षीय टी-20 सीरीज जीत थी।

---

## एशेज सीरीज 2025-26: फिलहाल 3-0 से आगे चल रही ऑस्ट्रेलियाई टीम

# चौथा बॉक्सिंग डे टेस्ट आज से : ऑस्ट्रेलिया की कमान संभालेंगे स्मिथ, इंग्लैंड ने किए कई बदलाव

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

एशेज सीरीज 2025-26 का चौथा और बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच 26 दिसंबर से मेलबर्न में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम सीरीज में 3-0 से अजेय बढ़त ले चुकी है। पैट कमिंस चोटिल होने के कारण चौथे मुकाबले से बाहर हो गए हैं। ऐसे में एक बार फिर स्टीव स्मिथ कप्तानी करते हुए नजर आएंगे। इंग्लैंड ने भी अपनी प्लेइंग इलेवन में कई बदलाव किए हैं। ऐसे में जहां ऑस्ट्रेलियाई टीम लगातार चार टेस्ट मैच जीतने का रिकॉर्ड बनाने आतुर है वहीं इंग्लैंड किसी भी प्रकार एक टेस्ट मैच ड्रा कराकर या जीतकर ऑस्ट्रेलिया के विजयरथ को रोकना चाहेगी।

### इंग्लैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया का पलड़ा रहा है भारी

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच अब तक 364 टेस्ट मैच खेले गए हैं। इस दौरान कंगारू टीम को 155 मुकाबलों में जीत मिली है। इंग्लैंड ने 112 मैच अपने नाम किए हैं। दोनों टीमों के बीच 97 मुकाबले ड्रॉ पर समाप्त हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया की सरजमीं पर दोनों टीमों के बीच अब तक 188 टेस्ट मुकाबले खेले गए हैं। 102 मैच ऑस्ट्रेलिया ने जीते हैं और 57 में उसे हार मिली है। 29 मुकाबले ड्रॉ पर समाप्त हुए।

### इंग्लैंड टीम

इंग्लैंड की टीम में जोफ्रा आर्चर और ओली पोप को शामिल नहीं किया गया है। उनकी जगह जेकब बेथेल और गस एटकिंसन की वापसी हुई है। आर्चर चोटिल होने के कारण सीरीज से बाहर हुए हैं। पोप को उनकी खराब फॉर्म के कारण प्लेइंग इलेवन से बाहर किया गया है।

इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन : जैक क्रॉली, बेन डकेट, जैकब बेथेल, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ, विल जैक्स, गस एटकिंसन, ब्रायडन कार्स और जोश टंग।

### इन खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर होंगी नजरें

हेड ने पिछले 10 टेस्ट मैच में 42.17 की औसत से 759 रन बनाए हैं। केरी के बल्ले से पिछले 10 मुकाबलों में 53.07 की शानदार औसत से 743 रन निकले हैं। इंग्लैंड के लिए रूट ने पिछले 10 मुकाबलों में 54.75 की शानदार औसत से 876 रन बनाए हैं। गेंदबाजी में स्टार्क ने पिछले 10 मैच में 51 विकेट चटकाए हैं। इंग्लैंड के लिए स्टोक्स ने पिछले 9 मुकाबलों में 32 विकेट अपने नाम किए हैं।

---

# विजय हजारे ट्रॉफी के इतिहास में तीन टीमों ने हासिल किया है सबसे बड़ा लक्ष्य

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कर्नाटक क्रिकेट टीम ने 24 दिसंबर 2025 को लिस्ट-ए क्रिकेट में नया इतिहास रच दिया। मयंक अग्रवाल की कप्तानी में टीम ने विजय हजारे ट्रॉफी में झारखंड के खिलाफ 413 रनों का विशाल लक्ष्य हासिल कर लिया। एलीट ग्रुप-ए के इस मुकाबले में कर्नाटक ने टूर्नामेंट के इतिहास का सबसे बड़ा सफल रन चेज दर्ज किया। दिलचस्प बात यह रही कि इसी दिन बंगाल ने भी विजय हजारे ट्रॉफी का संयुक्त तीसरा सबसे बड़ा रन चेज

### कर्नाटक 413 रन बनाम झारखंड, अहमदाबाद (2025)

कप्तान ईशान किशन की महज 33 गेंदों में तूफानी शतकीय पारी की बदौलत झारखंड ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 412 रन बनाए। इस दौरान विराट सिंह और कुमार कुशाग्र ने भी तेज अर्धशतक जड़े। कर्नाटक की ओर से अभिलाष शेट्टी ने 4/72 के आंकड़े दर्ज किए। जवाब में कर्नाटक ने 15 गेंद शेष रहते 413 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। देवदत्त पडिक्कल ने शानदार 147 रन, जबकि कप्तान मयंक अग्रवाल ने 54 रन की अहम पारी खेली।

आंध्र क्रिकेट टीम 384 रन बनाम गोवा, बेंगलुरु (2012)
विजय हजारे ट्रॉफी का दूसरा सबसे बड़ा रन चेज भी आंध्र क्रिकेट टीम के नाम दर्ज है। 2011-12 सीजन में पहले बल्लेबाजी करते हुए गोवा ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 383 रन बनाए।

**भारत सरकार, रेल मंत्रालय**

**रेलवे भर्ती बोर्ड**

**केंद्रीकृत रोजगार सूचना (सीईएन) संख्या 08/2025**

**आइसोलेटेड केटेगरी के विभिन्न पदों की भर्ती संकेतात्मक सूचना**

नीचे दी गई तालिका में दिए गए विभिन्न श्रेणीयों के पद के लिए पात्र उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि **29.01.2026** है। सभी प्रकार से पूर्ण आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से ही जमा किए जाने चाहिए।

**आवेदन शुरू होने की तिथि : 30/12/2025** **आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि : 29/01/2026 (23:59 बजे)**

| पद का नाम | 7 वे सीपीसी के अनुसार पे लेवल | प्रारंभिक (₹) | चिकित्सा मानक | 01.01.2026 को आयु | संभावित रिक्तियां (सभी आरआरबी) |
|---|---|---|---|---|---|
| वरिष्ठ प्रचार निरीक्षक | पे लेवल-6 | 35,400 | सी-1 | 18-33 years | 15 |
| प्रयोगशाला सहायक ग्रेड III(रसायनज्ञ एवं धातुकर्मी) | पे लेवल-2 | 19,900 | बी-1 | 18-30 years | 39 |
| मुख्य विधि सहायक | पे लेवल-7 | 44,900 | सी-1 | 18-40 years | 22 |
| कनिष्ठ अनुवादक (हिन्दी) | पे लेवल-6 | 35,400 | सी-1 | 18-33 years | 202 |
| कर्मचारी एवं कल्याण निरीक्षक | पे लेवल-6 | 35,400 | सी-1 | 18-33 years | 24 |
| लोक अभियोजक | पे लेवल-7 | 44,900 | सी-1 | 18-32 years | 07 |
| वैज्ञानिक सहायक (प्रशिक्षण) | पे लेवल-6 | 35,400 | बी-1 | 18-35 years | 02 |
| Total | | | | | 311 |

**नोट -: 1.** उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे ऑनलाइन एप्लीकेशन भरते समय आधार का उपयोग करके प्राथमिक विवरण सत्यापित करें, ताकि गैर-आधार सत्यापित आवेदनों के लिए भर्ती प्रक्रिया के हर चरण में विशेष विस्तृत जांच के कारण होने वाली असुविधा और अतिरिक्त देरी से बचा जा सके। **2.** आधार का उपयोग करके सफल सत्यापन के लिए, आधार में नाम और जन्मतिथि 10वीं क्लास के पास सर्टिफिकेट में दिए गए पूरे नाम और जन्मतिथि से 100% मिलान होने चाहिए। इसी तरह, ऑनलाइन एप्लीकेशन भरने से पहले आधार को लेटेस्ट फोटो और लेटेस्ट बायोमेट्रिक्स (फिंगरप्रिंट और आइरिस) के साथ अपडेट करना होगा। **3.** यह सूचना केवल सांकेतिक प्रकृति की है, जिसे आगामी भर्ती सूचना (सीईएन) के बारे में भावी उम्मीदवारों को सूचित करने और आवेदन के लिए आवश्यक प्रमाण पत्र या दस्तावेज़ तैयार रखने के उद्देश्य से जारी किया गया है। यह भी स्पष्ट किया जाता है कि भर्ती से संबंधित सभी नियम, शर्तें, पात्रता मानदंड, प्रक्रियाएं और अन्य आवश्यकताएं विस्तृत सीईएन संख्या 08/2025 (समय-समय पर जारी किए जाने वाले किसी भी शुद्धिपत्र सहित) के अनुसार ही होंगी, जिसे नीचे सूचीबद्ध आरआरबी की आधिकारिक वेबसाइटों पर ही प्रकाशित किया जाएगा:

**सीईएन संख्या 08/2025 में भाग लेने वाले सभी आरआरबी वेबसाइटें निम्नलिखित हैं**

| RRB | Website Address | RRB | Website Address | RRB | Website Address |
|---|---|---|---|---|---|
| Ahmedabad | www.rrbahmedabad.gov.in | Guwahati | www.rrbguwahati.gov.in | Prayagraj | www.rrbald.gov.in |
| Ajmer | www.rrbajmer.gov.in | Jammu Srinagar | www.rrbjammu.nic.in | Ranchi | www.rrbranchi.gov.in |
| Bhopal | www.rrbbhopal.gov.in | Kolkata | www.rrbkolkata.gov.in | Secunderabad | www.rrbsecunderabad.gov.in |
| Bhubaneswar | www.rrbbbs.gov.in | Malda | www.rrbmalda.gov.in | Siliguri | www.rrbsiliguri.gov.in |
| Bilaspur | www.rrbbilaspur.gov.in | Mumbai | www.rrbmumbai.gov.in | Bengaluru | www.rrbbnc.gov.in |
| Chandigarh | www.rrbcdg.gov.in | Muzaffarpur | www.rrbmuzaffarpur.gov.in | Gorakhpur | www.rrbgkp.gov.in |
| Chennai | www.rrbchennai.gov.in | Patna | www.rrbpatna.gov.in | Thiruvananthapuram | www.rrbthiruvananthapuram.gov.in |

**संख्या: आरआरबी/अज/विज्ञप्ति/सीईएन/08/2025** **अध्यक्ष**
**दिनांक : 26/12/2025** **रेलवे भर्ती बोर्ड**

**दलालों, धोखेबाजों और जॉब रैकेटर्स से सावधान रहें।**

---

## राशिफल

**मेष** वाणी में कठोरता के भाव रहेगा, संचित धन में कमी आ सकती है। प्रतियोगी परीक्षा व साक्षात्कार आदि कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

**वृष** धैर्यशीलता में कमी आ सकती है, अपनी भावनाओं को वश में रखें। पारिवारिक जम्मिदारियां बढ़ सकती हैं। नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं।

**मिथुन** माता से धन की प्राप्ती हो सकती है। कला व संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में परश्रिम की अधिकता रहेगी, आय में वृद्धि होगी।

**कर्क** आत्मवश्विास में वृद्धि होगी, कुटुंब परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। उच्च शक्षिा एवं शोध आदि कार्यों के लिए विदेश प्रवास की संभावना बन रही है।

**सिंह** पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे, संतान सुख में वृद्धि होगी। आय में कमी व खर्चों में वृद्धि की स्थिति हो सकती है।

**कन्या** स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है, परंतु आत्मवश्विास में वृद्धि होगी। कार्यों के प्रति जोश व उत्साह रहेगा ।पारिवारिक जम्मिदारियां बढ़ सकती हैं।

**तुला** वाणी में कठोरता का भाव रहेगा, बातचीत में संयत रहें। वस्त्रों आदि की ओर रूझान बढ़ेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

**वृश्चिक** शैक्षिक व बौद्धिक कार्यों से यश व मान-सम्मान में वृद्धि होगी। जीवन साथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी।

**धनु** कार्यक्षेत्र में परश्रिम की अधिकता रहेगी, संतान को कष्ट रहेगा। आत्मवश्विास में वृद्धि होगी। कला व संगीत के प्रति रूझान बढ़ेगा।

**मकर** कार्यक्षेत्र में परिवर्तन संभव है, संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है। वस्त्रों व गहनों के प्रति रूझान रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

**कुंभ** कुटुंब की किसी महिला से धन प्राप्ती के योग बन रहे हैं, भाइयों के साथ मनमुटाव हो सकता है। बातचीत में संयत रहें, वाणी में कठोरता के भाव रहेंगे।

**मीन** दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी, किसी मत्रि के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। परिवार में मान-सम्मान बढ़ेगा।

---

# भारत-श्रीलंका के बीच तीसरा टी20 आज भारत की नजरें श्रृंखला जीतने पर

**तिरूवनंतपुरम।** आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय टीम अपनी लय को कायम रखते हुए खराब फॉर्म से जूझ रही श्रीलंकाई टीम के खिलाफ शुक्रवार को तीसरा टी20 मैच और पांच मैचों की श्रृंखला जीतने के इरादे से उतरेगी। भारत ने विशाखापत्तनम में पहले दो टी20 मैचों में क्रमशः आठ और सात विकेट से जीत दर्ज की है। भारत की यह पिछले 11 टी20 मैचों में नौवीं जीत थी। श्रीलंका ने आखिरी बार भारत को जुलाई 2024 में दाम्बुला में हराया था। मैच आज शाम 7 बजे से तिरुवनंतपुरम में खेला जाएगा।

### भारत की सभी खिलाड़ी अभी फॉर्म पर

मेजबान टीम के पास शानदार बल्लेबाजी क्रम है और पिछले दोनों मैचों में अलग अलग खिलाड़ियों ने जीत दिलाई है। पहले मैच में जहां जेमिमा रौड्रिग्स चली तो दूसरे में शेफाली वर्मा जीत की सूत्रधार रहीं। भारत की गेंदबाजी ईकाई भी उतनी ही दमदार है और स्पिनरों ने पहले मैच में श्रीलंका को छह

विकेट पर 121 और दूसरे में नौ विकेट पर 128 रन पर रोक दिया। युवा एन श्रीचरणी, वैष्णवी शर्मा और क्रांति गौड़ ने अनुशासित, नियंत्रित और प्रभावी गेंदबाजी की है।

---

## शब्द पहेली - 6089

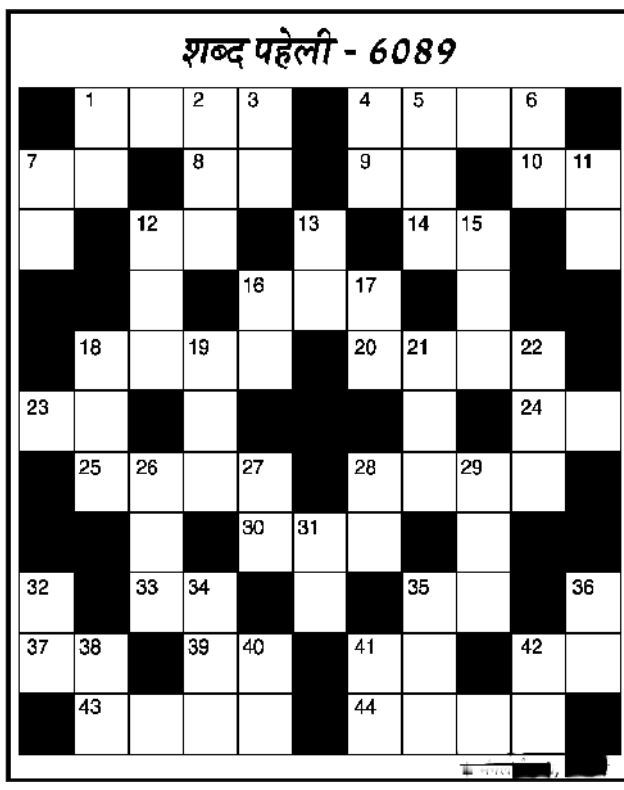

**बाएँ से दाए-**
1. सुरक्षित-4
4. माहुर, आलता-4
7. कार्य, काज-2
8. रांझे की प्रेमिका-2
9. स्याही, कालिख-2
10. भूमि, धरा-2
12. ठाठ-बाट-2
14. अधर, होठ-2
16. विशाल, श्रेष्ठ-3
18. आदेश, आज्ञा-4
20. कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4
23. काका की पत्नी-2
24. कामदेव की पत्नी-2
25. जनवासा, हरम-4
28. हमसफर-4
30. कपड़े धोने वाला-3
33. आनंद, मौज-2
35. संदेह-2
37. सरूर, खुमार-2
39. मृत्यु का देवता-2
41. पुण्य का विलोम-2
42. परछाई, छाया-2
43. शिव, रुद्र, शंकर-4
44. सराबोर, सना हुआ-4

**ऊपर से नीचे**
1. समान, एक जैसा-2
2. बारीक-3
3. भीगा हुआ-2
4. मेरा (संस्कृत-2)
5. पाना, प्राप्त-3
6. घोड़ागाड़ी, गाड़ी-2
7. कहवा-2
11. उद्देश्य-2
12. गजल लिखनेवाला-3
13. उस जगह-2
15. बारिश, वर्षा-3
16. जी, चित-2
17. मर्द, आदमी-2
18. दरवेश-3
19. मध्य प्रदेश का एक क्षेत्र-3
21. साजन, प्रेमी-3
22. मुलायम-3
26. कायदा, कानून-3
27. महोदय (अंग्रेजी)-2
28. अधिकार-2
29. खटखटाना-3
31. जगत, दुनिया-2
32. प्राण, जीव-2
34. स्वाद-3
35. प्रतिज्ञा-3
36. शरीर, तन-2
38. संध्या, सांझ-2
40. अपशिष्ट पदार्थ-2
41. मस्तूल, नौका पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
42. संग, संगत-2

**शब्द पहेली -6088 का हल**

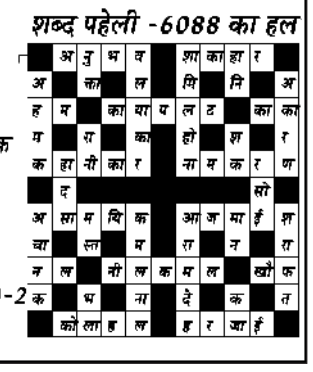

## सूडोकु नवताल - 6099

कठिन

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 8 | 5 | | | | | | |
| 3 | | | | | | | | |
| | | | 6 | | | 7 | 4 | |
| 6 | | | 2 | | 4 | | | |
| 1 | | | | | | | | 8 |
| | | | 7 | | 5 | | | 3 |
| | 4 | 7 | | | 1 | | | |
| | | | | | | | | 6 |
| | | | | | | 5 | 2 | |

MANGAL SEVACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

**सूडोकु नवताल - 6098 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | 3 | 9 | 2 | 6 | 8 | 5 | 1 | 7 |
| 8 | 1 | 6 | 7 | 4 | 5 | 9 | 2 | 3 |
| 7 | 5 | 2 | 3 | 9 | 1 | 6 | 4 | 8 |
| 1 | 7 | 5 | 4 | 2 | 6 | 8 | 3 | 9 |
| 6 | 4 | 3 | 8 | 5 | 9 | 2 | 7 | 1 |
| 2 | 9 | 8 | 1 | 7 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 5 | 2 | 1 | 6 | 8 | 7 | 3 | 9 | 4 |
| 9 | 8 | 7 | 5 | 3 | 4 | 1 | 6 | 2 |
| 3 | 6 | 4 | 9 | 1 | 2 | 7 | 8 | 5 |

# चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव का इसरो ने खोला रहस्य, रम्भा-एलपी को मिला सुपरचार्ज्ड प्लाज्मा

**नई दिल्ली।** इसरो ने चंद्रमा को लेकर एक जरूरी खोज की है। चंद्रयान-3 मिशन के विक्रम लैंडर पर लगे खास उपकरण रम्भा-एलपी ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास सतह के बेहद करीब ऊर्जा से भरपूर प्लाज्मा की मौजूदगी दर्ज की है। इसरो के अनुसार, यह पहली बार है जब इतने कम ऊंचाई पर चंद्रमा के प्लाज्मा वातावरण का सीधा अध्ययन किया गया है। यह खोज भविष्य के चंद्र अभियानों के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

## आयन और इलेक्ट्रॉन की अधिक मात्रा

विक्रम लैंडर ने 23 अगस्त 2023 से 3 सितंबर 2023 के बीच जो आंकड़े जुटाए, उनके विश्लेषण से पता चला कि चंद्रमा की सतह के पास का विद्युत वातावरण पहले की सोच से कहीं ज्यादा सक्रिय है। रम्भा-एलपी उपकरण का मुख्य उद्देश्य चंद्र सतह के पास मौजूद आयन और इलेक्ट्रॉन यानी प्लाज्मा की मात्रा और उसमें होने वाले बदलावों को मापना था। इस अध्ययन से यह साफ हुआ कि दक्षिणी उच्च अक्षांशों पर प्लाज्मा की भूमिका काफी अहम है।

## कक्षा के अनुसार बदलता रहता है वातावरण

रम्भा-एलपी से मिले आंकड़ों के अनुसार, शिव शक्ति प्वाइंट नामक लैंडिंग स्थल के पास इलेक्ट्रॉन

घनत्व 380 से 600 इलेक्ट्रॉन प्रति घन सेंटीमीटर के बीच पाया गया है। यह पहले किए गए अनुमानों से अधिक है। इसके साथ ही, यहां मौजूद इलेक्ट्रॉनों की ऊर्जा भी काफी ज्यादा पाई गई, जिनका तापमान 3,000 से 8,000 केल्विन तक दर्ज किया गया, यह दर्शाता है कि चंद्र सतह के पास का वातावरण लगातार बदलता रहता है। इसरो के वैज्ञानिकों का कहना है कि चंद्रमा का प्लाज्मा वातावरण उसकी कक्षा के अनुसार बदलता रहता है। जब चंद्रमा सूर्य की ओर होता है, तब सौर हवा इसका मुख्य कारण होती है। वहीं, जब चंद्रमा पृथ्वी की चुंबकीय पूंछ से गुजरता है, तब पृथ्वी से आने वाले आवेशित कण इसमें बदलाव लाते हैं।

## हवा और सूर्य की रोशनी से बनता है प्लाज्मा

इसरो ने बताया कि प्लाज्मा को भौतिक विज्ञान में पदार्थ की चौथी अवस्था कहा जाता है। यह आयन और मुक्त इलेक्ट्रॉनों का मिश्रण होता है, जो बिजली को आसानी से प्रवाहित करता है। चंद्रमा पर यह प्लाज्मा मुख्य रूप से सूर्य से आने वाली सौर हवा और सूर्य की रोशनी के कारण बनता है। तेज सूर्य किरणें सतह से इलेक्ट्रॉनों को बाहर निकाल देती हैं, जिससे गैस आयन में बदल जाती है और प्लाज्मा बनता है।

**वैज्ञानिक खोज की ये बटन 24 घंटे रोशन रखेगी दुनिया!**

# धरती के घूमने से पैदा हुई बिजली जमीन के नीचे लैब में हुआ कमाल

**वॉशिंगटन।** अमेरिका के वैज्ञानिकों ने छोटा सा उपकरण बनाया है। ये धरती के घूमने से ही बिजली पैदा करता हुआ नजर आया है। यह प्रयोग अभी बहुत शुरुआती स्तर पर है। इससे बहुत कम बिजली मिली है। वैज्ञानिकों का मानना है कि अगर यह तकनीक आगे बढ़ी तो बिना ईंधन के लगातार ऊर्जा पाने का रास्ता खुल सकता है। रिसर्च की अगुवाई प्रिंसटन यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर क्रिस्टोफर एफ. चाइबा कर रहे थे। वह अंतरिक्ष और बिजली-चुंबक से जुड़े विषयों पर काम करते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि धरती के चारों तरफ एक मैग्नेटिक फील्ड है। यह धरती के अंदर पिघले धातु के घूमने से बनता है। जब धरती घूमती है तो यह चुंबकीय फील्ड अंतरिक्ष में लगभग अपनी जगह पर बनी रहती है। ऐसे में धरती से जुड़ी कोई भी चीज इस मैग्नेटिक फील्ड के अंदर लगातार घूमती रहती है। सिद्धांत के तौर पर इससे बिजली पैदा हो सकती है। हालांकि पहले माना जाता था कि यह बिजली तुरंत खत्म हो जाएगी।

## पुरानी सोच में निकला नया रास्ता

अब तक साइंस में यह माना जाता था कि जैसे ही इलेक्ट्रॉन हिलते हैं। वे खुद ही ऐसा असर पैदा कर देते हैं। जिससे बिजली बननी बंद हो जाती है। वैज्ञानिकों ने इसमें एक रास्ता निकाला। उन्होंने बताया कि अगर खास आकार और खास मटीरियल का इस्तेमाल किया जाए तो यह असर पूरी तरह खत्म नहीं होता है। उनका फोकस एक ऐसे खोल जैसे ढांचे पर था जो मैग्नेटिक फील्ड को मोड़ सके, लेकिन खुद बिजली को ठीक से बहने न दे। बता दें कि इसको परखने के लिए वैज्ञानिकों ने करीब एक फुट लंबा खोखला सिलेंडर बनाया। यह सिलेंडर मैंगनीज जिंक फेराइट नाम के पदार्थ से बनाया गया था। यह एक तरह की सिरेमिक है, जो चुंबकीय फील्ड को रास्ता देती है, लेकिन बिजली बहुत कम चलने देती है। इस सिलेंडर को उत्तर-दक्षिण दिशा में रखा गया है। इसे करीब 57 डिग्री के एंगल पर झुकाया गया। यह एंगल इसलिए चुना गया, ताकि यह धरती के घूमने और चुंबकीय फील्ड दोनों के हिसाब से सही दिशा में रहे। इसके बाद सिलेंडर के दोनों सिरों पर इलेक्ट्रोड लगाए गए थे। जिससे वोल्टेज मापा जा सके। जैसे-जैसे धरती घूमती रही इस उपकरण में बहुत कम, लेकिन लगातार वोल्टेज मिला।

## शोर से दूर की गई जांच

वोल्टेज बहुत ही कम था इसलिए माप लेने के लिए वैज्ञानिकों ने एक अंडरग्राउंड कमरे में प्रयोग किया था। जहां बिजली का शोर बहुत कम था। बाद में इसे एक रिहायशी इलाके में भी दोहराया गया था. वहां डेटा थोड़ा गड़बड़ था लेकिन लगभग नतीजे वही रहे थे। तापमान के फर्क से पैदा होने वाली बिजली जिसे सीबेक इफेक्ट कहते हैं, उसे भी ध्यान में रखा गया। दोनों सिरों का तापमान लगातार मापा गया और उस असर को अलग कर दिया गया।

## कितनी बिजली बनी

इस उपकरण से बहुत ही कम करंट निकला सिर्फ नैनोएम्पियर में ही था। इतनी बिजली रोजमर्रा के किसी भी उपकरण के काम की नहीं है। फिर भी वैज्ञानिकों के लिए यह नतीजा अहम है क्योंकि इससे एक नया रास्ता खुलता है। हालांकि, वैज्ञानिक साफ कहते हैं कि यह अभी शुरुआती कदम है। कुछ वैज्ञानिक इस विचार से सहमत नहीं हैं। इस पर बहस चल रही है। अगर आगे चलकर यह तकनीक सही साबित होती है और इसे बड़ा बनाया जा सका, तो इससे ऐसे सेंसर या उपकरण चलाए जा सकते हैं। जिन्हें कभी ईंधन या बैटरी बदलने की जरूरत न पड़े। वैज्ञानिकों का यह भी कहना है कि ऐसे कई छोटे उपकरण जोड़कर ज्यादा वोल्टेज पाया जा सकता है।

# पेरू की मोन्टे सियर्पे पहाड़ी में दिखा ये एलियन अजूबा, 5200 प्राचीन गड्ढे!

**लीमा।** हाल ही में एक खबर सामने आ रही है कि पेरू की पिस्को घाटी में मोन्टे सियर्पे नामक पहाड़ी पर लगभग 5,200 गड्ढे खुदे हुए हैं, जिन्हें करीब एक सदी से वैज्ञानिक समझने की कोशिश कर रहे हैं। ये छिद्र लगभग 1.5 किलोमीटर तक फैले हुए हैं और ऐसा लगता है जैसे इन्हें गणितीय ढंग से व्यवस्थित किया गया हो, अब सिडनी विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने इसका रहस्य सुलझाने की दिशा में अहम खोज की है। उन्होंने बताया कि यह रहस्यमय जगह प्राचीन आदिवासी व्यापार और लेखा प्रणाली का हिस्सा हो सकती थी, जिसका इस्तेमाल मुख्य रूप से 14वीं शताब्दी में किया गया हो।

## प्राचीन गांठदार तारों की लेखा प्रणाली

शोधकर्ताओं ने ड्रोन की मदद से इस स्थल का पूरा नक्शा बनाया और पाया कि छिद्रों की स्थिति में संख्या और पैटर्न नजर आते हैं। यह संरचना कुछ हद तक इनका खिपु जैसी दिखती है, जो एक प्राचीन गांठदार तारों की लेखा प्रणाली थी। मोन्टे सियर्पे के गड्ढे लगभग 1 से 2 मीटर चौड़े और 0.5 से 1 मीटर गहरे हैं। इनकी पंक्तियां बार-बार दोहराई जाती हैं और कभी-कभी विशेष संख्याओं के पैटर्न में बदलती हैं। यह संकेत करता है कि यह केवल सजावट नहीं, बल्कि किसी तरह का व्यवस्थित लेखा या सामाजिक तकनीक थी।

## प्री-इंका बाजार या व्यापार स्थल

मिट्टी के नमूनों में मकई, कद्दू, अमरन्थ, कपास, मिर्च जैसी फसलों के प्राचीन पराग पाए गए हैं। ये पौधे उस शुष्क इलाके में उगते नहीं थे, इसलिए शोधकर्ताओं का मानना है कि लोग इन वस्तुओं को लेकर आए और गड्ढों में रख देते थे। यह एक तरह का प्री-इंका बाजार या व्यापार स्थल था, जहां समुद्री व्यापारी, किसान और विशेषज्ञ मिलकर स्थानीय उत्पादों का आदान-प्रदान करते थे।

# चीन में खुले अनोखे जेल

## ठूंसे जा रहे मोटे लोग, मिलती है ऐसी सजा!

**बीजिंग।** सोशल मीडिया पर इन दिनों चीन के 'फैट प्रिजन' की खूब चर्चा हो रही है। ये अनोखे जेल सिर्फ मोटे लोगों के लिए है। जिन्हें ऐसा लगता है कि उन्हें वजन कम करने की जरुरत है या कुछ किलो एक्स्ट्रा है, जिसे कम करना है, वो इस जेल में खुद आकर एनरॉल करवा रहे हैं। जी हां, दुनिया की वो जेल, जहां रेपिस्ट या मर्डरर जैसे अपराधियों की जगह मोटे लोगों को बंद किया जाता है। इनका बाहर की दुनिया से संपर्क काट दिया जाता है। इसके अलावा तीन टाइम बैलेंस्ड मील दिया जाता है और दिन में 4 घंटे या ज्यादा एक्सरसाइज करवाई जाती है। यानी इस जेल से निकलने तक शख्स छरहरी काया पा लेता है।

## बेहद मशहूर हैं ये जेल

चीन के ये जेल कोई सरकारी जेल नहीं है, जहां अपराधियों को सजा दी जाती है। बल्कि ये प्राइवेट वेट लॉस बूट कैंप्स या स्लिमिंग सेंटर्स हैं, जहां ओवरवेट या ओबिस लोग खुद पैसे देकर एडमिशन लेते हैं। एक बार जेल के अंदर आए तो आप बाहर नहीं जा सकते हैं। फोन का इस्तेमाल लिमिटेड है। नो स्नैकिंग और सिर्फ रिगरस एक्सरसाइज। लोग यहां रैपिड वेट लॉस के लिए आते हैं और ट्रांसफॉर्मेशन जर्नी शेयर करते हैं।

## चीन में बढ़ी समस्या

चीन में ओबेसिटी बड़ी समस्या बन गई है। 2020 की रिपोर्ट के मुताबिक, 50% से ज्यादा एडल्ट्स ओवरवेट या ओबिस हैं। इससे बच्चे भी प्रभावित हो रहे हैं। कई कैंप्स खास बच्चों के लिए हैं, जहां मिलिट्री स्टाइल ट्रेनिंग होती है। सरकार ने भी तीन साल का कैंपेन शुरू किया है ओबेसिटी कम करने के लिए। ऐसे में ये वेट लॉस कैंप्स पूरे देश में पॉप अप हो रहे हैं। चेंगदू, बीजिंग आदि में कई कैंप खुल रहे हैं। एक कैंप में दिन की शुरुआत एक्सरसाइज से होती है। फिर लो कैलोरी बैलेंस्ड मील (प्रोटीन, वेजिटेबल्स ज्यादा), वेट चेक और फिर ट्रेनिंग दी जाती है। कई कैंप्स में 4-8 घंटे एक्सरसाइज, डेली वेटिंग, स्नैकिंग पर सर्विलांस तक किया जाता है। इस दौरान बाहर संपर्क कम रखा जाता है, क्योंकि लोग घर पर डाइट कंट्रोल नहीं कर पाते। लोग जो सच में वजन कम करना चाहते हैं, यहां अच्छी खासी फीस भरकर आते हैं और वेट लूज करते हैं।

# पहाड़ियों पर बसा वो वीराना शहर, जहां कभी थे 15000 लोग, आज तक नहीं बनी कोई सड़क!

**सानतिआगो।** कल्पना कीजिए एक ऐसे शहर की जहां हजारों लोग रहते हों, स्कूल और अस्पताल चलते हों, लेकिन वहां आने-जाने के लिए एक भी सड़क मौजूद न हो। इतना ही नहीं, कभी इस शहर में 15 हजार लोग रहते थे, लेकिन अब ये वीराना या यूं कहें कि भुतिया शहर बन चुका है, जहां कोई नहीं रहता। एंडीज (पर्वतमाला की दुर्गम ऊंचाइयों पर बसा यह शहर सेवेल है, जो इंजीनियरिंग की मिसाल है। आज यह शहर पूरी तरह वीरान है, लेकिन इसकी खामोश दीवारें उस दौर की गवाह हैं। जब यहां बस्ती हुआ करती थी, लोगों की चहल-पहल हुआ करती थी और बिना किसी गाड़ी या सड़क के यह शहर दुनिया को तांबा दे रहा था। चिली के माचाली इलाके में एंडीज पहाड़ों की ढलानों पर समुद्र तल से करीब 2000 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह शहर अब 'घोस्ट टाउन' बन चुका है।

## बार्टन सेवेल के सम्मान में रखा गया 'सेवेल' नाम

इसी रास्ते में अनियमित आकार के खूबसूरत चौराहे बनाए गए थे, जहां सजावटी पेड़ और पौधे लगाए गए थे, जो लोगों के मिलने-जुलने की मुख्य जगह हुआ करते थे। सड़कों की जगह सीढ़ियों वाले इस शहर की इमारतें लकड़ी की बनी थीं और उन्हें चटकीले हरे, पीले, लाल और नीले रंगों से रंगा गया था, जो बर्फ से ढके पहाड़ों के बीच किसी पेंटिंग की तरह नजर आती थीं। शुरुआत में सेवेल खदान के पास एक छोटा सा कैंप हुआ करता था। साल 1915 में ब्रेडन के पार्टनर बार्टन सेवेल के सम्मान में इसका नाम 'सेवेल' रखा गया। इसके बाद शहर का बुनियादी ढांचा तेजी से विकसित हुआ।

## 1905 में ब्रेडन कॉपर कंपनी ने बसाया था

सेवेल को साल 1905 में ब्रेडन कॉपर कंपनी ने बसाया था। इस शहर के निर्माण का मुख्य उद्देश्य दुनिया की सबसे बड़ी भूमिगत तांबे की खदान 'एल टेनिएंटे' में काम करने वाले मजदूरों और उनके परिवारों को रहने की जगह देना था। यह चिली का पहला ऐसा शहर था, जिसे पूरी तरह से एक कंपनी ने अपने संसाधनों को निकालने और प्रोसेस करने के लिए स्थापित किया था। सेवेल की सबसे चौंकाने वाली बात इसकी बनावट थी। एंडीज की खड़ी और पथरीली ढलानों पर बसे होने के कारण यहां कोई भी समतल सड़क बनाना नामुमकिन था। ऐसे में यहां सीढ़ियां बनाई गईं, जो रेलवे स्टेशन से शुरू होकर शहर के सबसे ऊपरी हिस्से तक जाती थी।

## बेहतरीन खनन तकनीक और वास्तुकला का संगम

15000 की आबादी वाले इस शहर में सभी आधुनिक सुविधाएं मौजूद थीं, जिसमें अस्पताल, चर्च, स्कूल, सोशल क्लब, थिएटर और यहां तक कि एक बॉलिंग एली और गर्म पानी का स्विमिंग पूल भी था। संकरी पटरी वाली रेलगाड़ी शहर के लिए राशन और जरूरी सामान लाती थी, जबकि तांबे के अयस्क को विशाल बाल्टियों से पहाड़ियों से नीचे भेजा जाता था। यह शहर उस दौर की बेहतरीन खनन तकनीक और वास्तुकला का संगम था। 1960 के दशक के अंत तक चिली में तांबा उद्योग का राष्ट्रीयकरण हो गया और यह सरकारी संपत्ति बन गई। इसी समय सरकार ने लोगों को पहाड़ों की इस दुर्गम ऊंचाई से हटाकर रंकागुआ में बसाने का फैसला किया। धीरे-धीरे शहर खाली होने लगा और 1980 तक इसे पूरी तरह से एक खनन बस्ती के रूप में छोड़ दिया गया।

# अमीरों की बस्ती में कूड़ा चुन रही महिला को मिला कुछ ऐसा की चमक गई किस्मत

**नई दिल्ली।** थ्रिफ्टेड होम स्टाइल इंफ्लुएंसर क्लॉडिया वॉन ने अपने हालिया वीडियो में एक ऐसा अनुभव शेयर किया है। जिसकी उन्होंने खुद भी कल्पना नहीं की थी। वीडियो की शुरुआत में वह कार में बैठकर कहती हैं चलो किसी अमीर इलाके में जाकर गार्बेज पिकिंग करते हैं। यह फैसला किसी बड़ी उम्मीद के साथ नहीं, बल्कि सिर्फ जिज्ञासा के चलते लिया गया था। इसके बाद वह सड़कों के किनारे रखे कूड़ेदानों और वहां फेंकी गई चीजों को ध्यान से देखना शुरू करती हैं। थोड़ी ही देर में उनकी नजर कूड़ेदान के पास रखे एक हैंडबैग पर जाती है। हैरानी के साथ वह कहती हैं, क्या ये पर्स है? शायद खराब हो, लेकिन इसे ठीक किया जा सकता है। जब वह बैग को उठाकर कार में खोलती हैं, तो उनकी खुशी और

आश्चर्य साफ झलकता है। वह कहती हैं, ये तो क्या ये क्रिश्चियन लुबोटिन का बैग है? बैग के अंदर उसी ब्रांड का एक और सामान और एक हेडबैंड भी मिलता है। बाद में वीडियो में बताया जाता है कि इस बैग की कीमत करीब 1,590 डॉलर यानी लगभग 1.42 लाख रुपए है। इसके बाद क्लॉडिया कई और जगहों पर रुकती हैं। कहीं, उन्हें फोल्डिंग कैंप चेयर मिलती है, तो कहीं बच्चों का बेबी क्रिब दिखाई देता है।

# साल 2026 में दुनिया देखेगी चंद्र ग्रहण का शानदार नजारा

**वॉशिंगटन।** खगोलविदों और अंतरिक्ष में दिलचस्पी रखने वालों के साल 2026 शानदार होने जा रहा है। आने वाले साल में कई चंद्र ग्रहण होने वाले हैं, जिससे आसमान देखने वालों को दुर्लभ नजारा देखने का मौका मिलेगा। यह साल इसमें पूर्ण ग्रहण से लेकर आंशिक तक शानदार खगोलीय नजारे दिखाने का वादा करता है। चंद्र ग्रहण उस खगोलीय घटना को कहते हैं जब पृथ्वी, सूर्य और चंद्रमा के बीच आ जाती है। इस प्रक्रिया में पृथ्वी की छाया चंद्रमा पर पड़ती है और यह अंधेरे में चला जाता है। खास बात यह है कि सूर्यग्रहण के उलट चंद्रग्रहण को नंगी आंखों से देखना

सुरक्षित होता है। यानी इसे आराम से देखा जा सकता है। साल 2026 का पहला चंद्र ग्रहण मार्च में होने जा रहा है। 3 मार्च होने वाला यह एक पूर्ण चंद्रग्रहण होगा। इसे पूरे एशिया और ऑस्ट्रेलिया में देखा जाएगा। इसके अलावा पैसिफिक द्वीपों और उत्तरी व दक्षिणी अमेरिका में भी यह पूरी तरह से दिखाई देगा। अमेरिकी समयानुसार यह अमेरिकी समयानुसार यह सुबह तड़के 3.44 मिनट पर शुरू होगा और 9.23 बजे सुबह खत्म होगा। खास बात है कि यह भारत में दिखाई देगा। इसकी लंबी ग्रहण अवधि इसे अलग-अलग टाइम जोन में देखने के योग्य बनाता है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com